RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 September, 2021

अंक – 03 (मासिक) वर्ष – 17 सितम्बर, 2021 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

पर्यावरण नायक
विनोद लाहोटी

योग नृत्य गुरू
गोपाल मूंदड़ा

पर्यावरण के पर्याय

प्रकृति प्रेमी
रूपेश भूतड़ा

संकल्पित गौसेवक
विजय काबरा

पर्यावरण प्रेमी
गौरव मालपानी

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL

MAKE THE RIGHT CHOICE FOR YOUR HOME

DO THE AKALMAND THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-03 ▸▸ सितम्बर 2021 ▸▸ वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
डॉ. मंजू राठी, उज्जैन

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

इसलिए वृक्ष लगाना चाहिए

महाभारत महलों और रणभूमि से अधिक वनभूमि में व्यतीत कथा है। तत्कालीन युग में महल गिनती के थे किंतु वन अनगिनत थे। भरतवंशियों के पितृ पुरुष शकुंतलानन्दन भरत का जन्म वन स्थित कण्व के आश्रम में ही हुआ था। धृतराष्ट्र, पाण्डु व विदुर के जन्मदाता पिता व महाभारतकार महर्षि वेदव्यास वनवासी ही थे। युधिष्ठिर आदि सभी पाँच पांडव वन में ही जन्मे थे। युद्ध से पूर्व धृतराष्ट्र व पाण्डु की माता अम्बिका व अम्बालिका अपनी सास सत्यवती के साथ वन प्रस्थान कर गई थी। युद्ध के 15 बरस बाद धृतराष्ट्र, गांधारी और कुंती को लेकर वन चले गए थे और वन की आग में ही तीनों की मृत्यु हुई थी।

महाभारत में वन कितने महत्वपूर्ण और आदरणीय है इसका प्रमाण है कि महाकाव्य के 18 में से एक पर्व का नाम ही वनपर्व है। इसमें काम्यकवन, द्वैतवन, कदलीवन जैसे अनेक वनों की कथा है। महाभारत के महानायक श्रीकृष्ण की बाललीला वृन्दावन में हुई तो भीम की हनुमानजी से भेंट कदलीवन में हुई। पांडवों ने 12 साल का वनवास काटा तो वन में ही जयद्रथ ने द्रौपदी का हरण किया और परिणाम में भीम व अर्जुन से दण्ड पाया। कृष्ण व अर्जुन ने खांडववन को जलाकर ही इंद्रप्रस्थ बसाया था और उसी का वैभव देख दुर्योधन के मन में पांडवों के प्रति ईर्ष्या जगी थी। जिसका परिणाम महायुद्ध में महाविनाश हुआ।

महाभारत में अनेक ऋषि-मुनियों की कथाएँ हैं जो सभी वन में आश्रम बनाकर रहते थे। इसी तरह अनेक राजर्षियों के भी प्रसंग हैं जो पूर्व में राजा थे किंतु राजभोग से ऊबकर जीवन के उत्तरार्ध में वनवासी हो गए। इसलिए कि तत्कालीन समाज 50 वर्ष के बाद शेष जीवन वानप्रस्थ व संन्यास को समर्पित करने में विश्वास रखता था। वन शांति के दाता थे इसीलिए शांति की कामना में भोग व युद्ध की हिंसा से उकता चुके नरेश वनों की शरण लेते थे। वन अरण्य थे, जहाँ किसी भी प्रकार का रण नहीं था। महाभारत की कथा महर्षि उग्रश्रवा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से महर्षि शौनक के आश्रम में सुनाई थी, जो नैमिषारण्य में स्थित था। वहीं नैमिषारण्य जिसका उल्लेख प्रायः हर हिन्दू शास्त्र में रह-रहकर आ जाता है।

वनों की इसी महत्ता के कारण शरशय्या पर पड़े भीष्म ने युधिष्ठिर को उपदेश देते हुए कहा कि 'अतीतानागते चोभे पितृवंशं च भारत। तारयेद् वृक्षरोपी च तस्माद् वृक्षांश्च रोपयेत्।।' अर्थात् हे भरतनन्दन ! वृक्ष लगाने वाला पुरुष अपने दिवंगत पूर्वजों और भविष्य में होने वाली सन्तानों का पितृकुल का भी उद्धार कर देता है। इसलिए वृक्षों को अवश्य लगाना चाहिए। यह भी कि 'पुष्पिताः फलवन्तश्च तर्पयन्तीह मानवान्। वृक्षदं पुत्रवद् वृक्षास्तारयन्ति परत्र तु।।' अर्थात् इस जगत में वृक्ष अपने फूलों व फलों से मनुष्यों को तृप्त करते हैं। जो वृक्ष का दान करता है, उसको ये वृक्ष पुत्र की भाँति परलोक में भी तार देते हैं।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

पर्यावरण हमारे जीने की ताकत

एक मोटीवेशनल गुरु की कहानी सुनाता हूं। उन्होंने अपनी क्लास में लोगों से पूछा- तीसरे, चौथे, पांचवें माले पर रहने वाले हाथ उठाएं। उनसे पूछा- आपके यहां पानी कैसे आता है? लोग बोले- मोटर से टंकी में चढ़ता है और वहां से फिर घर में आता है। पूछा- यदि मोटर न चले तब? लोग बोले- बिना मोटर पानी नहीं मिल सकता। फिर वे उन लोगों को एक बगीचे में ले गए जहां नारियल का पेड़ लगा था। उन्होंने वहां से एक नारियल तोड़ कर बुलवाया। नारियल को काटा तो उसमें पानी भरा था। उन्होंने कहा- इसमें पानी किसने भरा। यहां तो कोई मोटर नहीं लगी है। वह कौन सी ताकत है जिसने बिना मोटर चार मंजिला ऊंचे पेड़ के शिखर तक पानी पहुंचा दिया? लोग निरुत्तर थे।उन्होंने कहा- यह वही ताकत है जिसे सनातन संस्कृति ने प्रकृति नाम दिया और अब वैज्ञानिक पर्यावरण कहते हैं। प्रकृति के इंतजामों को एक शायर ने दो लाइनों में क्या खूब कहा है-

''धरती पर अंबर की आंखों से बरसती है।
एक रोज वही बूंदे फिर बादल बनती है। इस बनने बिगड़ने के दस्तूर में सारे हैं।''

हम भले कितने आधुनिक हो जाएं, वैज्ञानिक हो जाएं लेकिन प्रकृति की ताकत के आगे हम इसी तरह निरुत्तर हैं। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए प्रकृति और पुरुष के बीच समन्वय को कायम रखने की संस्कृति को बुना। दैनंदिनी जीवन में पेड़, पानी, पहाड़, जीव-जंतु, चंद्र-सूरज के साथ सहअस्तित्व बनाए रखने की परंपराएं शुरू की। पर्यावरण की ताकत के साथ तादात्म कायम करते हुए यज्ञ जैसी तकनीक को जीवन में शामिल कर दिया।

कोरोना ने उन अत्याधुनिक सभ्य (?) जनों का मुंह बंद कर दिया है, जो वेदों को गडरियों के गीत कह कर उनसे दूर छिटक गए। पूजन, यज्ञ को ढकोसला कहने से नहीं चूके। आज जब अमेरिका, यूरोप जैसे शक्तिशाली और विकसित विज्ञान वाले राष्ट्र भारतीय मान्यताओं को अपनाने की वकालात कर रहे हैं तो हमारे देश के तथाकथित बुद्धिजीवियों का संकोच में पड़ जाना लाजमी है। वे किस मुंह से कहें कि भारत ही है जिसकी संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान-विज्ञान के सूत्र पर्यावरण के विनाश को रोकते हैं और जीवन को स्वस्थ और ताकतवर बनाते हैं। हमारे गांव के लोग भले इनवायरमेंट डाइजेस्ट नहीं पढ़ सकते लेकिन वे जानते हैं कि धरती, हवा, पानी, पेड़, पहाड़, जीव-जंतु, आकाश के तारे, सब कुछ हमारे लिए पूजनीय यानी सम्माननीय हैं और उनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। फिर हमारे शहरी बुद्धिजीवी क्यों इस बात को नहीं समझ पाते? इस सवाल का जवाब उन्हें खुद देना चाहिए।

पर्यावरण के नाम पर एक पौधे के साथ पचास लोगों द्वारा हाथ लगा कर फोटो खिंचवाना न तो आपको पर्यावरण मित्र बनाता है और न बुद्धिजीवी। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर दिखावा करने की बजाए यदि हम अपनी संस्कृति के साथ अपनी नई पीढ़ी को जोड़ेंगे तो वे स्वतः ही पर्यावरण के प्रति आस्था के साथ जागरुक होंगे। उनके लिए पेड़ लगाना और बचाना पर्यावरण प्रेमी होने का ढोंग नहीं बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा होगा।

श्री माहेश्वरी टाइम्स उन सभी पर्यावरण मित्रों के प्रति नतमस्तक हैं जो पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का ध्येय बना कर काम कर रहे हैं। वे उन चंद लोगों में नहीं हैं जो साल में एक दिन एक पौधे के साथ अपने पचास लोगों को साथ लेकर फोटो खिंचवा कर पर्यावरण प्रेमी होने का दिखावा करते हैं। इस अंक में हम ऐसे ही समाजजनों से आपका परिचय करा रहे हैं जिन्होंने पर्यावरण को जिंदगी का हिस्सा बना लिया है। उनका कृतित्व हम सबके लिए प्रेरणीय है। समाज में जियोलाईफ प्रमुख विनोद लाहोटी जैसे व्यक्तित्व भी हैं जिन्होंने पर्यावरण को व्यवसाय का जरिया बना कर लोगों को जोड़ा। उज्जैन निवासी पर्यावरण प्रेमी परिवार के संस्थापक गौरव मालपानी तथा इंदौर में एक परिवार-एक पौधा अभियान चलाने वाले रूपेश भूतड़ा ऐसे पर्यावरण मित्र हैं, जो न सिर्फ स्वयं इसमें जुटे हैं, बल्कि अन्य को प्रेरित कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को अभियान ही बना दिया है। जलगांव के विजय काबरा जैसे गो-सेवक, योग को नई विधा के साथ जोड़ कर लोगों को स्वस्थ जीवन देने की कला सिखाने वाले चंद्रपुर के गोपाल मूंदड़ा आदि। निश्चित ही यह अंक आपके लिए उपयोगी और सार्थक पर्यावरणीय जीवन अपनाने को प्रेरित करेगा। अंक में आप सभी अपेक्षित स्थायी स्तंभ और अन्य ज्ञानवर्द्धक सामग्री तो पाएंगे ही। यह अंक कैसा लगा यह बताना भी न भूलें। जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

प्रख्यात स्त्रीरोग विशेषज्ञा के रूप में अपनी पहचान रखने वाली उज्जैन (म.प्र.) निवासी डॉ. मंजू राठी की पहचान वर्तमान में पर्यावरणविद के रूप में भी है। आप पर्यावरण संरक्षण, होम गार्डनिंग तथा कीचन वेस्ट से कम्पोस्ट खाद बनाने के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर रही हैं। इसके लिये आप लोगों को मार्गदर्शन भी प्रदान कर रही हैं। उज्जैन के प्रतिष्ठित गर्ग परिवार में 14 अप्रैल 1961 को जन्मी व 1984 से राठी परिवार की बहू बनी डॉ. राठी के पतिदेव डॉ. सुनील राठी भी क्षेत्र के ख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ हैं। एम. बी. बी. एस., एम.एस. के साथ एफ. आई. सी. ओ. जी., एफ. ए. एम. एस. आई. जैसी चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त डॉ. मंजू राठी ने वर्ष 1987 से एक वर्ष तक दिल्ली तथा फिर सऊदी अरब के स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवा दी और वर्ष 1993 से उज्जैन (म.प्र.) में ही सेवारत है। वर्ष 1999 से आर.डी. गार्डी मेडिकल कॉलेज उज्जैन में प्रोफेसर के रूप में सेवा देते हुए आप "माँ गड़ा टेस्टट्यूब बेबी सेंटर" का भी गत 10 वर्ष से संचालन कर रही हैं। आपकी पुत्री हर्षिता ने B Plan SPA दिल्ली से करने के बाद मास्टर इन फाईन आर्टस् ऑस्ट्रेलिया में कर वहीं कार्यरत् है तथा पुत्र सहर्ष आईआईटी दिल्ली से अपनी पढ़ाई करने के बाद अब वो गुरूग्राम में कार्यरत् है। वे भी अपनी माता के पद चिन्हों पर चलते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपना यथा संभव योगदान दे रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण सभी का कर्त्तव्य

संयुक्त राष्ट्र की घोषणानुसार हम प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इसके लिये जोर शोर से पौधारोपण करते हैं और इसकी फोटो विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित होती हैं। बस अधिकांशतः यहीं इस प्रयास की इतिश्री हो जाती है। जबकि इसके लिये हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें पूरी कोशिश करना चाहिये कि अपने घर, अपने शहर, अपने प्रदेश और अपने देश को हरा भरा रख सकें। इससे अपने आप ही पर्यावरण संरक्षण हो जावेगा। आज जरूरत है कि हर नागरिक को इस बारे में सोचना चाहिये। महिलाऐं मानव मात्र की प्रथम गुरू हैं। अतः जनजागरण के प्रयास में इसमें सबसे बड़ा योगदान महिलाओं का ही है। इसके लिये हमें "4-आर" को अपने जीवन में अपनाना चाहिये जो हैं - रीफ्यूज, रीड्यूज, रीयूज और रीसाईकिल।

रीफ्यूज- आपको ऐसे डिस्पोजेबल आयटम को बिल्कुल रीफ्यूज करना है, जो प्राकृतिक रूप से डिकम्पोज नहीं होते। इनका सबसे बड़ा व खतरनाक प्रभाव है, जिसके कारण भूमि बंजर हो रही है और वातावरण दूषित। इनमें प्लास्टिक बॉटल, शॉपिंग प्लास्टिक बेग, कॉफी मग, सहित मिनरल बॉटल आदि कई डिस्पोजेबल आयटम शामिल हैं जो प्लास्कि के होने से नष्ट नहीं होते। ये प्रकृति के लिए तो हानिकारक हैं ही साथ ही अपव्यय का कारण भी हैं। सोचिए कितना अपव्यय है, केवल अपनी सुविधा के लिये? हम इन चीजों का उपयोग 95 से 99 प्रतिशत तक कम तो कर ही सकते हैं।

रीड्यूज- वर्तमान में खरीददारी करना एक शौक बन गया है। ऐसे में कई अनावश्यक चीजें भी खरीद ली जाती हैं। खरीददारी को केवल शौक ही न बनाएं, जितनी जरूरत हो उतना ही खरीदें, जब भी खरीदें सोचे क्या मुझे इसकी जरूरत है और क्यों? प्लास्टिक का उपयोग तो होना ही नहीं चाहिये।

रीयूज- जब भी अपने उपयोग के लिये चीजें खरीदें तो इसमें ध्यान रखें कि अधिकतर ऐसी ही खरीदें जिसका उपयोग हम बार-बार कर सकें। एक बार उपयोग करने के बाद इन्हें फैंकना न पड़े। इससे हमें इनका रीसाईकिल भी कम से कम करना पड़ेगा। एक शिशुएक दिन में 6 से 7 बार डायपर्स बदलता है इस तरह एक महीने में 200 से 250 बार क़रीब बदलेगा और एक साल में 2000 से 2500 बार तो आप भी सोचिए इतना वेस्ट जो कि हम कम कर सकते हे काफ़ी हद तक। डिस्पोजल डायपर्स का कम से कम उपयोग कर।

रीसाईकिल एण्ड रिकवर- अपने उपयोग में आमतौर पर ऐसी ही चीजें लें जिन्हें रिसाईकिल किया जा सकता है। इसके लिए इनके वेस्ट को संभाल कर रखें और रीसाईकिल के लिए एकत्र कर दें। इससे ये प्रदूषण का कारण नहीं बनेंगे। इसी प्रकार ऐसा वेस्ट भी रहता है, जिसे रिकवर किया जा सकता है अर्थात जो प्राकृतिक रूप से डिकम्पोज हो जाता है, उन्हें कम्पोस्ट खाद आदि में बदल लें।

मैं अपनी दिनचर्या में पूरी तरह से इन बातों का ध्यान रखने की कोशिश करती हूँ। मेरे घर से कचरा गाड़ी पर गीला कचरा जाता ही नहीं है। पूरा गीला कचरा कम्पोस्ट कर खाद बनायी जाती है। सूखे में भी यही ख्याल रखती हूँ कि कैसे चीजों का रीयूज किया जा सके। डिस्पोजल का उपयोग बंद कर दिया है। बिजली में भी यही ध्यान रखते हैं कि यह अनावश्यक न चलती रहे। आर.ओ. के वेस्ट पानी का रीयूज कपड़े धोने तथा बगीचे में पानी डालने में करते हैं। हम पेपर का भी कम से कम उपयोग कर रहे हैं। मैं अपनी दिनचर्या का उल्लेख तो सिर्फ उदाहरण के रूप में कर रही हूँ। वास्तव में इसमें और भी जो कुछ अच्छा सम्भव हो तो महिलाऐं न सिर्फ कर सकती हैं, बल्कि पूरे परिवार को इसके लिये प्रेरित कर सकती हैं। आखिर पर्यावरण सिर्फ पौधे लगाने से ही नहीं सुरक्षित होगा, बल्कि इसे तो हमें हर प्रकार से जागरूक होकर ही बचाना होगा।

डॉ. मंजू राठी
अतिथि सम्पादक

कुलदेवी श्रृंखला में इस बार प्रस्तुत है-धोलेश्वरी माताजी। माँ धोलागढ़ देवी के नाम से प्रसिद्ध यह दिव्य स्थल तंत्र ज्ञानियों के लिये कामना सिद्धि का पवित्र स्थल माना जाता है। मान्यता अनुसार भावपूर्ण व समर्पित रूप से माँ की आराधना करने पर भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आल्हा-उदल ने भी इसी तपोभूमि में माँ की आराधना व तपस्या आदि कर माँ से विजय श्री का उत्तम वरदान प्राप्त किया था। इन्हे मंडोवरा खांप वाले कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

आल्हा-उदल को जहां वरदान मिला
श्री धोलेश्वरी माताजी

धोलेश्वरी माताजी मुख्य रुप से वंछास गौत्र व मण्डोवरा खांप की कुल देवी है। माताजी का पावन मन्दिर राजस्थान प्रान्त के अलवर जिले में स्थित कठूमर तहसील के छोटे से ग्राम्यांचल धोलागढ़ में है। माँ धोलेश्वरी के पावन धाम के कारण ही बसाहर को धोलागढ़ का नाम दिया गया है। धोलागढ़ ग्राम मेंहदीपुर बालाजी से मात्र 60 कि.मी. की दूरी पर है। भूतल से मन्दिर की ऊँचाई लगभग 135 फीट है। कुल सीढ़ियाँ 163 हैं। दो सीढ़ियों के मध्य का अन्तर लगभग 10 ईंच है। नीचे से उपर तक का सम्पूर्ण मार्ग सुरक्षित प छाँयादार है। अरावली के शिखर पर स्थित दैवी अत्यन्त प्राचीन माना जाता है।

कैसे पहुँचे -

⏭ रेल मार्ग से पश्चिम रेलवे के हिण्डोन सिटी रेलवे स्टेशन पर उतरिये। यहाँ से जयपुर-धोलागढ़, हिण्डोन सिटी-धोलागढ़ अथवा उदयपुर-धोलागढ़ जैसी अनेकों राज्य परिवहन की बसें मिलेंगी जो सीधे धोलागढ़ ही जाती है।

⏭ हिण्डोन सिटी से 35 कि.मी. बस द्वारा श्री बालाजी पधार कर दर्शन लाभ लेने के पश्चात भी 3 कि.मी. दूर चौराहे पर आकर राज्य परिवहन की या अन्य बसें मिल सकती हैं। चौराहे तक आने के भी अनेकों साधन हैं। हिण्डोन सिटी या श्री बालाजी से जीप, टेक्स आदि साधन भी उपलब्ध हैं।

⏭ रेल मार्ग द्वारा भरतपुर (दिल्ली-मुम्बई मार्ग) उतरिये वहाँ से खेरली की रेल सुविधा मिलेगी, वहाँ से 16 कि.मी. धोलागढ़ जाने के लिये जीप आदि अन्य साधन आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं।

⏭ रेलमार्ग द्वारा मथुरा जंक्शन उतरिये, वहाँ से राज्य परिवहन अथवा निजी साधन से 90 कि.मी. दूर धोलागढ़ पहुंचा जा सकता है।

दर्शन व्यवस्था - धोलागढ़ के निकट ही धौलपर्वत पर माँ धोलेश्वरी अत्यन्त नयनाभिराम मन्दिर में विराजित हैं। कुल 163 सीढ़ियाँ चढ़कर जाना होता है। सीढ़ियाँ अत्यन्त सुगम, अथकावकारी, छाँवदार व कम अन्तर की हैं। मन्दिर में ठहरने, रात्रि विश्राम करने, समस्त दैनन्दिनी व भोजन आदि हेतु व्यवस्था हो जाती है।

श्री माँ धोलेश्वरी के दिव्यदर्शन-

मन्दिर परिसर में पहुँचते ही माँ के चमत्कृत स्वरूप के दिव्यदर्शन होते हैं। माँ की संगमरमरी अत्यन्त तेजस्वी व सौम्य प्रतिमा पूर्वाभिमुख विराजित है। माँ का वाहन सिंह है। श्री हनुमान जी महाराज व रामदरबार की छटा भी निराली है। मध्यान्ह 12 से 1 तक मन्दिर के पट मंगल रहते हैं। पीढ़ीयों से प्रतिनिधित्व प्रदान कर रहे पं. हर्ष कुमार शर्मा के अनुसार शक्ति स्वरुपा माँ ने सर्वप्रथम अपने दिव्य दर्शन लक्खी नाम के एक बंजारे व्यक्ति को प्रदान किये थे जिसके प्रभाव स्वरुप लक्खी ने इस पहाड़ी के उपर माँ के मन्दिर की स्थापना की व क्षैत्र का प्रमुख शक्ति स्थल बनाया। शनैः शनैः दिव्य मूर्ति का चमत्कार निकटवर्ती क्षैत्र के जनमानस में प्रसिद्धि पाने लगा और मन्दिर अपना आकार धीरे-धीरे ही सही विस्तृत करने लगा। सन् 1971 में मथुरा के चौक बाजार के सुप्रसिद्ध मिष्ठान्न व्यवसायी "भरतपुरिया मिठाई वाला" के संस्थापक श्री रामचन्द्र जी खण्डेलवाल परिवार ने अपनी दानशीलता के आधार पर मन्दिर को सुरम्य व सुविधा पूर्ण बनाने तथा भव्य स्वरुप प्रदान करने हेतु अनेकों निर्माणकार्यों से सज्जित किया। मन्दिर में चलित हवन कुण्ड की सुलभ व्यवस्था है। नवरात्रि में घट (कलश) स्थापना, अभिषेक, महापूजा, पाठ, हवन आदि निरन्तर चलते रहते हैं। कई श्रद्धालू यहाँ विशेष सेवाओं के अतिरिक्त छत्र आदि भी चढ़ाते हैं।

जानकारियॉ हेतु सम्पर्कः

⏭ प्रहलाद मण्डोवरा
ई-19, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर रतलाम (म.प्र.) 457001
फोन नं. 07412-406501 मो. 94794 23794

आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की बैठक खींवसर में सम्पन्न

1 करोड़ 81 लाख का ऋण स्वीकृत, 6 करोड़ का लक्ष्य तय

खींवसर (राजस्थान)। समाज के युवाओं के स्वरोजगार के सपने को साकार करवा रही संस्था श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चैन्नई की मैनेजिंग कमेटी की बैठक गत 14 अगस्त को खींवसर (राज.) में सम्पन्न हुई। जिसमें कई महत्वपूर्ण निणर्य हुए।

श्री लालवास मंदिर में पद्मश्री बंशीलाल राठी द्वारा वृक्षारोपण करते हुए

श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की मैनेजिंग कमेटी की यह बैठक कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इसमें प्रमुख पदाधिकारियों सहित मैनेजिंग कमेटी सदस्य उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने केंद्र की गतिविधियों को और भी अधिक गति प्रदान करने के लिये "कार्यकारी सचिव" का पद नवसृजित करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। तत्पश्चात इस पद पर सर्वसम्मति से केन्द्र के वरिष्ठ सदस्य नवल राठी कार्यकारी सचिव मनोनीत किये गये।

कोष में संग्रहित पर्याप्त धनराशि

बैठक में दी गई जानकारी अनुसार केंद्र कोष योजना में अभी तक विभिन्न प्रदेशों के करीब 890 दानदाताओं से सदस्यता सहयोग के अंतर्गत रु. 1908.51 लाख का सहयोग प्राप्त हुआ है जिसमें वर्ष 2020-21 में 2 और वर्तमान वर्ष में 1 दानदाता सहित कुल 3 सदस्यों से रू. 6 लाख का सहयोग प्राप्त हुआ है। प्रोविजनल बेलेन्सशीट के अनुसर रू. 990 लाख रिजर्व एवं सरप्लस को मिलाकर केंद्र का कुल कोष रू. 2898.51 लाख है। पर्याप्त कोष को ध्यान में रखते हुए नये दानदाताओं से सहयोग हेतु प्रयास नहीं किये जा रहे हैं। वर्ष 2020-21 में 389 व्यक्तियों को रू. 594.00 लाख की ऋण सहायता प्रदान की गई। यद्यपि रू. 6 से 7 करोड़ की ऋण सहायता प्रदान करने का अनुमान था लेकिन कोरोना महामारी एवं अन्य कारणों से अनुमान के अनुसार आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुए परिणामस्वरूप लक्ष्य पूर्ति नहीं हो सकी। वर्ष 2021-22 में अप्रैल से अभी तक 106 परिवारों को रू. 181.00 लाख की ऋण सहायता की स्वीकृत प्रदान की गई। पर्याप्त जानकारी के अभाव में करीब 10 आवेदन पत्रों के अलावा कोई भी आवेदन पत्र लंबित नहीं है।

बिना विलम्ब के देंगे ऋण

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भावना व्यक्त की कि कोरोना प्रभावित जरूरतमंद बंधुओं को व्यवसाय हेतु केंद्र को प्राप्त आवेदन पत्रों पर यथाशीघ्र विचार कर बिना विलम्ब ऋण सहायता प्रदान की जावे। जिसे

सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। 31 जुलाई 2021 तक विभिन्न प्रदेशों में करीब रू. 560 लाख की ऋण राशि बकाया है। करीब डेढ़ वर्षों में कोरोना महामारी तथा देश में लॉकडाउन की वजह से अधिकांश हितग्राही के व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा केंद्र द्वारा किश्त भुगतान के लिए समय सुविधा प्रदान का गई है, आदि सभी बातों की वजह से बकाया राशि में अधिक वृद्धि हुई है। कोरोना अवधि की ही बकाया करीब रू. ढाई करोड़ है। अब देश में कोरोना महामारी की स्थिति धीरे धीरे सामान्य हो रही है। व्यापार व व्यवसाय भी पुनः संचालित होने लगे हैं। आशा है जल्द ही बकाया राशि में कमी आवेगी। केंद्र द्वारा भी किश्त भिजवाने हेतु हितग्राही एवं उनके गारंटर्स तथा संबंधित पदाधिकारियों से सम्पर्क कर राशि भिजवाने हेतु निवेदन किया जा रहा है। केंद्र पदाधिकारियों ने भी इस हेतु कुछ प्रदेशों

में भ्रमण किया है। महासभा के सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं कार्यकारी मंडल के सदस्यों से विशेष निवेदन किया कि वे अपने क्षेत्र की बकाया राशि वसूल कर केंद्र को भिजवायें। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित आईएएस दीपक करवा ने भी अपने विचार रखे। इस बैठक में महामंत्री-कस्तुरचंद बाहेती, अर्थमंत्री-पुरूषोत्तम सोमानी, संयुक्तमंत्री-श्यामसुंदर काबरा, प्रबंध समिति सदस्य, सर्वश्री आनंद राठी, रामअवतार जाजू, जगदीश सोमानी, कमलकिशोर चांडक, सुरेश राठी (नागौर), गोपाल राठी (भीलवाड़ा), रामरतन मूंदड़ा (भाटापारा), नवल राठी, अनिल डागा (चैन्नई), श्रीलाल मूंदड़ा, जयराम भूतड़ा (लातुर), रामेश्वर करवा (मुंबई), विजयशंकर मूंदड़ा प्रदेश अध्यक्ष (अजमेर), रमाकांत बाल्दी, बाबूलाल करवा (मुंबई) सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

हेड़ा परिवार द्वारा निर्मित प्रतिक्षालय लोकार्पित

ब्यावर। गत 20 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे भारत विकास परिषद के सदस्य स्व. श्री भागीरथ हेडा (मंगलम ग्रुप) परिवार के सहयोग से मांगलियावास बस स्टैंड पर निर्मित नवीन प्रतीक्षालय लोकार्पित किया गया। यह लोकार्पण कार्यक्रम सालासर बालाजी धाम के मुख्य महंत श्री मीठालाल पुजारी के कर कमलों तथा थानाधिकारी मांगलियावास सुनील बेरा, पीसांगन प्रधान दिनेश कुमार नायक, सरपंच दुर्गेश गौर व भामाशाह पियूष हेड़ा आदि गणमान्यजनों की उपस्थिति में हुआ। पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण भी किया गया, जिसमें अतिथियों द्वारा नीम, गुलमोहर, पीपल आदि के पौधे लगाए गए।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। स्वर्गीय श्रीमती नेहा दाखेड़ा की द्वितीय पुण्यतिथि पर माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कुल 121 यूनिट रक्तदान हुआ। अध्यक्ष माहेश्वरी समाज शाहपुरा, राम प्रसन्न लाहोटी, मंत्री मनोज बेली, अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन शाहपुरा, अंकित चेचानी, मंत्री अमित तोषनीवाल, अध्यक्ष महिला मंडल शाहपुरा चंचल बेली, मंत्री संगीता अजमेरा, श्याम चेचानी उपाध्यक्ष आदि का योगदान रहा।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

जाजू बने डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर जे.सी. मोहंती द्वारा पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू को डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर नियुक्त किया गया है। सी.ओ.गाइड अनीता तिवारी ने बताया कि जाजू ने स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्रावण मास में धार्मिक आयोजन

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र संगठन द्वारा श्रावण मास अंतर्गत शिवजी का रुद्राभिषेक, लड्डू गोपाल अभिषेक व 56भोग, भजन, प्रसाद वितरण आदि कार्यक्रम सफलता पूर्वक सिद्धैश्वर धाम 71 श्रीजी वाटिका में संम्पन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष साधना कचोलिया, मंत्री सुधा मूंदड़ा, रूपेश भूतड़ा, दिलीप तापड़िया, सहित मोहन मुधड़ा, प्रदीप जाखेटिया, राजेश कचोलिया, संयोजक ज्योति सोमानी, सीमा बेड़िया, दीप्ति मंडोवरा, दीप्ति भूतड़ा सहित पूरा महिला संगठन व दक्षिण क्षेत्र परिवार शामिल था। यह जानकारी महिला संगठन की मंत्री सुधा मूंदड़ा द्वारा दी गई।

रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन

संगरिया। माहेश्वरी समाज द्वारा श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर गीताभवन स्थित शिवालय में भगवान शिव के सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडित रवि शास्त्री ने वैदिक मंत्रोचारण करवाकर भगवान शिव का रुद्री पाठ द्वारा अभिषेक करवाया। कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सीताराम सोमानी, महावीर प्रसाद करवा, कृष्ण करवा, युवा संगठन के अध्यक्ष महेश लखोटिया, नवनीत पेड़ीवाल, रोहित लखोटिया, भवानी लखोटिया, संदेश करवा, महिला मंडल से भावना राठी आदि उपस्थित थे।

मंडल ने की गौशाला में गौसेवा

दुर्ग। माहेश्वरी महिला मण्डल दुर्ग ने जेल परिसर स्थित रूखमणी गौशाला में गुड़ व चारे की सेवा दी। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक महिला मण्डल के आह्वान पर इसी माह आ रहे पर्व जन्माष्टमी और बछबारस के अवसर पर माहेश्वरी महिला मण्डल दुर्ग की नवनिर्वाचित टीम ने वरिष्ठ महिला कार्यकर्ताओं के साथ 111 किलो गुड़ व चारे हेतु धनराशि दान देकर गौसेवा का लाभ लिया। इस अवसर पर मधु सोमानी, चंदा राठी, मनीषा राठी, मधु टावरी, कांता चितलांगया, मंगला भूतड़ा, रुचि सोमानी, प्रेमलता राठी, रोहिणी मुंदड़ा, पुष्पा राठी, सरला भूतड़ा, पदमा बजाज आदि महिला कार्यकर्ता उपस्थित थीं। कार्यक्रम में हेमन्त टावरी दुर्ग का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष नीतू गाँधी व सचिव अंजली लाखोटिया ने उक्त जानकारी दी।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र व सांदीपनि आयुर्वेद के संयुक्त तत्वावधान में गत 16 अगस्त को चिकित्सा जांच शिविर आयोजित हुआ। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि पंचकर्म स्पेशलिस्ट डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने इसमें अपनी सेवाएं प्रदान की। संयोजक सूर्यकांता डागा ने कहा कि शिविर में सम्पूर्ण हड्डियों की जांच व बीएमडी टेस्ट निःशुल्क हुए। सह संयोजक सुनीता डागा ने बताया कि शिविर से101 मरीज लाभान्वित हुए। वीणा सोनी, पुष्पा सोनी, संजू सोनी, पदमा सोनी, सुनीता लड्ढा, इंद्रा छंगाणी, श्रवण डागा व गौरव डागा का इसमें विशेष सहयोग रहा। उक्त जानकारी संगठन अध्यक्ष सुशीला बजाज ने दी।

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

बूंदी (राज.)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष भगवान बिरला द्वारा श्री माहेश्वरी भवन में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर सचिव सुनिल जैथलिया, उपाध्यक्ष शिव तोतला, सुरेश लाठी, प्रेम नुवाल, नरेश लाठी, महावीर जाजू, राहुल लखोटिया, राजेश बहेड़िया, रितेश मंडोवरा आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस का त्रिदिवसीय आयोजन

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में वीणा सोमानी नेतृत्व में किया गया। आर्थिक संबल, सामाजिक चेतना, पर्यावरण, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा योग जैसे बहुआयामी कार्यक्रम का आयोजन जूम प्रांगण में किया गया। 13 अगस्त को बहुत ही शानदार, सटीक व लोकप्रिय आयोजन 'सफलता के सूत्र' संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष वीणा सोमानी व प्रश्न कर्ता के रूप में प्रदेश मंत्री उषा सोडाणी थी। आभार प्रदेश संगठन मंत्री शोभा माहेश्वरी ने माना। 16 अगस्त 2021 को कार्यकर्ता प्रशिक्षण आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आंचलिक उपाध्यक्ष मंगल मर्दा व प्रभारी नम्रता बियानी थीं। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, ललिता मालपानी व रमा शारदा उपस्थित थीं। आभार प्रदेश संयोजिका स्मिता बियानी ने माना। ग्राम विकास समिति

द्वारा पर्यावरण सुरक्षा हेतु इको फ्रेंडली गणेशजी निर्माण प्रशिक्षक तृप्ति ने बहुत ही सरल तरीके से सिखाया।

इसी कड़ी में स्वर योगा का कार्यक्रम प्रदेश व इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के साथ प्रारंभ हुआ। जिला अध्यक्ष सुमन सारड़ा व प्रदेश संगठन मंत्री शोभा माहेश्वरी, राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला महिला संगठनों के पदाधिकारी व सभी क्षेत्रों के अध्यक्ष, मंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए।

संस्कार धारा द्वारा छोटी तीज का सामूहिक उद्यापन संपन्न

हैदराबाद। संस्कार धारा कोठी सुल्तान बाजार द्वारा छोटी तीज का सामूहिक उद्यापन सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में संपन्न हुआ। संस्था की संस्थापिका श्रीमती कलावती जाजू ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते संस्था ने यह निर्णय लिया कि उद्यापन में बैठाकर जिमाने (भोजन) के बजाय टिफिन देने की व्यवस्था की हो। इसमें लगभग 20 महिलाओं का उद्यापन कराया गया। सभी ने इस व्यवस्था की सराहना की। संस्था की अध्यक्षता श्यामा नावंदन मंत्राणी अंजना अटल ने बताया कि इसी व्यवस्था के तहत आगे भी संस्था द्वारा कार्य किये जायेंगे। उद्यापन में कोषाध्यक्ष प्रेमलता कांकाणी, सीमा इनानी, कविता अट्टल, पुष्पा माहेश्वरी, मौसमी भूतड़ा, कला दरक, संतोष लाहोटी ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

जिसे गुणो की पहचान नहीं है उसकी 'प्रशंसा' से डरो
और जो गुणों का जानकार है उसके 'मौन' से डरो

मूंदड़ा वनबन्धु परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री चयनित

इंदौर। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा के लिए एकल विद्यालयों का संचालन करने वाली संस्था वनबंधु परिषद (FRIENDS OF TRIBALS SOCIETY) की राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में इंदौर से गीता मून्दड़ा का चयन हुआ। संगठन के 32 वर्षों के इतिहास में प्रथम बार महिला महामंत्री चयनित हुई। आप 35 वर्षों के सामाजिक जीवन मे माहेश्वरी समाज व अन्य क्षेत्रों के कई महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वाह कर चुकी हैं।

साँवल बने माहेश्वरी सभा प्रदेश उपाध्यक्ष

जैसलमेर। पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निर्देशानुसार जैसलमेर जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात जैसलमेर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहता व मंत्री देवकिशन भूतड़ा द्वारा कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक सभा (जोधपुर) द्वारा रावतमल सांवल को प्रदेश उपाध्यक्ष व विनोद केला को प्रदेश संयुक्त मंत्री बनाया गया।

भूतड़ा अध्यक्ष दलाल कोषाध्यक्ष

जीवनलाल दलाल

अनिल भूतड़ा

जैसलमेर। नगरपरिषद ठेकेदार यूनियन की कार्यकरिणी का सर्वसमिति से गठन हुआ। इसमें अध्यक्ष अनिल भूतड़ा और कोषाध्यक्ष जीवनलाल दलाल को बनाया गया।

वैक्सीनेशन शिविर सम्पन्न

मथुरा। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा कोरोना महामारी से बचाव हेतु वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप को लाल दरवाजा स्थित माहेश्वरी सेवा सदन पर आयोजित किया गया। उद्घाटन महापौर मुकेश आर्य बंधु व स्थानीय पार्षद मीरा मित्तल द्वारा सम्मिलित रूप से किया गया। समाज के अध्यक्ष अनूप माहेश्वरी ने बताया कि 500 से ज्यादा लोगों ने इस कैंप के माध्यम से अपना टीकाकरण कराया। शिविर संयोजक डॉ. हरिमोहन माहेश्वरी और गौरव माहेश्वरी ने बताया कि सभी लोगों को इस कैंप की विधिवत सूचना दी गई और उन्हें इसके लिए जागरूक भी किया गया। के जी माहेश्वरी, सुशील दीवान, अजय माहेश्वरी, प्रशांत माहेश्वरी, शोभित माहेश्वरी, अभिनय माहेश्वरी, पर्व माहेश्वरी, पार्थ माहेश्वरी, प्रिया माहेश्वरी और शिप्रा राठी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महिला संगठन की सेवा यात्रा

सिवनी मालवा (मप्र)। पूर्वी म.प्र. महिला संगठन अध्यक्ष अनीता जावंदिया एवं सचिव रंजना बाहेती के सानिध्य में निरंतर प्रगतिशील रहा है। हंसा केला प्रादेशिक मीडिया प्रभारी एवं उर्मिला सादानी संभागीय उपाध्यक्ष ने बताया कि सेवा गतिविधि अंतर्गत गत 8 अगस्त को प्रातः 11 बजे से विद्यार्थियों के लिए केरियर काउंसलिंग वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में आईपीएस विपिन माहेश्वरी, आईएएस दीपक करवा व विजय कपूर आदि ने मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया। 12 जुलाई को रथयात्रा के उपलक्ष्य में श्लोक प्रतियोगिता, हनुमान चालीसा, रथयात्रा सजाओ का आयोजन किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के नेतृत्व में 12 अगस्त को आयोजित पंचम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक व अधिवेशन भक्ति योग 2021 में सहभागिता की। बाल एवं किशोरी विकास समिति-मध्यांचल द्वारा वर्चुअल मास्टर शेफ कॉन्टेस्ट 'तेजोमय' कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'संगठन आपके द्वार' के अंतर्गत प्रादेशिक संगठन द्वारा भ्रमण मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक बाबई एवं सिवनी में संपन्न हुई। स्थानीय महिला मंडल द्वारा आमंत्रण एवं स्वागत किया गया।

जीवेत् शरदः शतम्

मानवता के सेवक-प्रकृति के पुजारी
आर आर ग्लोबल ग्रुप के प्रमुख
अ.भा. माहेश्वरी महासभा (मध्यांचल)
के उपसभापति
श्री त्रिभुवन काबरा (भाईजी)
को जन्म दिवस (7 अगस्त) की हार्दिक बधाई
एवं दीर्घ सफल जीवन की मंगल कामनाऐं

एक शुभेच्छुक

नवल राठी महासभा कार्यसमिति सदस्य निर्वाचित

चेन्नई। तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी प्रादेशिक सभा द्वारा महासभा के लिए कार्यकारी मंडल सदस्यों एवं कार्यसमिति सदस्यें के चुनाव गत दिनों माहेश्वरी भवन चेन्नई में संपन्न हुए। महावीरप्रसाद मर्दा की अध्यक्षता में बैठक का संचालन प्रादेशिक सभा के मंत्री ओमप्रकाश बागड़ी ने किया।

इस निर्वाचन में सर्वसम्मति से महासभा की कार्यसमिति सदस्य के लिये नवल राठी को निर्वाचित किया गया। श्री नवल राठी पूर्व में भी दो सत्रों में महासभा के कार्यसमिति सदस्य रहे है। उल्लेखनीय है कि श्री राठी अपने पिता पद्मश्री बंशीलाल राठी के पद चिह्नों पर चलते हुए विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को अपना तन-मन-धन से योगदान दे रहे हैं। श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र से भी लम्बे समय से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सम्बद्ध रहते हुए योगदान दे रहे हैं। आपको पिछले दिनों हुई बैठक में केन्द्र के कार्यकारी सचिव मनोनीत किया गया।

इनके साथ ही नवनिर्वाचित सदस्यों में अशोक कुमार लखोटिया, अशोक कुमार मूंदड़ा, बंशीधर दलाल, गौरीशंकर राठी, जयप्रकाश मालपाणी, प्रमोद मालपाणी, सत्यनारायण भूतड़ा, मोहन दमानी, श्यामसुंदर भूतड़ा व सुशीलकुमार झंवर आदि भी शामिल हैं।

श्रद्धांजलि

डॉ. नारायण मालपाणी

मुंबई। अमरावती के स्वतंत्रता सेनानी परिवार के सपूत ख्यात वरिष्ठ चिकित्सक व समाजसेवी डॉ. नारायण मालपाणी का 90 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। 2 अगस्त 1931 को अमरावती में जन्मे डॉ. नारायण मालपाणी ने जे.जे. हॉस्पिटल (ग्रैंट मेडिकल कॉलेज) से शिक्षा उपरांत 1965 में स्वर्गवासी माँ जानकीजी के नाम पर जानकी नर्सिंग होम की स्थापना की थी। आप ईएनटी विशेषज्ञ थे व आपकी धर्मपत्नी डॉ.चंद्रकला स्त्री रोग विशेषज्ञ रहीं। डॉ. दंपत्ति ने महानगर में अपनी मेहनत लगन व सेवा भावना से इतनी प्रसिद्धि पाई कि वे अमरावती का गौरव बन गये।

महेश बैंक ने मनाया स्थापना दिवस

भीलवाड़ा। व्यक्ति समय के साथ बूढ़ा हो जाता है और उसकी कार्य क्षमता में कमी आती है परंतु संस्थाओं में समय के साथ और अधिक निखार आता है। उक्त विचार महेश बैंक के 44 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक राजेश जैन ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संयुक्त प्रबंधक मदन खटोड़ ने बताया कि बैंक की भीलवाड़ा शाखा को सी कैटेगरी में बेस्ट ब्रांच हेतु पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। सीएमए अंकुर सोमानी का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आंवला, अनार और करौंदा के पेड़ लगाकर पर्यावरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में श्रीलाल कोगटा, अभिषेक सेन, गौरव जैन, युवराज नागौरी, महावीर सोमानी, शंकर सोनी, जगदीश कोठारी, वीणा खटोड़, सरोज जैन, वीणा कोगटा, पूजा सुथार, अदिति काकानी, कोमल माहेश्वरी, वीणा कोगटा आदि ने अपने विचार रखे। उक्त जानकारी मदन खटोड़ संयुक्त प्रबंधक ने दी।

छोटी छोटी बातें दिल में रखने से,
बड़े बड़े रिश्ते कमजोर हो जाते हैं...

माहेश्वरी बालक छात्रावास का शुभारम्भ

भीलवाड़ा। अंशल कालोनी में माहेश्वरी समाज भामाशाह गोपाल राठी द्वारा फीता काटकर किया गया। मंत्री कैलाशचंद्र काबरा ने बताया कि निःशुल्क सेवा की विचारधारा वाले सदस्यों के सहयोग से निर्मित इस छात्रावास में माहेश्वरी समाज के बालकों के लिए भोजन, आवास व वाहन सुविधा व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध होगी। एक करोड़ की लागत का नवनिर्मित छात्रावास राधेश्याम चेचाणी निंम्बाहेड़ा के नेतृत्व में समाज को सौंपा गया। छात्रावास के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन नारायणलाल जागोटिया एवं रामायण सेठिया बागोर ने किया। इस अवसर पर 10 सेवा संस्थानों को सम्मान प्रदान किया गया। माहेश्वरी बालक छात्रावास के लोकार्पण के शुभ अवसर पर गोपाल राठी, मुरलीधर काबरा, रामकुमार जागोटिया, राधेश्याम चेचानी, कैलाशचंद्र काबरा, कैलाशचंद्र दरगड़, सत्यनारायण मंत्री, सुरेशचंद्र मंत्री, कांता खटोड़, गोपाल तुरक्या आदि उपस्थित थे। आभार राधेश्याम खटोड़ ने माना।

श्री माहेश्वरी डायलिसिस-डायग्नोस्टिक सेन्टर का लोकार्पण

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा निर्माण नगर में नवनिर्मित श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेंटर का लोकार्पण समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक आर.डी. बाहेती द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ज्योति कुमार माहेश्वरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में जमनादास मणिहार तथा सुरेंद्र कुमार बजाज उपस्थित थे। श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर के लिए भूमि दानदाता नटवर गोपाल मालपानी एवं डायलिसिस मशीन हेतु आर्थिक सहयोग देने वाले कमल किशोर फलोर एवं अन्य दानदाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने बताया कि माहेश्वरी समाज अब शिक्षा के साथ चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा हैं। इस डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर पर सभी लोगों के लिए रियायती दरों पर जांच व फिजियोथेरेपी सुविधा उपलब्ध कराई गई है एवं न्यूनतम दरों पर डायलिसिस की सुविधा भी रहेगी। अन्त में महामंत्री गोपाललाल मालपानी ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर समाज उपाध्यक्ष मुरलीधर राठी, दामोदर फलोड़, भवन निर्माण समिति के चेयरमैन उमेश सोनी व सचिव देवेन्द्र झंवर तथा समाज के संरक्षक, पूर्व अध्यक्ष सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अमर शहीद मोदानी का मना 82वाँ बलिदान दिवस

निजामाबाद। अमर शहीद राधाकिशन मोदानी का 82वाँ बलिदान दिवस आर्य समाज, शहीद राधाकिशन मोदानी शिक्षा समिति ट्रस्ट, राधाकृष्ण विद्यालय एवं राजस्थानी समाज के गणमान्य महानुभावों द्वारा मिलकर मनाया गया। किशनगोपाल गिल्डा (प्रधान- आर्य समाज, सीताराम बाग हैदराबाद), ओमप्रकश दायमा (सभापति - श्री अखिल भारतवर्षीय दाधीच सेवा ट्रस्ट पुष्कर, राजस्थान), पूनमचंद गुप्ता (ट्रस्टी- श्री हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट, निज्क्षामाबाद), संपतलाल बंग (ट्रस्टी - माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट, निजामाबाद) द्वारा कंटेश्वर रोड, रेलवे कमान के चौराहे पर स्थित आदमकद कांस्य प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शहीद राधाकिशन मोदानी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए किशनगोपाल गिलडा ने बताया कि जो समाज अपने पूर्वजों के त्याग एवं बलिदान देने वाले महानुभावों को भूल जाता है, वह समाज कभी भी उन्नति नहीं कर सकता। उन्होंने शहीद श्री राधाकिशन मोदानी के बलिदानों पर भी प्रकाश डाला। संयोजक ओमप्रकाश मोदानी ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

गट्टानी बने मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रांतीय महामंत्री

भोपाल। प्रदेश के साहित्यकारों की प्रतिष्ठित संस्था मध्यप्रदेश लेखक संघ के विगत दिनों सम्पन्न चुनाव उपरांत प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. रामवल्लभ आचार्य द्वारा माहेश्वरी समाज के ख्यातिनाम कवि राजेन्द्र गट्टानी (भोपाल) को संघ का प्रादेशिक महामंत्री घोषित किया है। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी श्री माहेश्वरी टाइम्स के माह जुलाई के महेश नवमी अंक में अतिथि सम्पादक रहे हैं और गत अगस्त 2021 के अंक से ही ''खरी खरी'' नाम से ''स्तंभ लेखक'' के रूप में जुड़े हैं।

माहेश्वरी बनेंगे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति

ग्वालियर। ग्वालियर के सपूत जस्टिस जितेंद्र कुमार माहेश्वरी का सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा अपनी प्रथम कोलेजियम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद के लिये चयन किया गया है। इस कोलेजियम में देश भर से 9 न्यायाधीशों का चयन किया गया जिसमें जस्टिस माहेश्वरी भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जस्टिस माहेश्वरी वर्तमान में सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं। आप इंदौर (म.प्र.) उच्च न्यायालय में भी 10 वर्ष तक न्यायाधीश रहे।

नेत्रदान करने की घोषणा

फारबिसगंज (झारखंड)। बिहार प्रदेश सह मोडिया प्रभारी राज कुमार लढ़ा ने मरणोपरांत नेत्रदान की घोषणा की, साथ ही शपथ पत्र देह दान समिति बिहार को प्रेषित किया। उन्होंने बताया कि मरणोपरांत भी अपनी जिंदगी को दूसरे की भलाई के लिये समर्पित करना परम् सेवा है। साथ ही समाज के सभी लोगो को अंग व शरीर दान करने के लिए प्रेरित करने की बात कही।

चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

ब्यावर। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा व अजमेर जिला माहेश्वरी सभा (संस्था) एवं ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में अश्विनी हॉस्पिटल में विकास मंडल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन व सामान्य चिकित्सा सप्ताह आयोजित हुआ। इसमें कुल 30 ऑपरेशन किये गए। समापन पर मरीजो को प्रदेश कोषाध्यक्ष गुमानमल झंवर, जिला अध्यक्ष शिवचरण ईनाणी, जिला महामंत्री ताराचंद माहेश्वरी, जिला संगठन मंत्री रमेश भराड़िया, ब्यावर क्षेत्रीय अध्यक्ष जुगलकिशोर मणियार, मंत्री सुनिल झंवर व विकास मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर लोढा की अध्यक्षता में दवाई व आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवा कर डिस्चार्ज किया गया। कार्यक्रम में जिला संगठनमंत्री रमेश भराड़िया, जिला कोषाध्यक्ष रमेश राठी, पंचायत बोर्ड अध्यक्ष विष्णुगोपाल हेड़ा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश चितलांगिया, सुनील जैथलिया, राजेश झंवर, नंदू जैथलिया, अमरचंद मुंदड़ा, विट्ठल राठी, सुनील ईनाणी, कमल झंवर, गिरिराज झंवर, अशोक जैथलिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

भगवान शंकर की आराधना एवं स्तुति

कोलकाता। माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र कोलकाता ने वर्चुअल रूप में श्रावणी सोमवार पर भगवान महेश की स्तुति एवं आराधना का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंचानन भट्टड द्वारा ऊँ ध्वनि के साथ हुई। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुमार सोनी ने किया। श्री गणेश वंदना एवं लिंगाष्टकम का स्त्रोत पाठ सुरूचि सोनी द्वारा किया गया। विराज मोहता ने भगवान शंकर के विभिन्न नामों का श्लोक द्वारा वर्णन किया। पार्वती बिहानी द्वारा भजन ''भोलेनाथ दया करके मुझको अपना लेना'' गाकर सबको मुग्ध किया। वहीं रजनी मोहता ने ''नमो जी शंकरा भोलेनाथ शंकरा'' प्रस्तुत किया। चित्रा भट्टड़ ने रुद्राष्टकम का श्लोक पाठ व अध्यक्ष डीके मेहता ने सबका स्वागत किया। आभार माहेश्वरी सभा के उपसभापति मदन मोहन दम्मानी ने माना।

सबको गिला है बहुत कम मिला है,
जरा सोचिए जितना आपको मिला है,
उतना कितनो को मिला है।

वृक्ष की करुण पुकार "मुझे मत काटो यार"

डॉ. एच. एल. माहेश्वरी
उज्जैन

पेड़-पौधे प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अनमोल उपहार हैं। प्रकृति की सुन्दरता के आयामों में यह सबसे महत्वपूर्ण रत्न हैं। कल्पना कीजिए यदि पेड़-पौधे न होते तो प्रकृति कितनी नीरस व बेजान सी होती। पौधों को उखाड़ फेंकना या नष्ट करना उतना ही बड़ा पाप है, जितना कि जीव हत्या का। जबकि इनके सृजन में जो सुखानुभूति और सुकून है उसके लिए जितना कहा जाए कम होगा। पौधे एवं पुष्प दर्शन जहाँ हमें आनंद और शांति प्रदान करते हैं वहीं इनसे उत्पन्न हवा व सुगंध तन-मन में ताजगी और तरंग भर देती है।

ओशो ने तो वृक्षों से दोस्ती करने को ही ध्यान कहा है। वह कहते हैं कि वृक्ष बहुत जीवंत और संवेदनशील होते हैं। वे अभी तक आदमी की तरह प्रदूषित नहीं हुए हैं इसलिए वे आपको बहुत सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। वृक्षों से दोस्ती आपके अंदर एक खुशी, शांति और संतुष्टि पैदा करती है। वृक्ष आपके अशांत मन को शांत करते हैं। महाकवि कालिदास ने तो वृक्षों को मानव के सच्चे मित्र, परिजन एवं संरक्षक के रूप में देखा, समझा और चित्रित किया है। वृक्ष हमें सकारात्मक ऊर्जा ही प्रदान नहीं करते वरन् हमें जीवन व्यवहार की सीख भी देते हैं। वृक्ष चुपचाप रह कर हमारे भीतर सहिष्णुता, उदारता, करूणा, दया, ममता, अहिंसा, समन्वय, क्षमता, मानवता, समरसता, पारिवारिकता, सहनशीलता आदि का भाव भरते है।

देव तुल्य हैं वृक्ष

वृक्ष देवता तुल्य हैं। वृक्ष हमें अनेक उपादानों से उपकृत करता है। इसी कारण भगवान कृष्ण ने पीपल को अपना रूप माना है। विजयादशमी को शमी पूजन होता है। वट सावित्री व्रत के साथ बरगद की पूजा का विधान है। यज्ञ कर्म में जिन पेड़ों की समिधाओं का उपयोग होता है, उन्हें भी देव वर्ग में रखा गया है। भगवान शिव का पूजन बिल्व पत्रों से होता है। बुद्ध को जिस बोधिवृक्ष के नीचे आत्मज्ञान प्राप्त हुआ उसकी सारी दुनिया में पूजा होती है। तीर्थराज प्रयाग का 'अक्षय वट' अभी भी देव दर्शन की भांति भक्तों की श्रद्धा का विषय है। उज्जैन का 'सिद्धवट' भी भक्तों का पूज्यनीय है। इसी तरह हमारे यहाँ प्राचीन काल से ही वृक्षों को देवतुल्य मानकर पूजा करने की परम्परा है। हमारा हर व्रत-त्योहार, धार्मिक अनुष्ठान पेड़ों के बगैर अधूरा है।

जानें एक वृक्ष का मूल्य

पचास वर्ष पुराने एक पेड़ से जितनी ऑक्सीजन मिलती है, उतनी आक्सीजन तैयार करने में 2 लाख 50 हजार रूपये खर्च आयेगा। यह कैसी विडम्बना है कि मूल्यवान एवं उपयोगी वृक्ष जो वायु प्रदूषण यानी जहरीली हवा से हमारी रक्षा करते हैं, हम उन्हीं को काटने पर तुले हुए हैं।

तेजोमय वर्चुअल मास्टर शेफ का आयोजन

कानपुर। विभिन्न स्वाद युक्त, व्यंजन बनाना और प्रस्तुति करना यह भी एक कला है। इस कला से अवगत व्यक्ति ही मास्टर शेफ कहलाता है। वर्तमान में यह कला केवल घर तक सीमित नहीं रही, इसे व्यावसायिक स्वरूप भी प्राप्त हो चुका है। अतः इस कला को निखारने एवं कोरोना महामारी के समय को अधिक उपयुक्त बनाने तथा विभिन्न जगहों के विभिन्न व्यंजनों की जानकारी प्राप्त हो इस उद्देश्य से 13 से 18 वर्ष आयु के बालक-बालिकाओं एवं 19 से 25 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए तेजोमय वर्चुअल मास्टर शेफ कॉन्टेस्ट का आयोजन अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत बाल एवं किशोरी विकास समिति मध्यांचल इकाई द्वारा 20 जून से 27 जुलाई 2021 के मध्य किया गया।

इसमें 131 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। कॉन्टेस्ट कालावधि में प्रतियोगिता के साथ-साथ पाक कला में निपुण एवं भारत के नामांकित विशेषज्ञों के पांच वर्कशॉप सत्र भी रखे गए थे। इसका एक वैशिष्ट्य यह भी है कि वर्चुअल मास्टर शेफ कॉन्टेस्ट का फेसबुक पर तेजोमय के नाम से पेज है, जिस पर स्पर्धा से संबंधित सारी जानकारी एवं स्पर्धकों से प्राप्त रेसिपी के वीडियो, तज्ञों के सेमिनार कभी भी देखे जा सकते हैं। इसका उदघाटन 7 जुलाई को अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजू बांगड़ कानपुर द्वारा किया गया। अतिथि के रूप में मध्यांचल उपाध्यक्ष मंगल मर्दा वापी, संयुक्त मंत्री उषा करवा अमरावती, प्रभारी प्रमुख सविता पटवारी, जयपुर उपस्थित थीं।

महिला संगठन ने आयोजित किया उड़ान

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति द्वारा 26 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम ''उड़ान'' आयोजित किया। ''उड़ान - कर्म पथ की ओर'' नामक इस कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता व ट्रेनर डॉ. अमित माहेश्वरी का कम्युनिकेशन स्किल्स पर व्याख्यान आयोजित किया गया। समिति प्रभारी नम्रता बियाणी ने कार्यक्रम की परिकल्पना व संरचना के पीछे की सोच से अवगत कराया। समिति प्रमुख मंगल मर्दा ने द्वादश सत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों व कीर्तिमानो की जानकारी दी। राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने अपने आशीर्वचन

से सभा को संबोधित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न समितियों के अंतर्गत कार्यक्रमों की जानकारी दी। शोभा भूतडा ने प्रमुख वक्ता से परिचित करवाया। लर्निंग पिरामिड, चेहरे के हावभाव, अपने विषय से भली-भांति परिचित होना, कभी भी नकारात्मक शुरुआत ना करना, पब्लिक में बोलने से पहले अनेक बार प्रयास करना, हमेशा एक बैकअप प्लान रखना और मंच पर जाने के डर पर कैसे काबू करना, इन सभी विषयों पर डॉ. माहेश्वरी ने अत्यंत रोचक तरीके से मार्गदर्शन दिया। आभार मनीषा मूंदडा ने माना। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से 500 सदस्याएं जूम सभागार द्वारा सम्बद्ध रहीं।

हरियाली तीज पर्व का हुआ आयोजन

फारबिसगंज। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सचिव लक्ष्मी राठी व अंचल मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रतियोगिता सोलह सिंगार, बिंदी प्रतियोगिता, डांस, हाऊजी एवम नाटक आदि का भी आयोजन हुआ। अध्यक्ष मंजू मुंद्रा, सचिव लक्ष्मी राठी, संतोष राठी, श्यामा राठी, मधु राठी, सुशीला राठी, पूनम राठी, सरिता काबरा सहित समस्त सदस्याऐं उपस्थित थीं।

'विदर्भ स्तरीय लेखन स्पर्धा' में अलका प्रथम

वर्धा। इस कोरोना काल में हर परिवार, हर एक इंसान के साथ कुछ न कुछ अनहोनी अवश्य हुई है। इसी धरातल पर अपने आप को मजदूर, बेरोजगार, छात्र, मंगेतर, कलाकार, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, पुलिस, पुजारी, गृहिणी, मां, बेटा या बेटी, अथवा किसी सामान्य नागरिक के रोल में रखकर

अपनी आपबीती बयान करते हुए, मात्र 125 शब्दों में अपने विचारों को लेख के माध्यम से लिखना था। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा यह स्पर्धा पहले तहसील स्तर पर आयोजित हुई। इस बार भी अलका राजकुमार जाजू, वर्धा ने इसमें प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

स्वाभिमान इतना भी मत बढ़ाना कि अभिमान बन जाए और अभिमान इतना भी मत कम करना कि स्वाभिमान मिट जाए.

महिला मंडल के चुनाव संपन्न

राजनांदगांव। गत 7 जुलाई को माहेश्वरी भवन में महिला मंडल का चुनाव संपन्न हुआ। इसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारी को कार्यभार सौंपा गया। इसमें अध्यक्ष-शीला गांधी, सचिव-सुषमा राठी, कोषाध्यक्ष-अनिता चितलांगिया, सह सचिव-सीमा डागा चुनी गईं। स्थानीय संरक्षक मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। जानकारी नवनिर्वाचित पीआरओ पिंकी धूत ने दी।

मनीषा दो प्रतियोगिता में अव्वल

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा एवं श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताएं कोरोना काल में ऑनलाइन आयोजित की गई। इनमें उज्जैन की मनीषा राठी ने क़रीब 8 प्रतियोगिताओं में भागीदारी की, जिनमें से दो में प्रथम व एक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बचपन से मेधावी मनीषा विज्ञान की छात्रा रही हैं किंतु हिंदी साहित्य में रुचि होने के कारण अनेक प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में उनके लेख व कवितायें छपती रही हैं। सभी प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण राष्ट्रीय कार्यसमिति की सदस्य गीता तोतला, पश्चिमी म.प्र. अध्यक्ष वीणा सोमानी, मंत्री उषा सोड़ानी आदि की उपस्थिति में हुआ।

रामजी के नाम पाती स्पर्धा सम्पन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल अंतर्गत स्वाध्याय एवम् अध्यात्म समिति द्वारा रामनवमी महोत्सव पर "रामजी के नाम पाती" प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की गई।18 आयु वर्ग से हिंदी/अंग्रेजी भाषा में सभी ने इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, मध्यांचल सह प्रभारी शोभा माहेश्वरी एवम प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा सभी को प्रोत्साहित करने हेतु उनके वीडियो बनाकर पूरे छत्तीसगढ में भेजे गए। सबके सहयोग से समिति को इस प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से 240 पाती मिली। रायपुर जिला से सर्वाधिक पातियां प्राप्त हुई इसलिए प्रदेश अध्यक्ष की अनुमति से रायपुर जिला से 10 बेस्ट पाती को निर्णायकों द्वारा चयनित किया गया।

समाज भवन में 2 करोड़ का योगदान

गुलबर्गा। माहेश्वरी भवन के निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु दो करोड़ रुपए का योगदान नंदकिशोर, श्यामसुंदर, पवनकुमार एवं पदमकुमार बजाज परिवार चीतापुर (गुलबर्गा) द्वारा दिया गया। उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट गुलबर्गा द्वारा निर्माणाधीन माहेश्वरी भवन गीता ग्रुप द्वारा सहयोग स्वरूप दी गई 1 एकड़ जमीन में निर्माणाधीन है और इसका कार्य लगभग 7 वर्षों से रुका हुआ था। बजाज परिवार चीतापुर द्वारा उनके पिता स्व. श्री सत्यनारायण बजाज के नाम से इस भवन को पूर्ण करने के लिए 2 करोड़ रुपए का योगदान देने हेतु स्वीकृति दी है। गत 31 जुलाई को गुलबर्गा में आयोजित सम्मान समारोह में 51 लाख की राशि का चेक बसंतीदेवी बजाज ने माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ब्रजमोहन भूतड़ा, संभागीय उपाध्यक्ष शंकरलाल करवा, प्रादेशिक महिला संगठन अध्यक्षा पुष्पा गिल्डा, प्रदेश युवा संगठन सचिव दीपक गिल्डा, प्रदेश ट्रस्ट के चेयरमैन गणेश तापड़िया, मैनेजिंग ट्रस्टी बद्रीनारायण भट्टड़ आदि उपस्थित रहे।

पौधारोपण से मनाया फ्रेंडशिप डे

खरगोन। माहेश्वरी समाज महिला मंडल की अध्यक्षा अलका सोमानी के नेतृत्व में फ्रेंडशिप डे मनाया और सावन महीने में पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संकेत देते हुए पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जानकी खटोड़, पुष्पा जाजू, सुमन खटोड़, उषा सोमानी, कांता फोपलिया, पूजा कोठारी, निशा भट्टाड, उषा सिंघी, उमा सोमानी, किरण आगल, अमिता खटोड़ आदि उपस्थित थीं।

जो खुद झुक सकता है,
उसमें इतनी हिम्मत होती है कि वो
सारी दुनिया को झुका भी सकता है।

पौधारोपण से मनाई शादी की सालगिरह

निम्बाहेड़ा। निम्बाहेड़ा के आरके कॉलोनी निवासी भराडिया परिवार के पुत्र एवं पुत्रवधू ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधारोपण कर अपनी शादी की सालगिरह को यादगार बनाया। अपनी शादी की 15 वीं सालगिरह के अवसर पर गत 5 वर्षानुसार अखिलेश भराडिया एवं उनकी पत्नी पूनम भराडिया ने श्री अम्बामाता परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया। कार्यक्रम में शिवलाल भराडिया, उषा भराडिया, राजेंद्र राजू मंडोरा, संदीप संगीता मूंदड़ा सहित मंदिर ट्रस्ट के सदस्य आदि उपस्थित थे।

श्रावण मास में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन

कोलकाता। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा, महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महारुद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में गत 01 अगस्त 2021 रविवार को प्रातः 11:30 बजे से किया गया। कोरोना काल को देखते हुए इसमें 21 जोड़ों ने भाग लिया। सभा के अध्यक्ष श्याम बागड़ी ने पंडित श्री किराडू का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उपस्थित भक्तजनों का स्वागत महिला अध्यक्षा सुशीला बागड़ी ने किया। मुख्य यजमान देवेंद्र-ममता बागड़ी एवं रामनिवास गायत्री लोहिया थे। महासभा के संयुक्त मंत्री श्याम राठी, कोलकाता प्रदेश व अंचल एवं माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुरेश बागड़ी, विजयश्री मूंदड़ा, कविता सादानी, आशीष चांडक थे।

सकता मिट्टी ने की तो ईंट बनी, ईंट ने की तो दीवार बनी, दीवार ने की तो घर बना, ये बेजान चीजें हैं, ये जब सक हो सकते हैं तो हम तो इंसान है।

पुण्यतिथि पर गीता पर व्याख्यान सम्पन्न

कोलकाता। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामगोपाल सोहिनी देवी नागोरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री डीडवाना नागरिक सभा व कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में स्व. श्री बद्रीविशाल नागोरी की पुण्यतिथि पर 19 वीं वार्षिक गीता व्याख्यानमाला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इसमें 'कैसे जानें कर्म सही है या गलत' विषय पर ओजस्वी वक्ता एवं गीता मर्मज्ञ, चिन्मय मिशन, पटियाला के स्वामी श्री माधवानन्द जी महाराज का व्याख्यान हुआ। मधु माहेश्वरी और मंजू सारडा ने भगवद्गीता व माता पिता पर अपने भाव व्यक्त किए। विनोद कुमार जाजु ने स्वामी जी का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन नंद कुमार लढ़ा ने किया। आभार श्री डीडवाना नागरिक सभा के अध्यक्ष अरुण प्रकाश मल्लावत द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में नागोरी परिवार के डॉ. श्रीबल्लभ, ओमप्रकाश, राजेश, नरेश, किशन, कुलदीप, दीपक, सूरज, मृदु नागोरी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

युवा संगठन की बैठक सम्पन्न

पालनपुर। प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की बैठक राजस्थान के आबूरोड में। पालनपुर युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित हुई। अध्यक्ष नरेश केला द्वारा संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। श्री केला का गुजरात प्रदेश भाजपा MEERS सेल के कन्वीनर बनने पर उनका अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष विकास मुंदड़ा, अल्पेश माहेश्वरी, योगेश कचौरिया, विकास चांडक, कुशल थिरानी, निखिल काबरा, दीपक काबरा, आशीष तापड़िया, प्रमोद गट्टानी, मनीष चांडक सहित कई युवा साथी उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर ऑनलाईन आयोजन

छत्तीसगढ़। आत्म कल्याण का सफल आयोजन जूम ऑनलाइन पर 22 जुलाई को किया गया। इसमें श्रद्धेय राधा कृष्ण महाराज की ओजस्वी वाणी से गुरु महिमा के सत्संग को सुनकर सभी भावविभोर हो गए। लगभग 140 सदस्याओं की उपस्थिति कार्यक्रम में रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, संयुक्त मंत्री उषा करवा, समिति प्रभारी अरुण लड्ढा, मध्यांचल समिति सहप्रभारी शोभा माहेश्वरी, मध्यांचल अध्यात्म समिति की सभी संयोजिका सहित छत्तीसगढ़ की सभी पदाधिकारीगण उपस्थित थी। प्रदेश अध्यक्ष अमिता मूंधड़ा, प्रदेश मंत्राणी भावना राठी व प्रदेश संयोजिका दिव्या राठी आदि ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

माहेश्वरी पंचायत की कार्यकारिणी गठित

मेड़ता। माहेश्वरी पंचायत मेडता की दो वर्षीय कार्यकारिणी का चयन साधारण सभा में किया गया। चयन अधिकारी रामेश्वर परतानी एवं गोपाल कृष्ण सोनी के सान्निध्य तथा पवन परतानी एवं प्रवीण काबरा के सहयोग से सम्पन्न हुए चुनावो में अध्यक्ष भंवर लाल बजाज, उपाध्यक्ष केदार बिडला, सचिव कमल जैथलिया, कोषाध्यक्ष बंकट लाल मालपानी एवं सह सचिव नंदु श्री मंत्री को मनोनीत किया गया।

वैक्सीनेशन सेंटर का किया शुभारम्भ

नागपुर। रामदासपेठ नागरिक मंडल व नागपुर म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा आय.आय.टी होम में कोविड वैक्सीनेशन सेंटर की शुरुआत की गई। अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक, चिंतक शरद गोपीदासजी बागडी ने दीप प्रज्जवलित कर सेंटर के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कई गणमान्यजन इस अवसर पर उपस्थित थे। अशोक पत्की ने शरद बागडी का परिचय देते हुए कहा की शरद बागडी को 5 अंतरराष्ट्रीय, 100 से ज्यादा राष्ट्रीय-प्रादेशिक पुरस्कार, 219 संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। शरद बागडी वर्ड कान्टिट्यूशन एंड पार्लियामेंट असोशिएशन, यू.एस.ए के सदस्य भी है। अभी अंतरराष्ट्रीय ग्लोबल अचिवर्स मैगजीन द्वारा शरद बागडी का कवर पर फोटो के साथ परिचय छापकर '100 इंस्पायरिंग इंडियन' लिस्ट में शामिल किया गया है।

मानव सेवा पर बजाज का सम्मान

गुलाबबाग। श्री माहेश्वरी सभा के सदस्य चांद रतन बजाज का लालगढ़ सदर अस्पताल राजस्थान में सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री बजाज ने कोरोना काल में अपने गांव के अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया था।

ठंडे जल की मशीन भेंट

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा नागौरी गेट पूलिस थाना में ठंडे पानी की 40 लीटर क्षमता की मशीन सुशीला बजाज की अध्यक्षता में भेंट की गई। सचिव गीता सोनी ने बताया कि मशीन आर.ओ. फिल्टर एवं पूरी पाइप लाइन के साथ फिटिंग करा कर थाने में जनकल्याण के लिए लगाई गई। इसमें निर्मला सोनी, निर्मला लोहिया, राजकुमारी चांडक, किरण बिहानी, अल्का चांडक, बबीता चांडक, संजू सोनी, उर्मिला बंग, रामेश्वरी राठी, रेणू माहेश्वरी, सरोज मूंदड़ा, शोभा डागा आदि ने सहयोग दिया।

हरियाली अमावस्या पर गौसेवा

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्व क्षेत्र द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में मोकलावास स्थित भूरिया बाखर गौशाला जाकर गौ माता की सेवा एवं भजन कीर्तन किया गया। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि मंडल द्वारा गौशाला में 50 पौधे लगाकर संकल्प भी पूर्ण किया गया। सचिव गीता सोनी ने कहा कि हरियाली अमावश के उपलक्ष्य में वन में जाकर मंडल की सदस्याओं ने सामूहिक गोठ में दाल बाटी चूरमा का लुत्फ उठाया। सुनीता डागा, संजू सोमी, संगीता सोनी, पुष्पा लाहोटी, छाया राठी, किरण बिहानी, नेहा राठी, अयोध्या सोनी, सरला बूब सहित कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

अच्छे रिश्तों को वाद और शब्दों की जरुरत नहीं होती, बस दो खूबसूरत लोग चाहिये एक निभा सके और दूसरा उसे समझ सके।

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

उज्जैन। माहेश्वरी सभा एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के प्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण मूंदड़ा थे। समाज अध्यक्ष भूपेंद्र भूतड़ा, सचिव कैलाश नारायण राठी, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेंद्र समदानी, 'पर्यावरण प्रेमी श्याम माहेश्वरी, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य गीता तोतला, प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी, सचिन उषा सोडानी, महिला मंडल अध्यक्ष हेमलता गांधी, सचिव मनोरमा मंडोवरा, प्रगति मंडल सचिव रश्मि राठी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। मंडल अध्यक्ष हेमलता गांधी ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि लॉकडाउन के चलते वर्षभर ऑनलाईन लगभग 20 स्पर्धाएं आयोजित करवाई गई जिसमें अधिकांशतः कोरोना पर आधारित थीं। आयोजित सभी स्पर्धाओं के विजेताओं बालक, बालिकाओं, युवा एवं महिलाओं को मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। तत्पश्चात सम्मान समारोह में पर्यावरण प्रेमी श्याम माहेश्वरी, वरिष्ठ समाजसेवी नृसिंह देवपुरा, शांता मंडोवरा, ऑनलाइन गणेश प्रतिमा बनाना सिखाने पर आशा मंत्री का सम्मान शॉल-श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगीता भूतड़ा व मनीषा राठी ने किया। इस अवसर पर आनंदीलाल गांधी, बी.एल.मूंदड़ा, गोवर्धन तोतला, सुधा बाहेती, पुष्पा मंत्री, संध्या हेड़ा आदि मौजूद थीं।

डाड को राष्ट्रीय गीतोपदेश सर्वधर्म प्रचार प्रसार सम्मान

भीलवाड़ा। अखिल भारतीय गीतोपदेश सर्वधर्म समन्वय समिति नई दिल्ली द्वारा समाजसेवी रीना डाड को राष्ट्रीय गीतोपदेश सर्वधर्म प्रचार प्रसार सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि भीलवाड़ा की श्रीमती डाड ने श्रीमद्भागवत गीता के सभी अध्यायों को ऑडियो-वीडियो के माध्यम से सोश्यल मीडिया के जरिए विश्व भर में लाखों दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया है, जिसके लिए 100 से अधिक प्रतिभागियों में से चयनित कर समिति का यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान उन्हें भेंट किया गया। इसी प्रक्रिया में 25 दिसम्बर 2020 शुक्रवार को गीता भवन हरिद्वार में यह सम्मान घोषित किया गया था तथा 15 अगस्त 2021 को नई दिल्ली में यह सम्मान प्रेषित किया गया एवं गीता जयंती 14 दिसम्बर 2021 मंगलवार को भीलवाड़ा में समारोह पूर्वक उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। गत 8 अगस्त रविवार को वार्ड 61 के सेक्टर 7 में पार्षद शांतिलाल डाड के सानिध्य में पौधारोपण कार्यक्रम पार्षद ओम साईं राम व पार्षद मधु शर्मा के आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कन्हैया लाल खेतान, रामा राव सर, मुकेश चेचानी, डॉ. जे पी गर्ग, सतीश सोनी, राजेश जागेटिया, सरिता खेतान आदि क्षेत्र के कई सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। पार्षद शांति लाल डाड ने बताया कि इस वर्ष वार्ड में लगभग 200 पेड़ पौधे लगाए जाएंगे और उनकी सार संभाल की जिम्मेदारी वार्ड के सदस्यों को दी जाएगी।

नीम महोत्सव का आगाज़

जयपुर। चाँदपोल मोक्ष धाम के पश्चिम प्रांगण में शहर के गणमान्यजनों की उपस्थिति में मारवाड़ी महासभा द्वारा गत 16 अगस्त को प्रातः 9 बजे नीम महोत्सव मनाया गया। इसके अंतर्गत नवरतन काला, बिट्ठल माहेश्वरी, केदार माल भाल, बजरंग बाहेती, सुपारीवाला, अभिषेक मानधना, सुरेश चौधरी, ज्ञान खण्डेलवाल, नवरत्न, निखिल काला, शशि बिजय लखोटिया के सहयोग से नीम के 151 पौधों का रोपण किया गया।

पूरी दुनिया जीत सकते हो संस्कार से और जीता हुआ भी हार सकते हो अहंकार से।

भक्तिमय हुआ ''भक्तियोग'' का शुभारम्भ

अ.भा. महिला संगठन की कार्यसमिति बैठक के साथ पाँच दिवसीय आयोजन

कोटा। उत्तरांचल वर्चुअल अधिवेशन ''भक्ति योग'' 8 अगस्त से 12 अगस्त 2021 सभी को भक्तिमग्न कर गया। एक कुशल सारथी की भांति नियंत्रक की भूमिका में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरण लड्ढा ने इसे कुशलतापूर्वक कार्यान्वित किया। प्रथम दिवस अधिवेशन के शुभारम्भ सत्र को राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा, महामंत्री मंजू बांगड़, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय माहेश्वरी एवं पूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी की उपस्थिति में दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्यामाजी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में जगद्गुरु निम्बकाचार्य श्रीजी महाराज के आशीर्वचन प्राप्त हुए। सदस्याओं की कबीर, सूर, मीरा, तुलसी, रसखान, अमीर खुसरो की अमृतवाणी पर अनूठी प्रस्तुतियां अंतर मन को छू गई।

द्वितीय दिवस को हुआ ''समन्वय''

अधिवेशन के द्वितीय दिवस के कार्यक्रम 'समन्वय' का आयोजन अंचल के पूर्वी उत्तर प्रदेश महिला संगठन द्वारा स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति एवं गठबंधन सहयोग समिति के अंतर्गत राष्ट्रीय पदाधिकारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, विमला साबू, राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड एवं अशोक सोमानी की उपस्थिति में हुआ। प्रदेश अध्यक्ष उषा द्वारा सभी का स्वागत किया गया। द्वितीय दिवस परिवार के प्रति भक्ति को समर्पित था। दोनों समितियों के समन्वय को प्रदर्शित करती नाटिका समाज को अनेकों संदेश देने में सफल हुई। कार्यक्रम का संचालन संचालन पुष्पा धूत ने किया। सचिव रंजना ने आभार व्यक्त किया।

तृतीय दिवस महिला सशक्तिकरण के नाम

अधिवेशन के तृतीय दिवस का कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण एवं व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत पंजाब हरियाणा प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुमन जाजू द्वारा सभी का स्वागत किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा शादानी, निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गगरानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैला कलंत्री एवं विनीत केला की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसमें संपूर्ण उत्तरांचल से चयनित तीन सशक्त नारियों संतोष-पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कृष्णा-पूर्वी उत्तरप्रदेश, वैशाली-मध्य उत्तरप्रदेश को महामंत्री मंजू बांगड़ द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंजाब-हरियाणा की मिश्रित संस्कृति का परिचय नृत्य के माध्यम से करवाया गया। नारी जीवन के पांच चरण प्रदर्शित करते हुए पांचों प्रदेशों के मध्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रथम पूर्वी उत्तरप्रदेश, द्वितीय पंजाब-हरियाणा व तृतीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश रहा। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन प्रदेश सचिव सीमा मूंदड़ा ने किया।

चतुर्थ दिवस ग्राम विकास को समर्पित

पर्व एवं सांस्कृतिक समिति और ग्राम विकास समिति के अंतर्गत चतुर्थ दिवस का कार्यक्रम हरीतमा हरियाली तीज के उपलक्ष्य में मध्य उत्तर प्रदेश महिला संगठन द्वारा आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल ने सभी का स्वागत किया। हरे परिधान में सजी सदस्याऐं खुशहाली का संदेश दे रही थीं। डॉ. प्रवीण कुमार सूद मुख्य वक्ता के रूप में सदन में उपस्थित थे, जिन्होंने सोलर एनर्जी की विस्तृत जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा द्वारा पर्व की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार कालिया का प्रेरणादायी उद्बोधन रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कृष्ण राधा प्रसंग बहुत ही मनोहारी था। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन सचिव सीमा झंवर द्वारा किया गया।

पंचम दिवस को हुआ समापन

अधिवेशन का पंचम दिवस का समापन समारोह नव स्पंदन देशभक्ति से ओतप्रोत था। यह बाल एवं किशोरी विकास समिति एवं कंप्यूटर तकनीकी शिक्षा समिति के अंतर्गत पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मंजू हरकुट द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। नारंगी परिधान, तिरंगा दुपट्टा पहने सदस्याओं की छटा राष्ट्रीय तिरंगे का प्रतीक लग रही थी। उपस्थित अतिथि इंद्रेश (आरएसएस प्रचारक), श्याम सोनी (सभापति), राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी व सम्माननीय रतनी मां ने वर्चुअल मंच को सुशोभित किया गया। प्रतिभागी सदस्याओं और सभी बच्चों ने देशभक्ति का भरपूर रंग जमाया। प्रदेश संयोजिका मंजूषा व श्वेता माहेश्वरी द्वारा समितियों का परिचय दिया गया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति द्वारा पूरे 5 दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गई।

केदार हेड़ा कॉमर्शियल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोनित

इंदौर। मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठित संस्था कॉमर्शियल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के द्विवार्षिक निर्वाचन 13 अगस्त को माहेश्वरी भवन पर हुए। इसमें युवा समाजसेवी केदार हेड़ा को अध्यक्ष घोषित किया गया। श्री हेड़ा पूर्व में संस्था के सभी पदों पर कार्य करते हुए अध्यक्ष बने। इनके सचिव के कार्यकाल 2015-17 में संस्था ने GST पर दो राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार इंदौर के रविन्द्र नाटयग्रह में आयोजित किये। आप संस्था में नवीन एवं रचनात्मक कार्य के लिए सदैव तत्पर रहते है। श्री हेड़ा वर्तमान में माहेश्वरी समाज संयोगितागंज के

मंत्री, अखिल भारतीय हेड़ा संगठन के संगठन मंत्री के साथ समाज की अनेकों संस्थाओं में पद पर रहते हुए अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। श्री हेड़ा के अध्यक्ष बनने पर मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर कमिश्नर राघवेंद्र कुमार सिंग, विभाग के अनेक अधिकारियों के साथ ही संस्था के संतोष मोलासरिया, अरुण माहेश्वरी, सुभाष बफना, अश्वनी लखोटिया, तथा समाज के रामेश्वर लाल असावा, ईश्वर बाहेती, प्रकाश बाहेती, महेश तोतला, राजेन्द्र ईनाणी, रविंद्र राठी, मुकेश असावा, रामस्वरुप मुंदड़ा आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

जाजू ट्रस्ट ने किया 15 हजार पौधों का वितरण

भीलवाड़ा। अयोध्या देवी बालूराम जाजू ट्रस्ट द्वारा हनुमान कॉलोनी स्थित प्रकृति विहार में 15 हजार पौधों का वितरण अभियान प्रारम्भ किया। मुख्य अतिथि के रूप में पौधे वितरित करते हुए भीलवाड़ा उपखण्ड अधिकारी ओमप्रभा ने इसके लिये जाजू ट्रस्ट की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की। ट्रस्ट के सचिव गौरव जाजू व उपाध्यक्ष सुरेश जाजू ने बताया कि कार्यक्रम के विशेष अतिथि जिला वन अधिकारी डी.पी. जागावत। संगम उद्योग समूह के एम.डी. एस.एन. मोदानी उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबूलाल जाजू ने बताया कि विद्यालय, उद्योग, शमशान, सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों को 20 प्रजातियों के 14630 पौधों का वितरण किया गया। ट्रस्टी रामप्रसाद जाजू ने बताया कि 4 दिन चले पौधे वितरण कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक वन विभाग सुखराम विश्नोई, प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी महावीर मेहता, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड व अक्षय त्रिपाठी ने अलग-अलग दिन पौधारोपण किया। पौधा वितरण में मुकेश अजमेरा, गुमानसिंह पीपाड़ा, आदित्य जाजू आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

महिला मण्डल की प्रतियोगिता सम्पन्न

बागोर। माहेश्वरी महिला मंडल की श्रावण मास में लहरिया प्रतियोगिता एवं चेयर रेस तथा वन मिनिट प्रतियोगिता सेवल्या कुंज में आयोजित की गई। जिसमें लहरिया प्रतियोगिता में खुशबू सेठिया प्रथम, गरिमा सोनी द्वितीय, चेयर में रीना सोनी एवम वन मिनिट में अंतिमा काबरा प्रथम, रिंकू सेठिया द्वितीय एवम मधु देवपुरा तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में महिला मंडल की संस्थापक कांता खटोड़, विजय लक्ष्मी, मंजू, पूजा, स्वाति, मधु, ज्योति देवपुरा, बसन्ता, लक्ष्मी, पुष्पा, खुशबू आदि महिलाओं ने भाग लिया एवं जितने वालों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह जानकारी मण्डल की अध्यक्ष ऋतु सोनी एवं उपाध्यक्ष ज्योति देवपुरा ने दी।

समदानी की पुण्यतिथि पर रक्तदान

गंगापुर। समदानी परिवार व भारत विकास परिषद गंगापुर द्वारा स्व. श्री संजय समदानी की पुण्य स्मृति में रक्त दान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ शान्तिलाल समदानी, सत्यनरायण बिहाणी, नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश तेली व शिविर प्रभारी तुषार अग्रवाल ने किया। शिविर में पांच महिलाओं सहित 117 सदस्यों ने रक्तदान कर मानवीय मूल्यों का परिचय दिया। इस अवसर पर समदानी परिवार के पवन समदानी, श्याम, राजू सिंघम, निर्मल, नवनीत, गीतादेवी, सीमा, निशा रीना, रिंकू समदानी, पूजा लोहिया, वन्दना बाल्दी, सुधा लोसर, भावेश न्याति, शुभम बहेड़िया आदि परिषद के सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह जानकारी आयोजक पवन समदानी ने दी।

राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

बैंगलुरू। गत सायं 4 बजे राज्यपाल थावरचंद गेहलोत से बैंगलुरू स्थित राजभवन में माहेश्वरी सभा बैंगलुरू के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, उपाध्यक्ष नवलकिशोर मालु, सचिव भगवानदास लाहोटी, सहसचिव सत्यनारायण मालानी, कोषाध्यक्ष अजय राठी, सहकोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा, निवर्तमान अध्यक्ष बसंतकुमार सारड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष कांता काबरा, माहेश्वरी युवा संघ अध्यक्ष अरविंद लोया, सचिव धीरज काबरा आदि शामिल थे। इन्होंने उनका मोती माला, मैसूर पेटा, रेशमी शाल, पुष्पगुच्छ व मोमेंटो प्रदान कर माहेश्वरी समाज की ओर से सम्मान किया। महामहिम राज्यपाल को माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया ने माहेश्वरी सभा की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों, कार्यक्रमों व समाज का संक्षिप्त परिचय भी दिया।

यदि आप आलोचना नहीं झेलना चाहते
तो भगवान के लिए कभी कुछ
नया ट्राई मत करिए

सामुहिक रुद्राभिषेक का आयोजन

वरंगल। माहेश्वरी महिला मंडल वरंगल द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष्य पर सामुहिक रुद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव सरिता राजगोपाल सोमाणी ने बताया कि इस सामूहिक रुद्राभिषेक में 20 जोड़ों ने भाग लिया। भव्य रुद्राभिषेक के समापन के पश्चात एक भव्य एवं दिव्य महाकाल की ज्योतिर्लिंग बनाकर शानदार भस्म आरती की गयी। समाज के बंधुओ को इस दिव्य रुद्राभिषेक एवं भव्य भस्म आरती के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रुद्राभिषेक एवं भव्य भस्म आरती के तदुपरांत गोष्टि प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम हेतु सभी के सहयोग के लिए माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष माधुरी नंदकिशोर लाहोटी एवं आँध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष चंदा बंकटलाल सोनी ने आभार प्रकट किया।

डॉ. पवन माहेश्वरी हुए सम्मानित

इंदौर। जिला माहेश्वरी समाज के संगठन मंत्री प्रहलाद सेठ ने बताया कि फूटी कोठी इंदौर निवासी समाज के वरिष्ठ सदस्य महेंद्र गोपाल अपसनिया (माहेश्वरी) के सुपुत्र डॉ. पवन माहेश्वरी स्वास्थ्य अधिकारी नगर पालिका निगम देवास के पद पर पदस्थ हैं। उनके प्रयासों से वैक्सीनेशन में देवास को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस अभियान में 16 जनवरी 2021 तक 1098 सत्र आयोजित किये गये हैं जिसमें कुल 221328 हितग्राहियों को प्रथम डोज एवं 52475 हितग्राहियों को द्वितीय डोज से प्रतिरक्षित किया जा चुका है। गत स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2021 को चंद्रमौली शुक्ला आई.ए.एस. कलेक्टर जिला देवास द्वारा उनको इस सराहनीय कार्य के लिये प्रशस्ति पत्र एवं उत्कृष्टता पुरस्कार स्वरूप अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में डॉक्टर पवन माहेश्वरी स्वास्थ्य अधिकारी के साथ रजिस्ट्रार, कोविड-19 वैक्सीन प्रभारी नोडल अधिकारी एवं वैक्सीन प्रभारी पद की जिम्मेदारी सम्भाल रहे हैं।

जाजू के यू-ट्यूब चैनल का नड्डा ने किया उद्घाटन

नईदिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी को भावांजलि स्वरूप श्याम जाजू पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा के यू ट्यूब चैनल ''कुछ यादें कुछ मुलाकातें'' का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा किया गया। इस चैनल के माध्यम से श्री जाजू पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ अटलजी के आत्मीय क्षणों के अनुभव व विचारों को साझा करेंगे। इस चैनल के माध्यम से अटलजी के ऊर्जावान विचारों को लाखों करोड़ों कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

मनाया गया 75वाँ स्वतंत्रता दिवस

प्रतापनगर। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज द्वारा 75 वें स्वाधीनता दिवस को 'तक्षशिला' सभाग्रह, एम.पी.एस., जवाहर नगर में मनाया गया। आभासी तकनीक फेसबुक से समस्त विद्यार्थियों व अभिभावकगण को जोड़कर अनेक प्रकार की राष्ट्रीय चेतना व देशप्रेम से परिपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम को उत्कर्ष प्रदान किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में मुख्य अतिथि पी.सी. परवाल द्वारा शांति, अपनत्व व जुड़ाव के प्रतीक स्वरूप ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का संपूर्ण संयोजन व संचालन माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रतापनगर ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रमेश कुमार सोमानी, कोषाध्यक्ष नटवर कुमार सारड़ा, समाज संरक्षक, पूर्व अध्यक्ष सहित समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

ज़िद, गुस्सा, गलतियां, लालच और अपमान खरटों की तरह होते हैं...
दूसरा करें तो चुभते हैं पर खुद करें तो अहसास तक नहीं होता..!

दिल्ली। बचपन से मुझे पेड़ पौधों का शौक रहा है। मैं अपने चंदर नगर में पिछले 5 साल से RSS का कार्यकर्ता हूं। मेरा दायित्व पर्यावरण की देखरेख का है। मैं समय-समय पर अपने नगर में वृक्षारोपण करता रहता हूं। मैने अपनी छत पर सुंदर किचन गार्डन बनाया हुआ है, मैं एक घंटा पौधों की देखरेख में व्यतीत करता हूं। मेरा घर हराभरा हैं। पेड़ जीवन का अनमोल खजाना है, इसको जीवित रखना आपका हमारा दायित्व हैं। हर आदमी को अपने जीवन में वृक्षारोपण करना चाहिए, मैं सभी से यहीं अपील करता हूं।

- ओम प्रकाश सोमानी, चंदर नगर, एनसीआर

भीलवाड़ा। हरियाली मेरा बहुत बड़ा शौक है। मैंने भी अपने घर को हरियाली से सजाने का छोटा सा प्रयास किया है। इस हरियाली को देखकर बहुत सुकून मिलता है। मेरे घर के बाहर केवल गमले और छोटी सी क्यारी है, जिसमें मैंने नीम, गिलोय, हार सिंगार, स्नेक प्लांट जैसे औषधीय पौधे लगा रखे हैं, जो इस कोरोना महामारी में हमारे साथ-साथ लोगों को भी बहुत काम आए। जहां हरियाली होती है, वहां पक्षी भी अपना डेरा डालते हैं। पक्षियों के लिए भी मैंने बर्ड हाउस और दाने पानी की व्यवस्था कर रखी है, इसमें कितने ही बच्चे बड़े होकर उड़ गए। पूरे दिन उनकी चहचहाहट मन को बहुत भाती है।

- सुधा कोगटा, कुमुद विहार

उज्जैन। माहेश्वरी समाज के प्रबुद्ध समाजसेवी दिनेश लड्ढा एवं परिवार ने समाज बंधुओं की उपस्थिति में विगत माह जयराम स्नेहीराम बगीची उज्जैन में पौधारोपण उज्जैन स्थित श्री रामानुजकोट लक्ष्मी निवास मंदिर के अधिष्ठाता श्री श्रीरंगनाथाचार्य जी के सान्निध्य में किया ।

भीलवाड़ा। सखी सहेली ग्रुप द्वारा सावन एवं झूला महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर झूला झूलते हुए सावन के गीत गाए और नृत्य किया। हमारी संस्कृति के संवाहक स्वरूप तीज के परंपरागत गीतों को भी गाया एवं उन पर नृत्य किया। इस अवसर पर विनीता नवाल, रीना डाड, रेनू समदानी, चेतना जागेटिया, सीमा कोगटा, भारती बाहेती, अनु मोदी आदि उपस्थित थे।

नागदा। माहेश्वरी महिला मंडल नागदा ने माहेश्वरी समाज की चार बहनों का हरियाली तीज का उद्धापन प्रीति मालपानी की अध्यक्षता में माहेश्वरी भवन में करवाया।

भारतीय संसदीय ग्रुप की बैठक संपन्न

नईदिल्ली। भारतीय संसदीय समूह के कार्यकारी मंडल की बैठक संसद भवन में संपन्न हुई। इस अवसर पर अनेक महत्वपूर्ण निर्णय भारतीय संसदीय समूह द्वारा लिया गया, जिसके दूरगामी परिणाम आने वाले समय में दिखाई देंगे। आजादी के अमृत महात्सव के अवसर को ध्यान में रखकर स्पीकर ओम बिड़ला ने सभी सदस्यों के सुझाव के आधार पर नई पहल प्रारम्भ करने की दिशा में कदम उठाने की सहमति प्रदान की है।

75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

बैंगलुरू। राजराजेश्वरी नगर स्थित माहेश्वरी फाउंडेशन द्वारा संचालित माहेश्वरी बॉयज होस्टल के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। पहले सबने भारत माता की पूजा एवं अर्चना की। फिर माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, वाईस चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया एवं स्टूडेंट सेक्रेटरी अभिषेक बाहेती ने तिरंगा फहराया। फाउंडेशन के चेयरमैन श्री भूतड़ा एवं भूतपूर्व चेयरमैन गौरीशंकर सारडा ने सम्बोधित भी किया।

स्वंतत्रता दिवस का हुआ आयोजन

हावड़ा। माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा मंच के तत्वावधान में 75वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन गत 15 अगस्त को प्रातः 9.30 बजे, मंदिर प्रांगण, विवेक विहार, फेज -2 में किया गया। झण्डोत्तोलन समाज एवं परिवार को गौरवान्वित करने वाले सदस्यों के कर कमलों द्वारा हुआ। समारोह में श्याम सुंदर राठी, (संयुक्त मंत्री), पूर्वांचल सभा अध्यक्ष बेनी गोपाल जाजू, महिला संगठन अध्यक्ष शशि नागोरी, युवा मंच अध्यक्ष नारायण चांडक, फेज-2 अध्यक्ष कन्हैयालाल लाखोटिया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। मंच संचालन ललित माहेश्वरी सह मंत्री ने किया।

आश्रम शाला को कम्प्यूटर भेंट

पुणे। महेश मंडल की ओर से और व्हेरिटास टेकनॉलॉजी पुणे के सहयोग से औरंगाबाद स्थित जय किशन एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित भगवान बाबा बालक आश्रम शाला को 8 संगणक (डेस्कटॉप) का वितरण महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी समाज अध्यक्ष किसन भन्साली द्वारा किया गया। स्कूल को 8 डेस्क टॉप (संगणक) एवं अन्य सुविधा से परिपूर्ण सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर सतीश लड्ढा, सी एस सोनी, संजय मंत्री एवं सांगवी परिसर महेश मंडल के अध्य्क्ष सतीश लोहिया, सचिन मंत्री, गजानंद बिहाणी, शिक्षण संस्था के नितीन घुगे, कविता वाघ आदि मान्यवर उपस्थित थे।

यूट्यूब पर आयोजित हुआ 'सावन फेस्ट'

नागपुर। संस्था माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति द्वारा सावन का रंगारंग कार्यक्रम, 16अगस्त 2021को यू ट्यूब पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। महिलायों की छुपी प्रतिभाओं को आकार देना, अवसर देना आदि इसका मुख्य उद्देश्य था। सावन फेस्ट के बाद तंबोला का सभी ने आनंद लिया। इसमें मिले उपहारों ने सभी का उत्साह बढ़ा दिया। इस कार्यक्रम की सोच एवं रूपरेखा युवा मंडल अध्यक्षा सविता केला एवं सचिव राजश्री मूंधड़ा की थी। सलाहकार रेखा हुरकट एवं शीतल डागा ने सभी का मार्गदर्शन किया। नीता बजाज, शीलू राठी, संध्या राठी, नीलिमा लड्ढा, सीमा नत्थानी, नीना राठी, संगीता राठी, प्राची मोहता, प्रीति राठी, श्वेता राठी, पूजा बलदुआ सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

डूबना तो किसी खाली बर्तन की तरह,
धीरे-धीरे अपने में कुछ भरते हुए.
पत्थर की तरह कभी मत डूबना।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण देश के अधिकांश राज्यों में 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षाऐं नहीं हो पायी। इसके बावजूद परीक्षा परिणाम के तय सूत्रों के आधार पर भी माहेश्वरी प्रतिभाओं ने अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। आइये हम अपनी प्रतिभाओं को जानें।

माहेश्वरी प्रतिभाऐं कोरोना के दौर में भी अव्वल

गौरी इनानी ने हासिल किये 99.6% अंक

इंदौर। गोरी ईनानी ने सीबीएससी द्वारा आयोजित दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। गोरी बागली निवासी डॉक्टर ब्रजमोहन ईनाणी (शिशु रोग विशेषज्ञ सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी) की पोत्री एवं डाक्टर राम ईनाणी व डॉ. अरुणा ईनाणी की सुपुत्री हैं। चिकित्सक परिवार के रूप में पहचान रखने वाले ईनानी परिवार की बेटी गौरी स्वयं भी अपने परिवार की इसी परम्परा का पालन करते हुए डॉक्टर बनना चाहती हैं। इसके लिये वे नीट की तैयारी कर रही हैं।

दादाजी से मिली प्रेरणा

गौरी कहती हैं, मेरी सक्सेस के पीछे मेरे दादाजी डॉ. ब्रजमोहन ईनानी से मिली प्रेरणा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि लाइफ में कैसी भी परिस्थिति हो कभी हार नहीं मानना चाहिए। मैंने साल की शुरुआत से ही तैयारी शुरू कर दी थी। कोई और एक्टिविटी नहीं की। हर रात यह सोचती थी कि आज पढ़ाई में मेरा अचीवमेंट क्या रहा? प्री बोर्ड से पहले ही बीते सालों के पेपर सॉल्व कर चुकी थी। इतनी मेहनत के बाद जब एग्जाम कैंसल हुई

तो लगा जैसे सारी मेहनत बेकार हो गई। एग्जाम होती और अंक थोड़े कम भी आते तब भी दुख न होता, बल्कि संतुष्टि ही मिलती।

कनिष्क ईनानी को 97.4% अंक

इसी प्रकार ईनानी परिवार के ही वरिष्ठ स्व. श्री ओमप्रकाश ईनानी व पुष्पा ईनानी के पौत्र तथा अमित व मीना ईनानी के सुपुत्र कनिष्क ईनानी ने भी 10वीं बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा 97.4% अंकों के साथ उत्तीर्ण। की। कनिष्क का सपना भी अपने पारिवारिक संस्कारों के अनुरूप ही कैरियर चयन का है।

धीरज को 99.67 प्रतिशत

रामदुर्ग (कर्नाटक)। समाज सदस्य रामगोपाल धूत के सुपुत्र धीरज ने कर्नाटक राज्य बोर्ड की द्वितीय पीयूसी परीक्षा 99.67 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

मेघना तापड़िया को 97%

मैनपुरी। श्री सीताराम तापड़िया की पौत्री, मनीष व श्रीमती आभा तापड़िया की सुपुत्री मेघना ने 12वीं सीबीएसई की परीक्षा 97% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

एकांश माहेश्वरी को 96%

बेतुल। समाजसेवी देवेंद्र व मधु माहेश्वरी के सुपुत्र एकांश ने 12वीं की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की।

महक को 99.40% अंक

बीकनेर। समाज के वरिष्ठ चांदरतन राठी एवं श्रीमती शांता देवी राठी की सुपुत्री कु. महक राठी ने शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय की परीक्षा में 99.40 प्रतिशत अंक के साथ पूरे बीकानेर में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिजनों व गुरूजनों को देने वाली कुमारी महक राठी भविष्य में आई.ए.एस. अधिकारी बनकर प्रशासनिक क्षेत्र में जाकर देश की सेवा करना चाहती है।

शुभांगी लखोटिया को 95%

बरेली। श्री प्रकाश व सीमा लखोटिया की सुपुत्री शुभांगी ने 10वीं बोर्ड आईसीएसई की परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की है।

दिव्या को 99 प्रतिशत अंक

कोलकाता। दिव्या मूंधड़ा सुपुत्री श्रीमती इंद्रा बजरंग मूंधड़ा ने माहेश्वरी गर्ल्स स्कूल (कोलकाता) में क्लास 12वीं में 99% अंक से स्कूल टॉप किया। इसमें इकोनॉमिक्स में 100%, तथा हिंदी व अंग्रेजी में 99% अंक प्राप्त किये।

राधिका लाहोटी को 95.8%

भीलवाड़ा। रूपलाल व विमला देवी लाहोटी की सुपुत्री राधिका लाहोटी ने 12वीं सीबीएसई वाणिज्य 95.8% अंक से उत्तीर्ण की है।

जय माहेश्वरी को 94%

जालौन। श्री सुधीर कुमार व सुजाता माहेश्वरी के सुपुत्र जय ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 94% अंको से उत्तीर्ण की है।

गर्भस्थ शिशु संरक्षण पर सेमिनार

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति एवं माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में गत 7 अगस्त को सम्पन्न सेमिनार में गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशोर तिवाड़ी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शास्त्रों के अनुसार ''गर्भ में शिशु की हत्या महापाप है।'' इस अवसर पर समिति के राष्ट्रीय महामंत्री श्यामसुंदर मंत्री सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति की जयपुर महानगर ईकाई का भी गठन किया गया। सुरेंद्र बजाज अध्यक्ष एवं रमेश भैया को मंत्री मनोनीत किया गया। महिला विंग की अध्यक्ष रेखा धूत एवं मंत्री ममता जाखोटिया को बनाया गया। राधेश्याम परवाल, रामअवतार आगीवाल एवं नवल किशोर झंवर को पुरूष प्रभारी तथा उमा परवाल, उमा सोमानी एवं सविता राठी को महिला प्रभारी बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महिला संगठन की मंत्री सविता राठी ने किया।

'त्योहारों की बौछार' से रंगारंग शुरुआत

राजनांदगांव (छ.ग)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का प्रथम कार्यक्रम त्योहारों की बौछार से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संरक्षक मंडल द्वारा की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन शीला गांधी द्वारा दिया गया। इसके बाद सभी पूर्व अध्यक्ष का सम्मान शाल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। सरस्वती लोहिया, गीता डागा, अलका सुरजन, शशि चितलांगिया, राधा लड्ढा, नेमा लोहिया को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल संगठन अध्यक्ष अमिता मूंदड़ा विशेष रूप से उपस्थित थीं। इसके साथ नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अंतर्गत अध्यक्ष-शीला गांधी, उपाध्यक्ष-दीपा बागड़ी एवं विमला लड्ढा, सचिव-सुषमा राठी, सहसचिव-सीमा डागा, कोषाध्यक्ष-अनीता चितलांगिया व पीआरओ-पिंकी धूत को मंचस्थ कराया गया।

मुझे दुनिया के तानों पर कभी गुस्सा नहीं आता, नदी की तह में जाकर सारे पत्थर बैठ जाते हैं.

पत्र संपादक के नाम

जीवन का ज्योतिष मंडल भारतीय प्राच्य विद्या विशेषांक

पत्रिका युवावस्था में पहुंचकर अधिक परिपक्व होती जा रही है, इस पर प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ। पत्रिका समय पर मिली, शीर्षक देखकर उसके प्रति रूचि या अरूचि बराबरी में होने से कुछ पन्नों को पलटकर किताबों-मासिकों के पढ़ने की वेटिंग लिस्ट में रखा। आज हाथ में लेकर आदतन प्रथम कव्हर पेज से आखरी पेज तक पढ़ा और आकर्षण बढ़ते गया। चिंतन करने पर मैंने पाया ज्योतिष, वास्तु शास्त्र आज के नहीं हैं, आदिकाल से वैज्ञानिक आधार के साथ सिद्धग्रंथ हैं। इस क्षेत्र में शुद्ध व्यवसाय करने वाले ज्योतिषी इसकी विश्वसनियता को ग्रहण लगा रहे हैं, समाज भ्रमित हो गया है। वर्तमान वैज्ञानिक युग में देश विदेश में बड़ी संख्या में लोग हैं, जो इन शास्त्रों के ज्ञान पर भरोसा रखते हैं, पर किसी के साथ तंत्रमंत्र जुड़ जाने से इन शास्त्रों के प्रति शंका की दृष्टि भी जुड़ गई है। कोई कहता है कुंडली मिलाई थी फिर भी तलाक हो गया। कोई कहता है हम तो इस चक्कर में पड़े नहीं। अपने कर्म भाग्य पर भरोसा रखा, घर में सुख शांति है। हमारा ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, सगुन विचार आदि शुद्ध वैज्ञानिक ज्ञान पर आधारित ही नहीं अपितु स्वयंसिद्ध हैं। अतः जिन्हें विश्वास ना हो या भ्रम की अवस्था में हों तो उन्हें इस अंक का प्रत्येक पन्ना पढ़ना चाहिए। इसमें कोई शुल्क नहीं लगेगा। मानना या न मानना अपने विवेक से विचार करें। श्री माहेश्वरी टाईम्स के संपादकद्वय श्री पुष्करजी और सरिताजी ने समाज के तज्ञ लोगों की जानकारी उपलब्ध कराई वह भी एक अनुठा कार्य किया है। उनकी लगन, परिश्रम और ज्ञान सृजन की शक्ति को प्रणाम करता हूँ। पूरी टीम का अभिनंदन करता हूँ।

- श्याम सुंदर टावरी, अमरावती

खरी-खरी

घटाटोप बरसात कहीं पर
कहीं धरा है प्यासी

कुछ मुखड़ों पर मुस्कानें हैं
कुछ पर छाई उदासी

नहीं नियंता दोषी इसमें
कर्म हमारे ही हैं

जिनके कारण आज प्रकृति
लगती हमको संत्रासी

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

नक्षत्र एवं राशि अनुरूप लगाये जाने वाले पेड़

आश्रय देते पेड़ है,
करते हमको प्यार।
नक्षत्रों के कोप को,
पेड़ करे निस्तार।।

महिमा गाएँ पेड़ की,
ज्यों नक्षत्र महान।
हैं समर्थ दोनों यहाँ,
रचते भाग्य विधान।।

पेड़ भौम पर रोपिए,
पालें नीर पिलाय।
नक्षत्रों को साध कर,
हमको रहें बचाय।।

पेड़ और नक्षत्र को,
समझें एक समान।
सेवा से मेवा मिले,
मिलें नित्य सम्मान।।

साभार..
श्री नवल-शारदा डागा
बी-314, हरि मार्ग, मालवीय नगर,
जयपुर - 302 017 (राज.)
9460142430, 9588226351

जब मन में जुनून हो और कुछ करने का हौसला हो तो किस तरह लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है, इसका पर्याय बन चुके हैं, उज्जैन निवासी गौरव मालपानी। मात्र 3 माह पूर्व प्रारम्भ उनकी संस्था ''पर्यावरण प्रेमी परिवार'' वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण के एक अभियान का रूप ले चुकी है।

पर्यावरण प्रेमी परिवार के संस्थापक
गौरव मालपानी

उज्जैन शहर में स्वयंसेवी संस्था ''पर्यावरण प्रेमी परिवार'' न सिर्फ पौधारोपण कर शहर को हरा भरा करने में जुटी है, अपितु पेड़-पौधों की रक्षा में भी योगदान दे रही है। 8 वर्ष के बच्चे से लेकर 95 वर्ष के वयोवृद्धों वाले इस परिवार की पहचान ही धीरे-धीरे नाम के अनुरूप ''पर्यावरण प्रेमी'' ही बन गई है। मात्र 3 माह पूर्व 11-12 सदस्यों के साथ प्रारम्भ इस संस्था से अब तक 22 पर्यावरण प्रेमी तन-मन-धन से जुड़ चुके हैं और अब तक उनकी संस्था 1100 से अधिक पौधों का न सिर्फ रोपण कर चुकी है, बल्कि उनकी नियमित रूप से पूरी तरह देखरेख भी कर रही है।

कोरोना काल में मिली प्रेरणा

श्री मालपानी का जन्म 25 दिसम्बर 1984 को मंदसौर जिला (म.प्र.) के छोटे से ग्राम गर्रावद में राजेंद्र कुमार मालपानी व पुष्पा मालपानी के यहाँ हुआ था। लगभग 26 वर्ष पूर्व जब श्री मालपानी 8वीं कक्षा में अध्ययनरत थे, तभी से उनका परिवार उज्जैन में स्थापित हो गया। वैसे तो श्री मालपानी ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है, लेकिन कक्षा 10वीं में अध्ययन करते हुए ही वे अपने पारिवारिक इलेक्ट्रिक व सेनेटरी व्यवसाय से सम्बद्ध हो गये। वर्तमान में पिताजी के मार्गदर्शन में यह व्यवसाय होलसेल के रूप में सुस्थापित हो चुका है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान जब ऑक्सीजन की कमी से लोगों को दम तोड़ते हुए देखा तो श्री मालपानी ने अपनी तमाम व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कुछ करने का बीड़ा उठा लिया। उनकी इसी सोच ने उनसे 3 माह पूर्व संस्था ''पर्यावरण प्रेमी परिवार'' की स्थापना उनके मित्रों के साथ मिलकर करवा दी।

ऐसे काम करती है उनकी संस्था

पर्यावरण प्रेमी परिवार से वर्तमान में न सिर्फ 22 सदस्य बल्कि उनके पूरे परिवार ही सम्बद्ध हैं। शुरूआत तो मात्र 15 पौधों के रोपण से हुई थी, लेकिन वर्तमान में उनका संगठन हर रविवार को 101 पौधों का न सिर्फ रोपण करता है, बल्कि उनकी देखरेख भी करता है। इसमें लागत व समय को कम करने के लिए उन्होंने आधुनिक मशीनों की व्यवस्था भी की है। गड्ढे खोदने के लिए सेमीऑटोमेटिक मशीन है। वहीं किसी भी प्रकार की कटिंग के लिए डीसी कटर है। नतीजा यह है कि अब मात्र 22 मिनिट में गड्ढे खोदकर 101 पौधे रोपित भी कर दिये जाते हैं। अन्य समाजसेवी संस्थाओं को इसी उद्देश्य से वे अपनी ये मशीन प्रदान भी कर देते हैं। गत 15 अगस्त तक उनकी टीम 1100 से अधिक पौधे रोप चुकी है।

लोहे के ट्री गार्ड का उपयोग नही

श्री मालपानी का संगठन रोपे गये पौधों की सुरक्षा के लिये लोहे के ट्री गार्ड न लगाकर बांस की चिपटों व सुतली से पौधों के आसपास सुरक्षा की व्यवस्था करता है। इसके पीछे श्री मालपानी कारण बताते हैं कि जब पौधे बड़े होकर पेड़ का रूप लेते हैं, तो लोहे के ट्री गार्ड उसके तने में फंसकर उसे नुकसान पहुँचाते हैं। अतः इनका उपयोग या तो करें नहीं और करना पड़े तो जैसे ही पौधे बड़े होने लगे समय पर इन्हें निकाल दें। श्री मालपानी की टीम अपने डीसी कटर द्वारा ऐसे कई पेड़ों के ट्री गार्ड काटकर उन्हें जीवनदान भी दे चुकी हैं, जिनके तने में ये फंस गये थे।

परिवार भी अभियान में साथ-साथ

उनके इस अभियान से श्री मालपानी सहित उनके सभी साथियों के परिवार भी जुड़े हुए हैं। श्री मालपानी के साथ-साथ उनके माता-पिता, पत्नी पूजा मालपानी, अनुज, सौरभ एवं विधि मालपानी सहित इनके चारों बच्चे भी इस अभियान में सहयोग देते हैं। इसके अंतर्गत फलदार, छांवदार तथा औषधीय पौधों का नर्सरी से खरीदकर रोपण होता है लेकिन पौधों की कमी न हो इसके लिये श्री मालपानी अपने मकान की छत पर भी आम एवं नीम के पौधे तैयार कर रहे हैं। इसके लिये वे आम की गुठलियाँ एकत्र कर उन्हें नर्सरी की तरह बो कर पौधे तैयार करते हैं। वर्तमान में उनके मकान की छत पर लगभग 250 से अधिक आम के पौधे तैयार हो चुके हैं। पौधों के रोपण के समय उनकी टीम माईक, स्पीकर के साथ पौधों को भजन भी सुनाती है, जिससे उनकी वृद्धि ठीक से हो। इस कार्य में समाज बंधु नितेश कासट, मुकेश जावंधिया, कमलेश जावंधिया, मयूर सारडा, पुनीत माहेश्वरी, आनंद राठी एवं राजीव माहेश्वरी आदि का तन मन धन से सहयोग रहता है।

आर्थिक उन्नति तो आवश्यक है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर नहीं। इसी सोच के साथ जियोलाइफ समूह की स्थापना कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हुए उद्योग जगत के शिखर की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, मुंबई निवासी जियोलाइफ ग्रुप के सीएमडी विनोद कुमार लाहोटी। पर्यावरण सरंक्षण के साथ-साथ उनके व्यवसाय का सूत्र है ''ऑर्गेनिक सोचें, ऑर्गेनिक उगाऐं और ऑर्गेनिक खाएं।''

व्यवसाय किया पर्यावरण को समर्पित

विनोद कुमार लाहोटी

जियोलाइफ की आज देश के 22 राज्यों में मजबूत उपस्थिति है। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी कंपनी तेजी से आगे बढ़ी है। जियोलाइफ को एग्रीकल्चर रेवोल्यूशन में एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा बायो इनपुट्स 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ कंपनी के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। जियोलाइफ ने विभिन्न महाद्वीपों की कंपनियों के साथ गठजोड़ किया है। उनके योगदान को देखते हुए श्री लाहोटी को 2017 में भारत ज्योति पुरस्कार संयुक्त राज्य अमेरिका में समुदाय में योगदान के लिए सबसे प्रभावशाली ''ग्रामीण विपणन पुरस्कार'' और मान्यता 2014 और अन्य अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से व्यावसायिक सफलता प्राप्त करने और सामाजिक कल्याण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। वर्तमान में श्री लाहोटी जियोलाइफ एग्रीटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लीड क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड निदेशक, जियोलाइफ टेक्नोलॉजि प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, रेविड कृषि रसायन के निदेशक सहित द फ़ार्म पीपल को भी निदेशक के रूप में नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

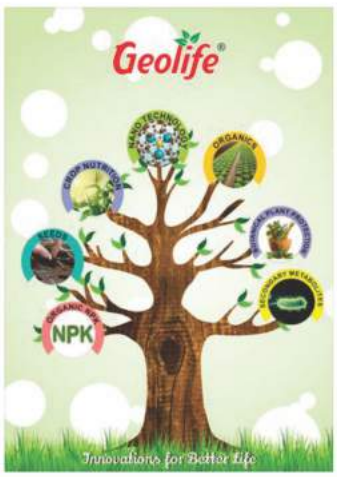

ऐसे हुई जियोलाईफ की शुरुआत

जिओलाइफ ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विनोद कुमार लाहोटी ने अपने कार्यकारी एमबीए को पूरा करते हुए व्यवसाय में कदम रखा और अवशेष मुक्त खेती और जैविक खाद्य प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने का एक रास्ता बनाया। भारत में ही नहीं जिओलाइफ ग्रुप ने श्री लाहोटी के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न देशों में भी अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। निर्णय लेने में जवाबदेह होने, लक्ष्यों को पूरा करने और उच्च गुणवत्ता वाले परिणाम प्राप्त करने के अपने कौशल के साथ-साथ कई कार्यों को प्राथमिकता देने और प्रभावी ढंग से निपटाने की उनकी क्षमता ने उनके व्यापार उद्यम को सबसे तेजी से बढ़ती ''एग्रो नैनो टेक्नोलॉजी कंपनी'' में बदल दिया। उनकी अनुभवी

टीम हर कदम पर पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की रेंज लाने का प्रयास करती है और इस तरह आज हरियाली और कल को हरा-भरा बनाने में योगदान देती है। कंपनी की पंच लाइन है ''ऑर्गेनिक सोचें, ऑर्गेनिक उगाऐं और ऑर्गेनिक खाएं।''

कम्पनी के स्वयं के रिसर्च सेन्टर

श्री लाहोटी अवशेष मुक्त अनाज प्राप्त करने के लिए जैविक आदानों को बढ़ावा देने में दृढ़ विश्वास रखते हैं और इसलिए जैविक साधनों के माध्यम से पैदावार बढ़ाना ही लक्ष्य बनाया। इसे सफल बनाने और सस्ती कीमत पर परिणाम उन्मुख जैविक उत्पाद और समाधान प्रदान करने के लिए उन्होंने उच्च योग्यताधारी वैज्ञानिकों के साथ नैनोटेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी के लिए इन हाउस रिसर्च सेंटर की स्थापना की है जो उनके विजन को परिणाम देने के लिए उनकी व्यक्तिगत देखरेख में काम करते हैं। उन्होंने जियोलाइफ रिसर्च फार्म की भी स्थापना की, जहां अनुसंधान केंद्र में इनोवेशन टीम द्वारा विकसित सभी उत्पादों को विभिन्न फसलों पर व्यावसायीकरण करने से पहले कुशलता से जांचने के लिए व्यावहारिक रूप से आजमाया जाता है। जियोलाइफ रिसर्च फार्म उत्पादों की दक्षता की निगरानी के लिए उनके पास विभिन्न धाराओं के वैज्ञानिकों की टीम भी है। हर एक उत्पाद को फील्ड परीक्षण की श्रृंखला के बाद जीआरएफ टीम द्वारा अनुमोदन दिया जाता है।

समाजसेवा में भी योगदान

श्री लाहोटी ने समाज को वापस देने के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से जियोलाइफ फाउंडेशन नाम से धर्मार्थ ट्रस्ट की शुरुआत की। रक्तदान शिविर में वे कहते हैं, आपको जीवन बचाने के लिए डॉक्टर होने की आवश्यकता नहीं है। स्वर्गीय ओम प्रकाश लाहोटी की प्रेममयी स्मृति में हर साल 300 टीम सदस्यों और 3000 वितरकों के माध्यम से पूरे भारत में रक्तदान अभियान का आयोजन किया जाता है। जियोलाइफ में फ्रेंडशिप डे को एक नया अर्थ दिया गया है। इसे वे पूरे भारत में और विश्व स्तर पर टीम के सदस्यों, वितरकों, दोस्तों और परिवार के सदस्यों के माध्यम से वृक्षारोपण दिवस के रूप में मनाते हैं। उनका मानना है, हमारे जाने के बाद भी हमारे दोस्त पेड़ दूसरों के जीवन में ईंधन भरते रहेंगे। जियोलाइफ यूथ क्लब 14-20 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों को शिक्षा मार्गदर्शन और इच्छुक छात्रों के लिए करियर परामर्श सत्र और प्लेसमेंट में सहायता करने जैसा कार्य कर रहा है।

अपनों की मदद को सदैव तत्पर

श्री लाहोटी नवोदित व्यावसायिक उद्यमियों के लिए वास्तव में एक प्रेरणा हैं क्योंकि हर कोई न केवल व्यवसाय की बारीकियाँ उनसे सीख सकता है, बल्कि उनसे व्यक्तिगत पेशेवर और सामाजिक जीवन के बीच एक सही संतुलन बनाने का प्रबंधन भी अच्छी तरह से सीखने लायक है। कंपनी मूल्य आधारित संगठन और लाइफ टाइम संबंध बनाने के उनके दर्शन पर काम करती है। विभिन्न व्यवसायों में खुद को व्यस्त रखने के अलावा श्री लाहोटी सामाजिकता में भी रुचि रखते हैं। वे परिवार, दोस्तों, समुदाय और राजनीतिक रूप से बहुत अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। उनका कहना है कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए एक नेता के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और पेशेवर जीवन को संतुलित करना बेहद महत्वपूर्ण है। सामाजिक सरोकार के अंतर्गत अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद श्री लोहोटी माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल, अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन, श्री आदित्य विक्रम बिरला स्मारक व्यापार सहयोग केंद्र, बॉम्बे चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नेशनल सीड एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पेस्टिसाइड्स मैन्युफैक्चरर्स एंड फॉर्म्युलेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, एशियन एक्सपोर्टर्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, भारतीय उर्वरक संघ आदि से भी सम्बद्ध होकर अपना योगदान दे रहे हैं। ■

गौ माता आदिकाल से भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण की प्रमुख केंद्रीय धूरी रही है। यही कारण है कि हमेशा से गौ सेवा को हमारे यहाँ महत्व दिया गया है। वर्तमान में इसे एक आंदोलन का रूप देकर हर वर्ग तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं, जलगांव (खानदेश) निवासी गौसेवावृती एडव्होकेट विजय काबरा

गौ सेवा का बनाया आंदोलन
विजय काबरा

जलगांव (खानदेश) के गौसेवक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता विजय सूरजमल काबरा गौसेवा के माध्यम से विभिन्न धर्मों को जोड़ने का कार्य पिछले तेरह साल से कर रहे हैं। वर्ष 2009 में उन्होंने शहर में ''सामूहिक गौसेवा-एक अनुष्ठान'' नाम से जो आंदोलन शुरू किया था, वह अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। पूरे भारत में जलगांव गौसेवा के लिऐ अपवाद है, जहां पर गौसेवा करने वाले सभी धर्म के लोग है। श्री काबरा ने केंद्र सरकार से अपील की है कि देश में गौहत्या पर पाबंदी लगानी चाहिए।

सभी वर्गों का मिला साथ

पहले काबरा अकेले ही यहां पांजरा पोल स्थित गौशाला में गायों की सेवा करते थे। बाद में उनके द्वारा चलाया गया गायों की सेवा का अभियान कब आंदोलन बन गया, यह उन्हें भी पता नहीं चला। ''मैं तो अकेला ही चला था जानिये मंजिलें, मगर लोग मिलते चले गये और कारवां बढ़ता गया'' की तर्ज पर काबरा के साथ कई धर्म के लोगों ने भी गौसेवा शुरू कर दी। उन्होंने जब शहर तथा जिले वासियों से गायों की सेवा का आह्वान किया तो हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी से लेकर कई जाति, धर्मों और पंथ के लोगों ने पांजरा पोल गौशाला में गायों की सेवा की। मारवाड़ी माहेश्वरी, ब्राह्मण, जैन, अग्रवाल, दसा-बीसा, ओसवाल, कच्छी गुजराती, तेली, ताम्बोली, सोनार, पांचाल, आदि समाज के युवक-युवतियों, समाजसेवी, बुजुर्ग और महिला पुरूषों ने गौशाला पहुंच कर समय-समय पर गायों की सेवा की। रमजान और मोहर्रम के पवित्र मौकों पर मुस्लिम, बोहरा समाज के सैकड़ों लोगों ने पांजरा पोल में गायों की सेवा की और इसके बाद ही रोजे छोड़े तथा ईद मनाई।

गौहत्या के खिलाफ जनजागरण

श्री काबरा का कहना है कि गौहत्या का कलंक हमारे देश से मिटना चाहिए। ऋषि-मुनियों, आचार्यों, लाखों संत महात्माओं, महापुरूषों, विद्वानों और गोभक्तों ने गौहत्या रुकवाने के लिए प्रयास किए और आंदोलन किए। कई लोगों ने तो अपनी जान तक दे दी है। इसके बावजूद आज तक गौहत्या पर रोक नहीं लगी। उनके मुताबिक जब तक गौहत्या

नहीं रुकेगी, देश कभी समृद्ध नहीं होगा। शहर में ईसाई भाइयों ने क्रिसमस मनाने की जोरदार तैयारियां शुरू की तो अधिवक्ता श्री काबरा ईसाई भाइयों से मिले और उनसे इसे पर्व पर गायों की सेवा करने की गुजारिश की। श्री काबरा के अनुरोध पर सेंट अलायंस चर्च के फादर जगदीश यलवी, ईसाई भाइयों के साथ पांजरा पोल आए और गायों की सेवा की।

हर पर्व गौ माता के साथ

राष्ट्रीय त्यौहार-उत्सव, महापुरूषों की जयंती, पुण्यतिथि, ईद, दीवाली, नवरात्रि सहित विशेष आयोजनों के दौरान भी श्री काबरा लोगों से गौसेवा का आह्वान करते हैं। इसके चलते कई लोग गायों की सेवा करते आ रहे हैं। शहर के उद्योगपति, व्यापारी, समाजसेवी, विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सक, इंजीनियर केमिस्ट, सीए, रोटरी और लायंस क्लब, नेता, अभिनेता और खिलाड़ियों से भी श्री काबरा ने गायों की सेवा करवाई है। उनके इस कार्य की जानकारी जिला मजिस्ट्रेट और न्यायमूर्ति को लगी तो वे भी कई अधिवक्ता और अफसरों के साथ गायों की सेवा करने पहुंच गए। उनके के आह्वान पर कई लोग आए दिन पांजरा पोल गौशाला पहुंच कर देसी गायों को हरा चारा, गुड़ से बनी लापसी, चना दाल, सरकी, ढेप आदि खिलाते हैं। श्री काबरा गाय का महत्व, गायों की पवित्रता, गौमूत्र, गोबर आदि के महत्व के बारे में सभी को अवगत भी कराते हैं। माहेश्वरी समाज जलगांव के समाजजन परिवार सहित प्रति रविवार पांजरापोल में लापसी के लड्डू बनाकर गौ माता की सेवा कई वर्षो से सेवा कर रहे है।

गौमूत्र और गोबर से प्रदूषण हो सकता है दूर

पर्यावरणविद् विजय काबरा पर्यावरण की रक्षा करने में गाय के गोबर और गौमूत्र को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हैं। उनके मुताबिक गौमूत्र और गोबर मात्र से ही समस्त राष्ट्र का प्रदूषण दूर किया जा सकता है। वह कहते हैं कि गौसेवा से विरक्त होने से ही भारत की स्थिति दयनीय होती जा रही है। उन्होंने सरकार से देश में गौहत्या पर पाबंदी लगाने तथा गायों के पालन पोषण के लिए राशि मंजूर करने की भी मांग की। उनका मानना है कि हर किसान के पास अनिवार्य रूप से गाय होना चाहिए। श्री काबरा चाहते हैं कि जलगांव में उनके द्वारा शुरू हुआ गौसेवा का अनुष्ठान महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश में शुरू होना चाहिए। इस संदर्भ में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए

लगभग 4 वर्ष पूर्व योग के क्षेत्र में 'योग नृत्य' नाम ही नहीं था लेकिन वर्तमान में यह योग की एक विधा के रूप में हर किसी की जुबान पर चढ़कर बोल रहा है। आपको यह जानकर गर्व होगा कि योग की नयी विधा के रूप में योगनृत्य की सौगात देने का श्रेय भी माहेश्वरी समाज के ही चंद्रपुर (महा.) निवासी योग गुरू गोपाल मूंदड़ा को जाता है।

CA दामोदर सारड़ा, चंद्रपुर

योग नृत्य के सौगातदाता

गोपाल मूंदड़ा

भगवान शिव को विश्व का महानतम् नृत्यकार के साथ ही महायोगी भी माना गया है। इन दोनों विशेषताओं का एकात्म यह संकेत देता है कि दोनों का परस्पर विशिष्ट सम्बंध है। बस इसी सोच ने चंद्रपूर निवासी योग गुरु गोपाल मूंदड़ा को प्रेरित किया और उनसे ''योग नृत्य'' की शुरूआत करवा दी। वर्तमान में विदर्भ के नागपुर के हर पार्क में संगीत की धुन पर ''योग नृत्य'' झूमते लोग नजर आ जाऐंगे। यू ट्यूब पर भी इस योग के विडियो बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो हर किसी के प्रशिक्षण के लिये पर्याप्त हैं। प्रत्यक्ष रूप से नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिये भी उनकी टीम आमंत्रण पर देश के किसी भी शहर में जाती है और प्रशिक्षक भी तैयार करती है।

खेल से रहा सदा जुड़ाव

श्री मूंदडा का जन्म 21 नवम्बर 1968 को अमरावती में श्री गंगाबिशन व श्रीमती गीता मूंदड़ा के यहां हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से ग्राम मुंदयाल जिला नागौर (राज.) का मूल निवासी रहा हैं। लगभग 150 वर्ष पूर्व उनके पूर्वज अमरावती आ गये थे। श्री मूंदड़ा मात्र कक्षा 10वीं तक शिक्षा ग्रहण करके ही प्रापर्टी व्यवसाय से सम्बद्ध हो गये थे। बचपन से कबड्डी के अच्छे खिलाड़ी रहे व जिला से विदर्भ स्तर तक खेले तथा कोच के रूप में भी सेवा दी। बस इसी शौक ने स्वास्थ्य जागरूकता के कारण उन्हें सिर्फ व्यवसाय जगत की ओर कभी भी सीमित नहीं होने दिया।

फिर बढ़े योग की ओर कदम

उनका खिलाड़ी मन वर्ष 2007 में उन्हें योग की ओर ले गया तथा वे पतंजलि योग पीठ की संस्था ''भारत स्वाभिमान'' से सम्बद्ध हो गये। वर्ष 2009 से 2017 तक लगातार इस संस्था के जिला प्रभारी रहे तथा शहर से लेकर गाँवों तक बड़ी संख्या में लोगों को इससे सम्बद्ध कर अन्य सेवा गतिविधियों के साथ ही पतंजलि के ''योग प्रशिक्षण शिविरों'' का आयोजन भी किया। वर्ष 2017 में संस्था में बढ़ते दिखावे व अनावश्यक व्यस्तता के कारण उन्होंने त्यागपत्र देकर जिम्मेदारी से मुक्ति प्राप्त कर ली।

ऐसे हुई योग नृत्य की शुरूआत

श्री मूंदड़ा ने योग नृत्य की शुरूआत वर्ष 2017 में की। श्री मूंदड़ा इसकी शुरूआत की कहानी सुनाते हुए बताते हैं कि एक दिन मैं समाज की संगीत संध्या के बाद बच्चों का सामूहिक डांस देख रहा था, सभी बच्चे और बड़े इस सामूहिक डांस का खूब आनंद ले रहे थे और थकने के बावजूद भी डांस करना बंद नहीं कर रहे थे। इस डांस को देखकर मेरे दिमाग में एक युक्ति सूझी कि क्यों न इसे योग से जोड़ दिया जाए और संगीत के माध्यम से प्रतिभागियों को नृत्य द्वारा योग की शिक्षा दी जाए। मैंने यह प्रस्ताव मेरे साथियों के सामने रखा और उन्होंने इसे स्वीकार करते हुए मुझे प्रोत्साहन दिया। बस फिर क्या था मैंने साथियों के माध्यम से आधे घंटे का एक मॉडल बनाया और धीरे-धीरे उसे शहर के विभिन्न बगीचे और योग शिविरों में प्रस्तुत किया। बहुत अल्प समय में ही लोग इससे जुड़ गए और यह एक कारवां बन गया।

पूरे देश में संस्था के केंद्र

श्री मूंधड़ा ने वर्ष 2017 में संस्था ''योग नृत्य परिवार'' की स्थापना की। देखते ही देखते यह नृत्य पूरे भारत में मशहूर हो गया। हर शहर, हर नगर, हर गांव में नृत्य के माध्यम से लोग अपने शरीर का ध्यान रखते हैं और कई रोगों से मुक्त हो रहे हैं। आज करीब-करीब इसके 1664 केंद्र भारत में चल रहे हैं। विदेशों में भी इसकी गूंज धीरे-धीरे हो रही है। यह नृत्य सभी केंद्रों पर निःशुल्क चल रहा है। यूट्यूब चैनल पर भी इसकी गूंज बहुत जबरदस्त है। इसके अलावा श्री मूंदड़ा ने कई रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया है। कोरोना काल में भी योग नृत्य के माध्यम से आम जनता की सेवा में तत्परता से काम कर रहे हैं।

क्या है योग नृत्य

श्री मूंदड़ा द्वारा प्रस्तुत इस ''योगा नृत्य'' में न सिर्फ कई प्रकार के योगा बल्कि स्वीमिंग, मॉर्निंग वॉक, झाड़ लगाना, हास्य योग आदि जैसी कई क्रियाऐं भी नृत्य के साथ शामिल रहती है। लगभग 30 मिनट के एक सत्र में वे इसके बीच स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी देते रहते हैं। यह सब मधुर संगीत की धुनों पर होता है। नृत्य संगीत से सम्बद्ध होने से न सिर्फ वयोवृद्ध बल्कि युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में इससे सम्बद्ध हो रहे हैं। कई स्कूल कॉलेजों में भी उनके शिविर आयोजित हो चुके हैं। इसे युवा वर्ग फीटनेस से जोड़कर देखता है, वहीं वयोवृद्ध स्वस्थ रहने का माध्यम।

कई बीमारियों से मुक्ति

श्री मूंदडा अपने अनुभव के आधार पर बताते हैं कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता उलटे चलना भी है, जिससे नवीन ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसकी विभिन्न मुद्राओं के कारण मोटापा व मधुमेह जैसी बीमारियों के इलाज में तो यह रामबाण सिद्ध हो ही रहा है, साथ ही हड्डियों से सम्बंधित विभिन्न रोग व जोड़ों के दर्द आदि से भी मुक्ति देता है। कोरोना काल में इम्युनिटी वृद्धि में भी योग नृत्य ने अहम भूमिका निभाई। सामान्यतः योग नृत्य से जुड़े किसी भी सदस्य के साथ इस दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई। स्वयं श्री मूंदड़ा इसके द्वारा कई स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्त हो चुके हैं। वर्तमान में श्री मूंदड़ा की धर्मपत्नी राधिका, पुत्र श्रवण व शिवम सभी उनके इसमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगी बने हुए हैं। श्रीमती मूंदड़ा समाजसेवा अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल चंद्रपूर की सचिव हैं, वहीं श्री मूंदडा भी माहेश्वरी युवा संगठन के जिला प्रभारी रह चुके हैं।

आप भी बन सकते है सहयोगी

श्री मूंदड़ा का कहना है कि स्वस्थ तन और संतुलित मन ही जीवन की सच्ची पूंजी है। समाज के हर व्यक्ति से अनुरोध है कि इस वास्तविक पूंजी की तरफ समय रहते ध्यान देवें, अपना और अपनों का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए योग नृत्य नियमित रूप से करें एवं अन्यों को भी प्रेरित करें। माहेश्वरी समाज संगठन सम्पर्क कर योग नृत्य के निःशुल्क शिविर आयोजित कर मानवता की सेवा कर सकते है। इसके लिये योग नृत्य परिवार निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षक भी तैयार करता है। यूट्यूब चेनल पर योग नृत्य परिवार का चेनल देखकर आप घर में ही योग नृत्य कर सकते हैं।

गोपाल गंगाबिशन जी मूंदड़ा सम्पर्क : 94234-18019

पर्यावरण संरक्षण को समर्पित नागपुर की संस्था

तेजस्विनी महिला मंच

पाश्चात्य संस्कृति इस कदर हावी हो रही है कि हम भारतीय अपनी सुंदर प्रथाओं को भूल चले है। हमारे हर रिवाज तथ्यपूर्ण होने के साथ ही पर्यावरण पूरक भी होते हैं। अपनी परम्परायें जो आधुनिकता के बोझ में कही गुम हो गई है ऐसी अनूठी परंपराओं के प्रचार-प्रसार के साथ उनकी उपयोगिता जन जन तक पहुंचाने का तथा पर्यावरण को सहेजने का कार्य नागपुर महाराष्ट्र की महिलाओं का संगठन तेजस्विनी महिला मंच द्वारा किया जा रहा है। माहेश्वरी महिलाओं द्वारा संगठित यह मंच ''संस्कृति का करे रक्षण-स्वच्छ, सुरक्षित हो पर्यावरण'' इस मंत्र को लेकर अपने कार्य संपादित कर रहा है।

पौधारोपण से मनता है जन्मदिन

हर व्यक्ति के लिये उसका जन्मदिन विशेष दिन होता है। हमारी संस्कृति के अनुसार सूर्योदय से दिन का शुभारंभ होता है मध्य रात्रि को जन्मदिन मनाने वाली हमारी संस्कृति नही है। इस मंच द्वारा अपनी हर सखि का जन्मदिन विशेष रूप से मनाया जाता है। जिस सखि का जन्मदिन होता है उसके घर सुबह सभी सखिया जाती है। चौरंग पर उसे बैठा कर तिलक लगाया जाता है मौली बांधी जाती है। मुँह मीठा करवाया जाता है। आरती उतारी जाती सभी सखिया सुंदर शुभकामनाओं के साथ गुलाब की पंखुड़ियों उस पर बरसाती है। तत्पश्चात उसके हाथों एक पौधे का रोपण किया जाता है। इन शुभ पंक्तियों के साथ यह उत्सव मनाया जाता है।

सुदिनं सुदिनं जन्मदिनं तव, भवतु मंगलम जन्मदिनं....।

परिवार भी अभियान में साथ-साथ

इस तरह दुआएं मिले, आशीर्वाद मिले तो कौन प्रसन्न नही होगा। जिसका जन्मदिन है उसके साथ परिवार के सभी सदस्य भी प्रफुल्लित हो जाते है। केक काटना, मोमबत्ती जला कर बुझाना हमारी संस्कृति नही है। हम दीप जलाकर अपने जन्मदिन की शुभ शुरुआत करते है। पञ्चतत्व आकाश, जल, पृथ्वी, वायु और अग्नि का समिश्रण यानी मनुष्य। इन्ही पांच तत्वों को सम्मिलित कर इस तरह जन्मदिन मनाया जाता है कि प्रत्येक के जीवन को न केवल आनंदित कर देता है बल्कि सद्कार्यों की ओर भी प्रेरित करता है। इस मंच के कार्यो की संकल्पना को किरण मुंदड़ा, कल्पना मोहता, अंजू मंत्री, सोनल चांडक, शीतल मूंधड़ा, सुषमा बंग, हेमा बंग, विद्या जाजू, संध्या सोनी, अनीता भट्टड़, बीना बंग, निशी सावल, संगीता मंत्री, पूजा राठी, राजश्री भैया, संगीता भट्टड़, सरयू चांडक, वीना गट्टाणी, दीप्ति सावल, पूनम झंवर, भावना नबीरा आदि कई सखिया मूर्त रूप देती हैं।

श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज इंदौर से जुड़े सैकड़ों परिवार ने ''एक परिवार एक पेड़'' के सूत्र का अनुसरण करते हुए क्षेत्र को सैकड़ों पेड़ों की सौगात देते हुए समाज को गौरवान्वित किया है। इस सूत्र के सूत्रधार हैं, रूपेश भूतड़ा, जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण ऑक्सीजन की कमी से जूझते लोगों को देखा तो प्राकृतिक रूप से ही सतत ऑक्सीजन प्राप्ति का मार्ग खोज निकाला, वही है यह अभियान ''एक परिवार एक पेड़''।

''एक परिवार एक पेड़'' के सूत्रधार
रूपेश भूतड़ा

इंदौर में स्कीम नं. 71 निवासी रूपेश भतड़ा वैसे तो व्यावसायिक रूप से पत्रकार हैं और समाजसेवा के क्षेत्र में श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज इंदौर के अध्यक्ष लेकिन उनकी पहचान बन चुका है, अभियान ''एक परिवार एक पेड़''। इस अभियान ने पूरे क्षेत्र को हरा भरा बनाने में ऐसा योगदान दिया कि न सिर्फ माहेश्वरी समाज बल्कि शहर भर में उनकी तरह इस संगठन की पहचान ही यह अभियान बन गया जिसका अनुसरण अब अन्य समाज भी करना चाहते हैं।

ऐसे प्रारम्भ हुआ अभियान

श्री भूतड़ा समाजसेवा के क्षेत्र में श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज इंदौर सहित कई समाजसेवी संगठनों से सम्बद्ध होकर मानवता की सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। इन्हीं सेवाओं से सम्बद्ध रहते कोरोना महामारी की प्रथम व उसके बाद दूसरी लहर से जूझते रोगियों को देखा। इसमें दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी से तड़पते रोगियों को देखकर मन व्याकुल हो गया। इसी व्याकुलता ने प्राकृतिक रूप से ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिये वृक्षारोपण द्वारा ''एक परिवार एक पेड़'' अभियान प्रारम्भ करने के लिये प्रेरित किया। लक्ष्य था, प्राकृतिक रूप से ही वातावरण में ऑक्सीजन की इतनी प्रचुरता कर देना, जिससे कृत्रिम ऑक्सीजन की जरूरत ही न पड़े।

शीघ्र ही कारवां बन गया

श्री भूतड़ा ने श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज इंदौर के माध्यम से इस अभियान की गत ''महेश नवमी 2021'' को अत्यंत लघु रूप में शुरूआत की लेकिन शीघ्र ही यह पूरे समाज का अभियान बन गया। वर्तमान में इससे क्षेत्र, जिला और अन्य संगठन मिल कर लगभग 500 परिवार जुड़े हुए हैं। अभी तक फूठीकोठी रोड से राऊ रोड, फूटी कोठी से राजेंद्र नगर रोड, सिरपुर तालाब एरिया,लगभग 20 गार्डन में, राऊ महेश्वर रोड पर नेमावर रोड एवं तिल्लोर क्षेत्र में अभी तक लगभग 1000 पौधो और लगभग 1000 सीड्स बाल का रोपण हो चुका है। इन पौधो की देखभाल उनकी पूरी टीम मिलकर करती है। इसके पॉजिटिव रिजल्ट भी मिले है और उनके लगाए सभी पौधे अभी फल-फूल रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक व पार्षद आदि जनप्रतिनिधि भी इनमें सहयोगी बने हुए हैं।

पूरी टीम का इसमें साथ

इसमें उनकी पूरी टीम मिलकर काम करती है। रोजाना सुबह जल्दी उठ कर पौधारोपण का कार्य शुरू करते हैं और नित्य 3 घंटे इसे करते हुये फिर अपने कार्य पर चले जाते हैं। साथ ही हर तीसरे दिन पौधों को पानी भी डालना होता है। इन्हें सीधा रखने के लिये लाइट लकड़ी का सपोर्ट देना भी नहीं भूलते। इसके अंतर्गत नीम, पीपल, आम, जामुन, कदम्ब, बिलपत्र सहित कई प्रकार के पेड़ रोपे गए जिनसे भरपूर मात्रा में ऑक्सिजन मिलती रहे। इस टीम के अनिल लड्ढा, कैलाश जाजू, रजत लड्ढा, संतोष बेड़िया, दिलीप तापड़िया ने विभिन्न टीम बना कर कार्य करना प्रारंभ किया। जिसे अशोक भदादा, महेश बल्दवा, महेश काकानी, विमल बांगड़, प्रदीप बाहेती, प्रदीप जाखेटिया, अश्विन गिलड़ा, विजय हुरकट, अनिल मंत्री, प्रेमनारायण जेठा, डॉ. प्रवीण काबरा, मनोहर भूतड़ा, भोमराज भट्टर, प्रकाश राठी, गिरिराज सोमानी, ओम सोमानी, ब्रजकिशोर बांगड़, नवीन मूंदड़ा, गोविंद माहेश्वरी, सचिन पसारी, अविनाश जेठा, ओम मूंदड़ा, राजेश बिरला, गोपाल एम मांधनिया, नितिन मंडोरा, मुकेश मंत्री, रमेश चांडक, मोहन मूंदड़ा, पवन सोमानी, नमन तापड़िया, डॉ. दीप्ति भूतड़ा, सुधा मूंदड़ा, ज्योति सोमानी, सीमा बेड़िया, मोनिका लड्ढा, रुकमणी बाहेती, शिखा हुरकट, रैना लखोटिया, सपना गिलड़ा, शशि कला बांगड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन सहयोग देकर पूर्ण कर रहे हैं। ■

वर्ष में एक बार आने वाला पर्व ''सोलह श्राद्ध''वास्तव में पितरों के प्रति ''श्रद्धा'' की अभिव्यक्ति का पर्व है। इससे न सिर्फ उनकी आत्मिक शांति होती है, बल्कि उनके आशीर्वाद से श्राद्धकर्ता की मनोकामना भी पूर्ण होती है।

''श्रद्धा'' का पर्व है पितृ श्राद्ध

पं. सोहन भट्ट, उज्जैन

सनातन संस्कृति के धर्मप्राण ग्रंथ वेद हैं। वेदों में यद्यपि कर्मकाण्ड, उपासना काण्ड तथा ज्ञानकाण्ड तीनों का वर्णन मिलता है। तथापि इनमें मुख्य स्थान कर्मकाण्ड को ही प्राप्त है। कर्मकाण्ड के अंतर्गत ही वेदोंक्त विविध यज्ञों की अनुष्ठान पद्धतियाँ हैं, जिनमें 'पितृयज्ञ' का भी महत्त्वपूर्ण वर्णन किया गया है। इस पितृयज्ञ का अन्य नाम है-श्राद्ध। अर्थात् पितृयज्ञ 'श्राद्ध' शब्द का वाच्यार्थ हैं पिता-माता आदि पारिवारिक मनुष्यों की मृत्यु के बाद उनकी तृप्ति के लिये श्रद्धापूर्वक किये जानि वाले पिंडोंदकादि समस्त कार्य पितृयज्ञ अथवा श्राद्ध शब्द से व्यवहृत होते हैं। श्राद्ध की परिभाषा है-''श्रद्धया कृतं कर्मंश्राद्धम्' अर्थात् पितरों को उद्देश्य करके श्रद्धापूर्वक की जाने वाली तर्पण, पिण्डदानादि क्रिया श्राद्ध कहलाती है। यूँ तो शास्त्रों में छियानवें प्रकार के श्राद्धों का उल्लेख प्राप्त होता है-''षण्णवति श्राद्धानि''

मनोकामना सिद्धि का भी पर्व

प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक शास्त्रोक्त समस्त श्राद्धों को यथासमय करते रहना चाहिये। जो शास्त्रोक्त समस्त श्राद्धों को न कर सकें, उन्हें पितृपक्ष में अपने मृत पितृगण की मरण तिथि के दिन श्राद्ध करना चाहिये। पितृपक्ष के साथ पितरों का विशेष सम्बन्ध है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और अभिलषित वस्तुओं की प्राप्ति होती है।

पुत्रानायुस्तथारोग्यमैश्वर्यमतुलं तथा।
प्राप्नोति पञ्चमेकृत्वा श्राद्धं कामांश्च पुष्कलान्।

वहीं पितृपक्ष में पितृगण श्राद्ध न पाने पर निराश होकर दीर्घ श्वास त्याग करते हुए गृहस्थ को दारुण श्राप देकर पितृलोक में वापस चले जाते हैं-

वृश्चिके समनुप्राप्ते पितरो दैवतैः सह।
निःश्वस्य प्रतिगछन्ति शापं दत्वा सुदारुणम्॥

अतः निर्दिष्ट वचनों से स्पष्ट है कि श्राद्ध का फल केवल पितरों की तृप्ति ही नहीं, अपितु उससे श्राद्धकर्ता को भी विशिष्ट फल की प्राप्ति होती है। अतः द्विजातिमा को अपने परमाराध्य पितरों के श्राद्धकर्म द्वारा आध्यात्मिक आधिदैविक एवं आधिभौतिक उन्नति प्राप्त करनी चाहिये।

कब करें किनका श्राद्ध

पद्मपुराण पुष्कर खंड में लिखा है कि एकादशी व्रत के दिन श्राद्ध उपस्थित होने पर उस दिन को छोड़कर अगले दिन श्राद्ध करना चाहिए। माता-पिता अथवा पूर्वज के मृत्यु-दिवस पर एकादशी होने पर द्वादशी में श्राद्ध करना चाहिए। स्कंद पुराण में कहा गया है कि एकादशी व्रत नित्य है और श्राद्ध एक नैमित्तिक कार्य है। अतः जो नित्य है, उस एकादशी तिथि के दिन उपवासी रहकर द्वादशी को श्राद्ध का अनुष्ठान करना चाहिए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में लिखा है - हे राजन! एकादशी के दिन श्राद्ध करने से दाता, भोक्ता एवं पितर प्रेत योनी को या तीनों नरक को प्राप्त होते हैं। सुहागिन स्त्री का श्राद्ध पति के रहने तक नवमी को किये जाने का प्रावधान है, चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई हो। पति के स्वर्गवास पश्चात श्राद्ध मृत्यु तिथि को ही किया जाना चाहिए। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जायेगी। अप्राकृतिक मृत्यु वाले प्राणी (दुर्घटना, आत्महत्या, युद्ध) का श्राद्ध चौदस को ही होगा चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई है। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जाएगी।

कोरोना से हुऐ दिवंगत समाज बंधुओं को तर्पण कर श्री माहेश्वरी टाईम्स देगी श्रद्धांजलि

कोरोना महामारी की इस विभीषिका ने कई समाजजनों को भी असामयिक रूप से काल का ग्रास बना दिया। श्री माहेश्वरी टाईम्स ऐसे दिवंगत सामाजजनों की आत्मिक शांति के लिये ''सर्वपितृ अमावस्या'' पर भूतभावन भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में ''श्राद्ध तर्पण व पिंडदान'' का आयोजन करने जा रही है। उज्जैन, गया तीर्थ की तरह ही पितृ तर्पण के लिये अत्यंत पवित्र नगर है। यदि किन्हीं समाजजन के परिवार में किन्हीं परिजन का देहावसान कोरोना महामारी से हुआ है तो आप भी भेज सकते हैं पितृ का नाम, मृत्यु तिथि, गौत्र, उनके पूर्वजों का नाम आदि।

उक्त जानकारी smt.shraddhanjali@gmail.com पर ईमेल करें। श्री माहेश्वरी टाईम्स उनकी आत्मशांति के निमित्त श्राद्ध तर्पण करवाऐगी। इसमें आपकी प्रत्यक्ष उपस्थिति होने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

शमशान का नाम सुनते ही अंदर ही अंदर एक अजीब सिहरन होती है और स्वतः ही एक सन्नाटे की कल्पना हो जाती है। लेकिन यह कल्पना पंचमुखी मुक्तिधाम भीलवाड़ा के लिये सही नहीं है। यह तो कल्पना से परे प्राकृतिक सुंदरता से ओतप्रोत अत्यंत सुन्दर पर्यटन स्थल का रूप ले चुका है। इसके इस कायाकल्प का श्रेय जाता है, ख्यात पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू को।

पर्यटन स्थल में हुआ परिवर्तित
पंचमुखी मुक्तिधाम

भीलवाड़ा का पंचमुखी मुक्तिधाम एलपीजी शवदाह गृह, पुस्तकालय, योग क्लासेज, भक्ति संगीत, वाटर हार्वेस्टिंग आदि से युक्त होकर आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। भीलवाड़ा का यह मुक्तिधाम देश में अपनी अलग पहचान रखता है। पंचमुखी मुक्तिधाम परिसर देश का सम्भवतः एकमात्र सुरम्य, सुनियोजित एवं सर्वसाधन सुविधायुक्त श्मशान स्थल है जहां पहुंचकर शांति व सुकुन मिलता है। पंचमुखी मुक्तिधाम में हर तरफ हरियाली, लॉन, फुलवारी, दाह संस्कार में आने वाले आगन्तुकों के लिए बैठने की सुव्यवस्था, आर.ओ. प्लांट का शीतल पेयजल, 5000 पुस्तकों का पुस्तकालय, मधुर भक्ति संगीत व पेड़ बचाने के लिए एल.पी.जी. शवदाह गृह दाह संस्कार में शरीक होने वालों के नहाने के लिए गर्म पानीयुक्त आकर्षक व स्वच्छ स्नानघर तथा मूत्रालय है। उक्त मुक्तिधाम में प्रातः योगा क्लासेज, एक्सरसाइज, प्रातः भ्रमण के लिए भी अनेक स्त्री पुरूष व छात्र नियमित रूप से आते हैं।

ऐसे हुई कायाकल्प की शुरूआत

यूं तो श्मशान का सन्नाटा देखकर लोग डरते हैं किंतु पंचमुखी मुक्तिधाम में लोग यहां की हरियाली एवं स्वच्छता से मोहित होकर भ्रमण हेतु आते हैं। यह सब संभव हुआ भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू के अथक प्रयासों से। श्री जाजू के मन में वर्ष 2000 में पंचमुखी मुक्तिधाम को भयमुक्त बनाने का विचार आया किंतु श्मशान के नाम पर लोगों का साथ व सहयोग नहीं मिल पाया। वर्ष 2007 में पंचमुखी मुक्तिधाम विकास समिति का गठन उद्योगपति रामपाल सोनी की अध्यक्षता में हुआ, जिसके महासचिव श्री जाजू के मित्र तत्कालीन न्यास अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल बने। श्री जाजू ने पंचमुखी मुक्तिधाम समिति के सचिव के रूप में अपना कार्य प्रारंभ करते हुए सर्वप्रथम रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्री रामदयालजी महाराज, उदासीन आश्रम के महंत श्री हंसरामजी व अन्य संतो के आतिथ्य में पौधारोपण किया।

फिर सभी बने सहयोगी

जाजू के विशेष प्रयास से मुक्तिधाम की सफाई और हरियाली ने लोगों का मन मोहा व श्मशान को आर्थिक सहयोग भी आसानी से मिलता चला गया। नगर विकास न्यास व नगर परिषद भीलवाड़ा का निर्माण कार्यों में सहयोग मिलता रहा। इसकी रखरखाव व्यवस्था का खर्च लगभग 10 लाख रूपया सालाना है। यह भी भीलवाड़ा के उद्योगपतियों, समाजसेवियों, व्यापारियों से निरंतर मिलता रहा है। पंचमुखी मुक्तिधाम में स्वच्छता, हरियाली एवं सुरक्षा हेतु लगभग 11 सेवक कार्यरत हैं जो श्मशान भूमि को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

दान पर आयकर की छूट

पंचमुखी मुक्तिधाम विकास समिति में सभी समाज के व्यक्तियों का समावेश करते हुए आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत छूट हेतु भी समिति को अधिकृत करवाया गया। लगभग 12 बीघा क्षेत्रफल में फैले पंचमुखी मुक्तिधाम में वर्षा के जल संरक्षण हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगा रखा है जिससे जल की समस्या पूर्णतया समाप्त हो चुकी है। कोरोना महामारी के चलते अत्यधिक दाह-संस्कार होने से घर परिवार के लोगों के अस्थियां ले जाने के बाद बची हुई राख को गोबर में मिलाकर जैविक खाद भी तैयार की जो पौधों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में कारगर सिद्ध हो रही है। श्री जाजू ने बताया कि पंचमुखी मुक्तिधाम की रखरखाव व्यवस्था में सकारात्मक सहयोगी के रूप में वास्तुकार रतनलाल दरगड़, मोहनलाल कसारा, मुकेश अजमेरा, ओम सोनी, ईश्वर खोईवाल, शिवलाल डीडवानियां, विद्यासागर सुराणा, कैलाश त्रिवेदी, कृष्णगोपाल जाखेटिया

जल चाहिए तो सुरक्षित पौधे लगाईए।
पौधे चाहिए तो जल बचाईए।।

हम सब प्रकृति को दें अनुपम उपहार।
वृक्षारोपण कर करें धरती का श्रंगार।।

सोचो हम धरती से क्या-क्या पाएं।
हम सब जल संवर्धन को अपनाएं।।

लिखें पर्यावरण की नई इबारत।
पॉलिथिन मुक्त हो अपना भारत।।

कम उपयोग कागज का कीजे।
वृक्ष-वन को कटने मत दीजे।।

रासायनिक खाद से न फसल उपजाएँ।
जैविक खाद को हर कृषक अपनाएं।।

• कवि अशोक भाटी, उज्जैन

श्याम माहेश्वरी (पलौड़)
पूर्व अध्यक्ष-श्री माहेश्वरी सभा, उज्जैन
मोबा. 9407140020

सुनील पलौड़

विवेक माहेश्वरी

जय जय श्री राम की जय श्री गिरिराज धरण
रहे स्वच्छ मनोरम ही सदा धरती पे पर्यावरण

हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर कानून बने हुए हैं। ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई के लिये ''ग्रीन ट्रिब्यूनल'' तक हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है कि पर्यावरण के साथ खिलवाड़ हो ही नहीं सकता। लेकिन हकीकत यह है कि दिनोंदिन पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हरियाली बढ़ने की जगह लगातार कम होती जा रही है। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि पर्यावरण संरक्षण में मात्र कानून पर्याप्त हैं या अपर्याप्त? क्या इसमें आम व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी नहीं निभानी चाहिये? क्या सभी जिम्मेदारी सिर्फ न्यायालय पर छोड़ देना ही उचित है? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

पर्यावरण संरक्षण में मात्र कानून ही पर्याप्त?

कानून व जिम्मेदारी दोनों जरूरी

प्राकृतिक असंतुलन का अर्थ प्राकृतिक आपदाओं को न्यौता देना है। अतः पर्यावरण संरक्षण के लिये सरकारी कानून का सख्ती से पालन जरूरत है और हमारी जिम्मेदारी भी है। भारत सरकार की कोशिश रहती है कि हमारा देश हरा-भरा रहे। इसके लिए भिन्न-भिन्न योजनायें और कानून भी बनाये गए हैं लेकिन उनको सरकारी अफसरों द्वारा निष्पादित करना और जनता से कड़ाई के साथ अमल करवाने वाली बात दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि सभी सरकारी नियम-कानून कागजातों तक ही सीमित रह जाते हैं। दिनोंदिन बढ़ती जनसंख्या के कारण जंगल काटे जा रहे हैं। जानवरों के घर-घोसलों को उजाड़कर इंसान अपना घर बसाने में लगे हैं। जनसंख्या के अनुपात में खाद्यान्न की उपज भी नहीं हो रही है, जिसकी भरपाई जीवों-जंतुओं को इंसानों का भोजन बनकर करनी पड़ रही है। प्रकृति का संतुलन पूरी तरह से बिगड़ गया है और हम निरंतर किसी न किसी प्राकृतिक आपदा का शिकार बनते जा रहे हैं। सरकारी कानून व्यवस्था हमारी जिजीविषा के लिए ही बनी है। सरकार को इसे युद्धस्तरीय जन-जागृति अभियान चलाकर जन-जन तक पहुंचाना होगा। हम नागरिकों को भी कानूनन अमल करना आवश्यक है। मात्र वृक्षारोपण करके हम प्रकृति को हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते हैं। वृक्ष के फलने-फूलने और विकसित होने तक अपनी जिम्मेदारी को निभाना होगा। हम लोग दिखावे के लिए आये दिन अपनी सुविधानुसार किसी भी जगह पर पौधारोपण करके तस्वीरों के जरिये वाह-वाही लूटते हैं। इससे आत्मिक संतुष्टि नहीं होती है। एक जिम्मेदार नागरिक की भांति जीवनभर एक या दो पौधों का संरक्षण और पोषण करना उचित होगा ना कि वर्षभर अनगिनत पौधारोपण करना।

■ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

जन जन में जागृति हो

पर्यावरण संरक्षण के तहत वास्तविकता में कानून व्यवस्था की भूमिका से अधिक जनजागृति महत्व रखती है। पर्यावरण यह कोई किसी की वैयक्तिक संपदा नहीं इसका जतन तो जनसमुदाय को मिलकर करना चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ रखेंगे तो हम ही लाभान्वित होंगे। प्रकृति के साथ जब खिलवाड़ होता है तो उसके परिणाम हमें किसी ना किसी रूप में भुगतने ही पड़ते है। वर्तमान दौर में आने वाली अनेक ज्वलंत समस्यायें इसका उदाहरण है, जलसंकट, बिजली की आपूर्ति, प्रदूषण से होने वाली असंख्य बिमारियां आदि...। हम जिस तरह अपना घर स्वच्छ, सुसज्जित रखते हैं उसी तरह पर्यावरण का जतन करते तो समस्यायें इतना विकृत रूप नहीं लेती। किंतु स्वार्थ मानव के भीतर इस कदर समाया है कि वह अपनी सुख-सुविधा, लाभ के खातिर पर्यावरण को लेकर अपने दायित्वों से विमुख हो रहा है और इसलिए कानून व्यवस्था का सहारा लेना जरूरी हो गया। वृक्षारोपण करना मात्र दिखावा है जो अखबारों की सुर्खियों तक ही सीमित रहता है, सच्चे मन से वृक्षों का जतन करने वाले विरले ही हैं। मानव अच्छे और बुरे का अंतर जानते हुये भी बार-बार अपनी गलतियां दोहराता है, जब तक उसे दंडित नहीं किया जाता। इन गलतियों की पुनरावृत्ति जारी रहती है इसलिए कानून व्यवस्था ही पर्यावरण संरक्षण का एकमात्र उपाय है।

■ **राजश्री राठी,** अकोला

क़ानून काफी नहीं पर्यावरण संरक्षण के लिये

पर्यावरण संरक्षण में क़ानून ही पर्याप्त होता तो विश्व विनाश की चौखट पर ना होता। पर्यावरण के विनाश की कहानी मानव के घृणित स्वार्थ ने ही तो लिखी कि साँस को मोहताज हो गये हम सभी। किन्तु जुमलों से प्रकृति नहीं संवार सकते, कोई क़ानून जागृति नहीं ला सकता, जब तक हम अपनी जिम्मेदारी ना समझ लें। पेड़ लगा कर फोटो डालने का मतलब कभी प्रकृति का लगाव प्रकट नहीं करता। भावी पीढ़ी को हम नर्क में धकेल रहे हैं, ना हवा, ना पानी रहेगा, साफ गर्म धरती पर कैसे पैदा होगा अनाज, सब कुछ ख़त्म हो जायेगा। दुनिया में मच जायेगी त्राहि त्राहि। प्रकृति कराह रही है, इंसान की गद्दार फितरत से कि, इतना अहसान फरामोश है, जिसे पालती है प्रकृति, उसे ही नोंच लेता है। क़ानून ही नहीं जमीर जागना चाहिये। मानव को हृदय से प्रकृति का सम्मान करना चाहिये। पंचतत्व से बनी काया मिट्टी में मिल जायेगी। पवन, धरा, अग्नि, आसमान, जल यही तो काया है। इसी को हमने प्रदूषित कर जिंदगी को जहन्नुम बना डाला। अब हम खुद विवश हो गये हैं, बर्बादी खुद ही अपने हाथों से लिख ली। क़ानून क्या करेगा? अगर अंतरमन ना बदला तो फिर शायद बोतल में हवा और कैप्सूल में पानी लेकर जिंदगी के लिये लड़ना पड़ेगा। अतः मन से प्रकृति की सुरक्षा के लिये प्रतिबद्ध होना होगा।

■ **पूजा नबीरा,** काटोल, नागपुर (महाराष्ट्र)

पर्यावरण सुधार ही में है मानव का कल्याण

भारत के संविधान में पर्यावरण का विशेष उल्लेख होने के कारण हमारा देश विश्व के उन गिने-चुने देशों में शुमार है जिनके संविधानों में पर्यावरण का विशेष उल्लेख है। इसलिये ही हमारे यहाँ व्यापक पर्यावरणीय कानून मौजूद हैं यानि हमारी नीतियाँ पर्यावरण संरक्षण में भारत की पहल दर्शाती हैं। इसके बावजूद हमारे यहाँ पर्यावरण की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है क्योंकि नाले, नदियां तथा झीलें सभी औद्योगिक कचरे से भरी हुई हैं। भारतीय मनीषियों ने बहुत पहले ही हमें समझा दिया था कि जल, वायु, पृथ्वी,अग्नि और आकाश इन पाँचों तत्वों से ही ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई है, जिसका सीधा अर्थ है कि जंतु, पेड़-पौधे और हम मनुष्य सभी इन पंच-तत्वों के संयोग से ही पैदा हुए हैं। इसलिए इन पाँचों में संतुलन बना रहे, यह हम सभी की जिम्मेदारी है, क्योंकि संतुलन रहने से ही पर्यावरण सब तरह से अनुकूल रहेगा। वनों व वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई जिसके चलते जंगल खाली होने लगे और पशु-पक्षियों के लिए भी संकट पैदा कर दिया। वृक्षों के अभाव का परिणाम है कि आए दिन पर्वतों की चट्टानें खिसकने और गिरने की घटनाएं सामने आती हैं। हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिये पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल मनुष्य के जिम्मे है।

■ **गोवर्धन दास बिन्नाणी**, बीकानेर

यह हर मानव की जिम्मेदारी

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कानून तो बने हुए हैं किंतु इनका सख्ती से पालन करवाना, वन-जंगल को बचाना, प्राकृतिक पर्यावरण को सुरक्षित रखना, यह मात्र सरकार की ही नहीं हर मानव की भी जिम्मेदारी है। इसे केवल न्यायालय पर छोड़ देना ही पर्याप्त नहीं है। आज मानव अपने निहित स्वार्थ के लिये जंगलों की कटाई कर रहा है। अपने लाभ के लिये बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन करके कांक्रीट जंगल की स्थिति निर्मित कर रहा है। बढ़ते नये-नये औद्योगिकरण के कारण अनगिनत पेड़ों की कटाई हो रही है। यही नहीं शहरीकरण करने में व नई-नई कॉलोनियां बनाने में तथा रोड चौड़ा करने आदि में पुराने लगे हुए हरे-भरे पेड़ कटते जा रहे हैं। इसके कारण पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जब कि पेड़ों से होने वाले लाभ अनगिनत हैं। पेड़ स्वयं धूप में रहकर दूसरों को छाया देता है, फल देता है, ऑक्सीजन देता है और तो और कई वृक्षों की जड़ें, टहनियां व उनके पत्ते रोगों की रामबाण औषधि के रूप में मनुष्य को निरोग बनाने में सहायता करते हैं तो फिर मानव क्यों पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रहा है?

■ **आनंदीलाल गांधी**, उज्जैन (म.प्र.)

बुद्धि का सकारात्मक उपयोग करे मानव

विश्व भर में पाँच जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण संतुलन से ही सृष्टी संतुलित रह सकती है। पर्यावरण संरक्षण का मतलब केवल हवा, जल, पेड़-पोधे, इतना ही सीमित नही है। समस्त जीवसृष्टी, पशुपक्षी, जंगली तथा घरेलू प्राणी, नदियाँ, पहाड़, वन, शीला पत्थर से लेकर सूक्ष्मजीव का अस्तित्व और उपजाऊ जमीन मिट्टी तक का संरक्षण जरुरी है। ये सभी निसर्गचक्र के अंग है। मानव संस्कृति विकास में हमने कई कानून बनाये हैं, जिसमें जल सुरक्षा, वन्य प्राणी संरक्षण, वायु प्रदूषण के नियम हैं। लेकिन क्या कानून से पर्यावरण की सुरक्षा की जा सकती है? मानव के बुद्धिजीवी होने से वन्य प्राणियों से ज्यादा उसकी जबाबदेही है। पुरातन संस्कृति में ग्रंथों में कई जीव-जंतू, सांप, जलचर, जंगली प्राणियों को पूजा गया है और उनका महत्व वर्णित है। हमारा समाज शेर को माँ दुर्गा का वाहन मानता आया है क्योंकि वह अन्य उपद्रव मचाने वाले जानवरो का भक्षण कर संतुलन रखता है। कछुआ, मछली जैसे प्राणी जलशुद्धि करते हैं और मछली खाद्य की पूर्ति करती है इसलिये हम उनको पूजते भी हैं। कई जलचर मानव को औषधि स्वरूप भी काम आते हैं। मानव को छोड़कर अन्य सृष्टी को कोई नुकसान भी नही करते। मानव जल, हवा, पृथ्वी और आसमान को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिये केवल मानव को बुद्धिजीवी रहते हुए भी कानून से जकड़ना जरूरी है। वास्तव में मानव को खुद को नियंत्रित कर बुद्धि का सकारात्मक उपयोग कर पर्यावरण सृष्टी को बचाना होगा।

■ **अर्चना तोषनीवाल**, हिंगोली (महाराष्ट्र)

आधुनिकता के साथ हरियाली भी जरूरी

हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत से कानून बने हैं। त्वरित सुनवाई के वाबजूद भी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ हो रहा है। दिनोंदिन पर्यावरण क्षतिग्रस्त होता जा रहा है। हरियाली में कमी का कारण हम स्वयं हैं। नियम कानून होते है, निभाने के लिए, ना कि खिलवाड़ के लिए। लोग अपनी सुविधानुसार, स्मार्ट सिटी बनाने के चक्कर में हरियाली में कमी कर रहे है। इसका असर पर्यावरण के साथ हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। जिसके लिए हमे स्वयं जागरूकता दिखानी होगी। हम विदेशो की लाइफस्टाइल से आकर्षित होते है। लेकिन वहां पर लोग स्मार्ट सिटी बनाने के साथ हरियाली का भी पूरा ध्यान रखते है। ये सोच हमें पर्यावरण संरक्षण में प्रेरणा दे सकती है। हमें हरियाली का प्रचार-प्रसार जोर-शोर से करना होगा। पर्यावरण संरक्षण मे कानून के साथ-साथ हमारी जागरूकता भी आवश्यक है।

■ **किरण कलंत्री**, रेनुकूट (यूपी)

स्वयं करे प्रकृति संरक्षण

पर्यावरण संरक्षण आज एक जाना पहचाना शब्द बन चुका है और संरक्षण हेतु अनेकानेक कानून भी बन चुके हैं । सिर्फ कानून बनना ही पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित नहीं करेगा। चिपको आंदोलन क्या किसी कानून के कारण हुआ? नदियों का संरक्षण क्या किसी कानून के तहत हुआ? उत्तर में सिर्फ इतना ही समझ आता है कि कानून एक माध्यम हो सकता है जनसाधारण को जगाने के लिए। परंतु वास्तविक जागृति तो स्वयं के संयम एवं प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने से ही मिल सकती है। प्रकृति स्वयं इतनी सक्षम है कि वह स्वयं को संरक्षित एवं साफ रख सके। हमें समझने की आवश्यकता तो सिर्फ इतनी है कि हम उसे और प्रदूषित ना करें। पशु-पक्षियों को उनके घरों से दूर ना करें तथा मानवीय मूल्यों को समझते हुए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करते हुए स्वयं को जागरूक करें एवं कानून नहीं स्वयं अनुशासन द्वारा प्रकृति के संरक्षण को सुनिश्चित करें।

■ **छाया राठी**, जोधपुर

सामाजिक संस्थाऐं भी दें प्राथमिकता

विधान (कानून) को बनाने का उद्देश्य अपराध की रोकथाम के अतिरिक्त प्रजा जनों को दिशा निर्देश देकर उस विशेष विषय को मूर्तरूप देने के लिए प्रेरित करना भी होता है। परन्तु आज निजी स्वार्थों के कारण न तो वन विभाग के छोटे बड़े कर्मचारी और अफसर ही इस ओर ध्यान दे रहे हैं, न ही सर्वसामान्य को जागरुक करने का कोई अभियान ही चलाया जा रहा है। साथ ही साथ बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अधिक कृषि भूमि एवं नये-नये विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए पेड़ों को काटा जा रहा है। पर्यावरण का बहुत अधिक असंतुलित होना, बाढ़ आना, भूस्खलन होना आदि आपदाओं को हम स्वतः ही निमंत्रण दे रहे हैं। इसके लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देने वाले सार्वजनिक उपक्रम तो चलाने चाहिए, सामाजिक संस्थाओं को भी इस महत्वपूर्ण विषय को प्राथमिकता देनी चाहिए,ताकि यह एक अभियान का रूप लेकर जन जन तक पहुंच सके। लोगों को इसके महत्व का गंभीरता से आभास हो सके और यह वसुधा पुनः हरे वस्त्रों में लिपट कर सुहावनी लग सके।

■ **महेश कुमार मारू,** मालेगांव।

व्यक्तिगत स्तर पर संकल्प लें

पर्यावरण संरक्षण के लिए बनाए गए विभिन्न पर्यावरणीय कानूनों व नियमों के बावजूद भी यदि आज पर्यावरण की स्थिति बद से बदत्तर होती जा रही है तो यह सोचना अति आवश्यक हो गया है कि कमी कहां रह गई? प्रकृति और मानव का यह सदियों पुराना रिश्ता क्यों इतना कमजोर हो गया कि आज प्रकृति के नियमों का पालन करने या करवाने के लिए कानून का सहारा लेना पड़ रहा है? क्या मात्र कानून के डर से नियमों का पालन किया या करवाया जा सकता है? शायद नहीं। जब तक हम व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक हम धरती मां को उसकी वह हरियाली नहीं लौटा पाएंगे जिसकी वह हकदार है। मात्र एक दिन पर्यावरण दिवस मना लेने भर से पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का निर्वाह नहीं होता। सुंदर पर्यावरण तो वह विरासत है जो हमें हमारे पूर्वजों से मिली और अब हमें इसे अपनी भावी पीढ़ियों को सौंपना है। यदि हम अपने बच्चों को एक स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर जीवन जीता हुआ देखना चाहते हैं, एक सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं तो हमें उन्हें एक संरक्षित पर्यावरण देना होगा। जब तक यह भाव जन जन के मन में नहीं जागेगा, तब तक चाहे कानूनों में कितने भी बदलाव हो जाऐं, कितने भी पर्यावरण संबंधी नियम बन जाऐं, पर्यावरण संरक्षण नहीं हो सकता। अतः अब समय आ गया है कि हम सभी एकजुट होकर प्रकृति के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें और निष्ठापूर्वक इसका पालन करें। तभी हम पर्यावरण की रक्षा कर पाएंगे।

■ **मीनू नवनीत भट्टड़,** नागपुर

आम जनता का साथ होना जरूरी

पर्यावरण संरक्षण में मात्र कानून पर्याप्त नहीं है, कानून के साथ आम जनता का साथ होना बहुत जरूरी है। ग्रीन ट्रिब्यूनल तक की सुनवाई से कानून अपना काम काफी हद तक बहुत अच्छा करती है लेकिन हकीकत यह है कि कानून के साथ आम व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना पूर्ण योगदान दें, तभी हम पर्यावरण को सुरक्षित रख पाएंगे। आम व्यक्ति के सहयोग के बिना पर्यावरण संरक्षण अपर्याप्त है, क्योंकि कानून 24 घंटे तो पर्यावरण की रक्षा के लिये सब जगह उपस्थित नहीं रह सकता है, पर आम व्यक्ति का यदि साथ होगा तो वह अपनी जिम्मेदारी खुद अपने आप संभालने के लिये तैयार हो जाता है। जिम्मेदारी आने पर खुद भी पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाएगा और अपने आसपास किसी भी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने नहीं देगा। पहले तो वह नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति को प्यार से समझायेगा। अगर वह मान गया, तब तो बहुत बढ़िया बात है, लेकिन वह नहीं समझा, तो अपनी बात कानून तक पहुंचाने की कोशिश करेगा पर पर्यावरण को नुकसान नहीं होने देगा। वह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएगा। इसीलिए कानून के साथ-साथ आम जनता का सहयोग होना, पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत जरूरी है। जैसे डाली से टूटा फूल फिर से नहीं लग सकता, लेकिन यदि डाली मजबूत हो तो उस पर नया फूल खिल सकता है। उसी तरह पर्यावरण संरक्षण में कानून व आम व्यक्ति दोनों साथ हों तो वो अपने हौंसले और विश्वास से पर्यावरण मजबूत बना सकते हैं और पर्यावरण को सुरक्षित भी रख सकते हैं।

■ **भगवती-शिवप्रसाद बिहानी,** नाजिरा (सीब सागर)

हमारे हाथों में है पर्यावरण सुरक्षा

मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि पर्यावरण संरक्षण में मात्र कानून पर्याप्त है। क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा हमारे हाथों में है। माना कि पर्यावरण भगवान नहीं है, परंतु भगवान से कम भी तो नहीं है। जीवन जीने के लिए जितने संसाधन सामग्री हमें जरूरी है, वह सब हमें पर्यावरण द्वारा ही तो प्राप्त होती है। कानून तो मन का होना चाहिए, किसी के द्वारा जबरदस्ती लादे गए नियमों का कानून कोर्ट में होता है। कानून क्या है- मानव में मानवीय सुरक्षा के लिए, मानव के हित में बनाए हुए नियम यानि कानून। क्या हर जगह हम कानून का इंतजार करेंगे, नहीं ना। तो पर्यावरण की सुरक्षा जिससे हमें शुद्ध हवा, निर्मल जल एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए औषधियां, मीठे फल-फूल व पेट भरने के लिए अनाज मिलता है। क्या उसके संरक्षण की जवाबदारी हमारी नहीं है? परंतु एक बात है जिस तरह लातों के भूत बातों से नहीं मानते, उसे तरह कानून व्यवस्था का डर रहा तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को थोड़ी झिझक होगी, डर रहेगा। सही बताएं तो कानून यानी आम जनता को पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित कैसे रखा जाए, यह बताने का तरीका या नियम है। अगर पर्यावरण संरक्षण के कानून एवं नियम नहीं होंगे तो बढ़ती आबादी और जंगली संसाधनों के दुरूपयोग से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ सकता है। जंगल कटाई से जंगली जीवन असुरक्षित होकर पशु गांव में घूमते नजर आएंगे। जंगल माफिया व शिकारी पर्यावरण को क्षति पहुंचाने से बाज नहीं आएंगे। इन सब से बचना है तो कानून का डर चाहिए इसलिए कुछ नियम यानी कानून जरूरी है। उसी तरह यातायात वाहनों की सही देखभाल, फैक्ट्रियों से निष्कासित पानी या दूषित पदार्थों में कैमिकल्स को सही जगह विसर्जित करना इन सब को हम कानून के सहारे से ही समझा करते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि मात्र कानून ही पर्याप्त नहीं, हमें भी पर्यावरण को अपना मित्र समझकर उसकी देखभाल करना चाहिए।

■ **मीना कलंत्री,** वसई (मुंबई)

बच्चे को पालने जैसी है पौधों की देखरेख

हम जो भी पौधा उगाते हैं वह एक नए बच्चे को जन्म देने जैसा होता है। जैसे हर बच्चे को बढ़ने और मजबूत बनने के लिए पोषण की जरूरत होती है उसी तरह पौधों को भी होती है। आप सिर्फ 'इसे रोपें और छोड़ दें' ऐसा नहीं कर सकते। कितने पेड़ बचे हैं, यह कितने पेड़ लगाए इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने इसे अपने माता-पिता माँ शारदा डागा और पिताजी नवल डागा से सीखा है जो पिछले 40 वर्षों से पर्यावरणविद् के रूप में सेवा दे रहे हैं। इन्होंने अपना जीवन पर्यावरण को समर्पित कर दिया है। एक नन्हा पेड़ बिल्कुल एक बच्चे जैसा होता है। जलवायु परिवर्तन को रोकने में मदद करने की इसमें अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसमें दशकों लग जाते हैं। लेकिन इस बीच, इसके खिलाफ बहुत काम हो रहा है। इनके बड़े होने में अत्यधिक चुनौती है। यह छोटा है, इसका अर्थ है यह कमजोर है, इसके तूफान, कीट, या अन्य आपदा से मरने का अधिक जोखिम अधिक है। यदि ऐसा होता है, तो इसके भविष्य के जलवायु लाभ अचानक समाप्त हो जाएंगे। यह बहुत अच्छा है कि संगठन पेड़ लगाना आसान बना रहे हैं। लेकिन जैसा कि हम देखेंगे, नए पेड़ लगाने से हम उन अरबों पेड़ों की भरपाई नहीं कर सकते जिन्हें हम खो रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम मौजूदा पेड़ों और उनके पोषण के पोषण पर ध्यान दें। जिस प्रकार हम बच्चे को पर्याप्त और अधिक पोषण देकर और भविष्य में उसे आत्मविश्वासी और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक जोखिम देकर उसकी देखभाल करते हैं- उसी तरह हमें आवश्यक खाद डालकर और ट्री गार्ड लगाकर और नियमित रूप से उसे गमले में डालकर अच्छा पोषण देना होगा। स्पर्श और अनुभव द्वारा भी उस प्रेम और देखभाल को प्रदर्शित करना जरूरी है। मैंने इसे हाल ही में देखा है जब मैं अपने पौधों से मिलती हूं- वे उसी तरह प्रतिक्रिया करते हैं जैसे बच्चे। जब आप उन्हें कसकर गले लगाते हैं तो प्रतिक्रिया देते हैं। यह हमारे पौधों को गले लगाने और प्यार दिखाने का समय है और उन चमत्कारी ऊर्जाओं का आनंद लें जो वे आपको वापस विकीर्ण करती हैं और आपकी आभा को हरा-भरा और उज्जवल बनाती हैं। अतः अपने आस-पास अपने पौधों को खुश व पोषण से भरपूर रहने दें।

■ **पिंकी नवल डागा,** जयपुर

मीठा झूठ बोलने से अच्छा है
कड़वा सच बोला जाए,
इससे आपको
सच्चे दुश्मन जरूर मिलेंगे
लेकिन झूठे दोस्त नहीं।

हमें कर्त्तव्यों को समझना जरूरी

हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर कानून बने हुए हैं लेकिन फिर भी दिनोंदिन पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होता जा रहा है। वास्तव में पर्यावरण संरक्षण में मात्र कानून पर्याप्त नहीं है। कानून बनते हैं सुरक्षा के लिए, मूक पेड़-पौधे तो अपने विरूद्ध हो रहे अत्याचार के प्रति आवाज भी नहीं उठा सकते। कानून भी तभी काम आ सकता है जब पर्यावरण के प्रति कोई जिम्मेदार होकर नियम विरूद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ आवाज उठाएं। पर्यावरण सुरक्षा मानव समुदाय के समग्र विकास के लिए आवश्यक है क्योंकि सृष्टि रचयिता ने मनुष्य को ही इतना विवेकशील व बुद्धिमान बनाया है कि वह सबकी भलाई को ध्यान में रखकर निर्णय कर सके। इसलिए हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम विवेक शून्य होकर न जीयें। अधिकार मिलते हैं तो साथ ही कर्त्तव्य भी बनता है। महज कानून पर्याप्त नहीं है। हम सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और इस वसुंधरा को हरा-भरा रखना होगा, तो 'ग्रीन ट्रिब्यूनल' की आवश्यकता ही नहीं रहेगी।

■ **स्वाति मानधना,** बालोतरा

माहेश्वरी समाज ने अपना पारम्परिक पर्व सातुड़ी (कजरी) तीज गत 25 अगस्त को भाद्रपद कृष्णपक्ष तृतीया को पूरे उत्साह के साथ मनाया। इसमें घर-घर नीमड़ी पूजन के साथ महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना की, वहीं कई जगह समाज संगठनों ने सामूहिक रूप से भी सातुड़ी तीज (पर्व) का आयोजन किया। इन आयोजनों के कई फोटो हमें प्राप्त हुऐ, लेकिन अधिकांश निर्धारित मापदण्ड के अनुसार नही पाये गये। फिर भी चयन समिति ने अत्यंत कठिनता से श्रेष्ठ फोटो का चयन कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ मनी सातुड़ी तीज

- सुलोचना मोहता, कोटा

- मंगला माहेश्वरी (चितलांग्या), उज्जैन

विदेशों में भी मनाई गई सातुड़ी तीज

- हर्षिका बाहेती बफ़ेलो, न्यूयॉर्क (अमेरिका)

- किरण लड्ढा, जकार्ता (इंडोनेशिया)

- रूचि बाहेती, स्वीडन

- सरोज काकाणी, नेपाल

- सौम्या राठी, शर्मिला राठी, दिल्ली

-अनिता तोतला, मुंबई

- अनिता मूंदड़ा, प्रांजल मूंदड़ा, राजनंदगांव

- दीपिका मंत्री

- वरंगल माहेश्वरी महिला समाज

- कोमल तापड़िया

- शालिनी तोषनीवाल

- फारबिसगंज

- श्रुति तोतला, मुंबई

- अनिता मंत्री

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

नए साहित्यकारों का संबल बनेगा

ऋषिमुनि प्रकाशन

आप अच्छे लेखक हैं तो आपको एक अच्छे प्रकाशक की भी आवश्यकता है, जो आपके बजट में आपकी अनमोल कृति का प्रकाशन कर पाठकों तक पहुँचा सके। ऐसे सभी लेखकों के लिए देश का प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह **''ऋषिमुनि प्रकाशन''** समाधान बनकर आया है।

''ऋषिमुनि प्रकाशन'' विगत 30 वर्षों से अपने सुरूचि पूर्ण, सुंदर एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन के लिए प्रतिबद्ध व प्रसिद्ध है। निरंतर आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रकाशन समूह ने विभिन्न विषयों पर अब तक 100 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर पाठकों के बीच अपनी पेठ बनायी है।

अब समूह ने अपनी नई योजना के तहत अत्यल्प लागत शुल्क लेकर कई सेवाओं के साथ जैसे टाईपिंग, प्रुफ-रीडिंग, डिज़ाइनिंग, ISBN No. आदि के साथ नये लेखकों की रचनाओं के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है।

आप आपनी कविताओं, कथाओं, व्यंग्य, आलेख व धर्म से संबंधित रचनाओं के पुस्तकाकार रूप में प्रकाशन के प्रति उत्सुक हैं तो कृपया संपर्क कर अपना मनोरथ सिद्ध करें।

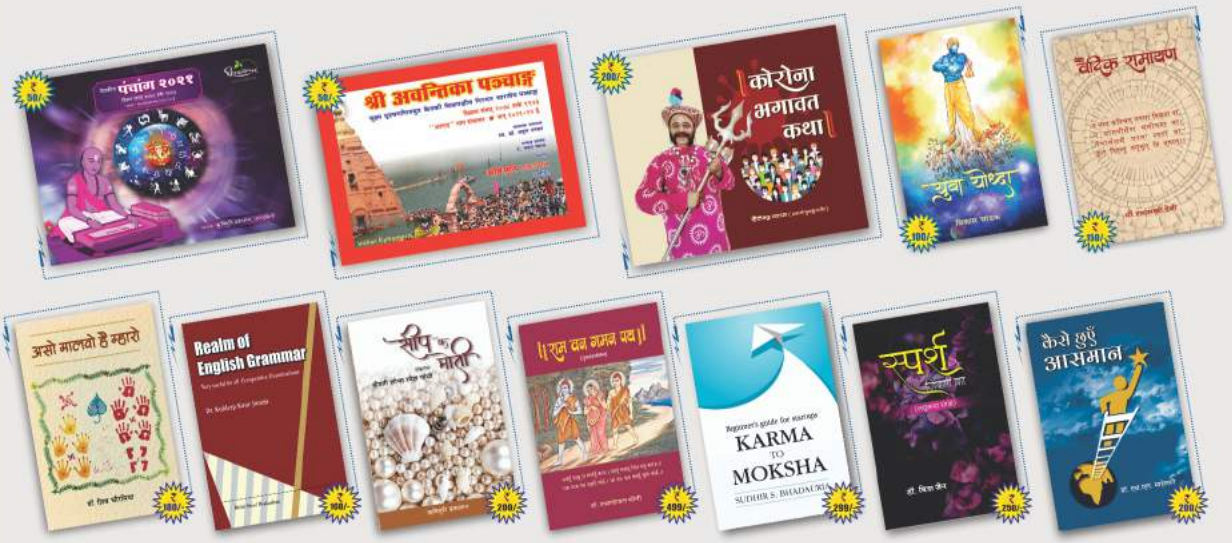

ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कोई भी पुस्तक आप घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं।
श्री माहेश्वरी टाईम्स के **पाठकों** को इनके मूल्य पर **विशेष छूट** प्रदान की जाएगी।
अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे।

सम्पर्क- 90, विद्या नगर, सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) मोबाईल : 094250-91161
E-mail : rishimuniprakashan@gmail.com

खुश रहें - खुश रखें

खुदा से प्रेम तो उसकी बनाई दुनिया से नफरत कैसे?

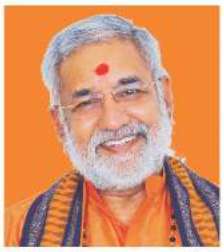

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

संसार में कुछ शब्द बहुत गलत तरीके से समझे गए और उन्हीं में से एक है प्रेम। इस शब्द के साथ न सिर्फ नादानी हुई बल्कि खूब अत्याचार भी हुआ। कभी इस पर वासना का आवरण लपेटा गया तो कभी मोह की चादर बांध दी गई। इमाम शाफी नाम के मुस्लिम संत इस कदर प्रेम में डूबे हुए थे कि उनसे छोटे, उनके हम उम्र तो उनके मुरीद थे ही लेकिन उनसे बड़ी उम्र के लोग भी उनके पीछे भागते फिरते थे।

अध्यात्म में परमात्मा के प्रति प्रेम और भय दोनों एक साथ चलते हैं। यह अजीब से मेलजोल है। वैसे जहां प्रेम है वहां भय नहीं होता और जहां भय है, वहां प्रेम नहीं होगा, लेकिन ऊपर वाले के रिश्ते में ये दोनों एक साथ चलते हैं।

एक बार एक खलीफा ने खयाल किया कि इमाम शाफी से एक फैसला करवाया जाए। उनकी परीक्षा भी हो जाएगी और मेरा भ्रम भी दूर होगा। खलीफा ने सवाल किया कि इमाम यह बताएं कि मैं जन्नती हूं या दोजखी? यानी मैं स्वर्गवासी हूं या नर्कवासी।

फैकीर इमाम ने खलीफा से एक सवाल पूछा, "क्या जिंदगी में ऐसा हुआ है कि कोई गुनाह करने के पहले अल्लाह के खौफ के कारण आपने वह गुनाह नहीं किया?" खलीफा ने कहा कि हाँ ऐसा मौका आया है। इमाम शाफी बोले तो आप जन्नती हैं, स्वर्ग के हकदार हैं, आप स्वर्ग में ही जाएंगे।

लोगों ने सवाल किया- आपके फैसले का आधार क्या है? तो फकीर ने कहा कि कुरआन में आयत आई है जिसका मतलब है कि जिस शख्स ने गुनाह का कस्द (विचार) किया और फिर खौफे-इलाही (प्रभु-भय) की वजह से गुनाह करने से दूर रहा तो उसका घर जन्नत है।

इसलिए उस परमपिता के प्रति हमारे भीतर ऐसा प्रेम होना चाहिए जो विस्तारित होकर सारी दुनिया के लिए फैल जाए। जो खुदा से प्रेम करे वह उसकी बनाई हुई दुनिया से नफरत कैसे कर सकता है।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

मोदक

सामग्रीः- दो गिला नारियल किसा हुआ, दो कटोरी गुड़ कीसा हुआ, 5-6 इलायची का पाउडर, 3 टेबलस्पून एकदम गरम तेल, तलने के लिए घी या रिफाइंड तेल।

विधी :- नारियल और गुड़ दोनों को मिला ले और धीमी गैस पर उसको पका ले, जब सारा मिश्रण एक दूसरे में अच्छे से मिक्स हो जाएगा तब उसमें इलायची पाउडर डालकर ठंडा होने रख दे।

रवा, मैदा, 3 टेबलस्पून एकदम गरम तेल मोहन का, और एक चुटकी नमक डालकर दूध में या पानी में आटा को सान ले, आटा थोड़ा कड़क लगा ले और 1 घंटे रख दे। भिगे हुए मैदे को अच्छे से मठार कर उसकी लोई बना ले, फिर उसकी रोटी बेल ले ।

अब इस रोटी को मोदक के सांचे में रखकर अंदर में नारियल वाला मिश्रण डाल दे और साचे को अच्छे से दबाकर डिमोल्ड कर ले। धीमी आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

इस सामग्री में मीडियम साइज के 21 मोदक बनते हैं। गणपति जी का प्रिय भोग है, प्रसाद है।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

डर रे आगे ही जीत है

खम्मा घणी सा हुकम आज आपा बात कर रिया हां.. डर, भय, गलती... जी हां हुकम डर या भय एक नकारात्मक भावना है या कई रूपों में मनुष्य रे भीतर हुवे.. जैसे कई लोग अचानक बिजली चली जावें तो अंधेरे सूं डरन लाग जावे क्योंकि उण अंधेरे में वे महसूस करें कि पिछे कोई है घर मे कोई व्यक्ति या रोशनी रो सहारो ढूंढे... डर कई तरह रा हूँ सके.. डरावनी फिल्मों सूं डर.. नदियां या गहरों पाणी रो डर... रेंगने वाळा जीवों सूं डर.. लाशों सूं डर.. वगैरह।

हुकम डर एक एड़ी चीज़ है जो आपाणे दिमाग में आपाणी कल्पना रे जरिये पैदा हुवे। हर व्यक्ति रे साथे जीवन में कोई न कोई एड़ी चीज़ जरूर हुवें जिकी वाणें खतरनाक या डरावनी लागे.. सच कहूं हुकम तो... इण दुनियां में हर कोई कई तरह रा भय या डर सूं घिरयोड़ो हैं।

हुकम डरन रो प्रमुख कारण अपणे खुद रे अंदर सूं पैदा हुवे जैसे व्यापार करा तो कमावन रो डर, भोजन बणावा तो बढ़िया बणी या नहीं यो डर.. लेकिन धीरे धीरे प्रयास सूं डर कम हुवे और खत्म भी हूँ जावें... तो या बात आपाणे खुद ने समझणी पड़ी की.. डर सूं छूटकारों पावण वास्ते खुद ने ही बहादुर हूवणों पड़ी।

हुकम डर जीवन रो हिस्सों है और यों हर किन्ही रे जीवन मे हुवें। कई बार डर ने आपा आदत रो हिस्सों बणा देवा... जणे आपाणो जीनों ही मुश्किल हूँ जावें। डर रो सबसूं बड़ो कारण है आत्मविश्वास री कमी। हुकम जणे भी आपा आरामदेही दायरे सूं निकळ कोई कार्य करां तो डर लागे.. इण वास्तें वो कार्य जिणमें डर लागें जरूर करनो चाहिजै डर ने डर रो सामनों कर ने ही खत्म करिजे।

गलतियां सबसूं हुवे यां कोई बड़ी बात नहीं.. ज्यादातर सफल लोगा रे अनुसार गलतियां और असफलता आवश्यक है इनि महत्ता सफलताओं सूं अधिक हैं ।

महान लोगाँ रे अनुसार आप जिती ज्यादा गलतियां करों उति ही ज्यादा आपरें सफल हुवण री संभावना बढ़ जावें।

हुकम सबसूं बड़ी बात आपरों जीवन दूसरा लोगा रे हिसाब सूं जीवनों बंद कर दो.. लोग कांई केवेला.. या बात अगर आप सोचो तो लोगा ने सोचण वास्ते कांई बची..

डर रे आगे ही जीत है या ही दुनियां री रीत है।।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- बारिश होना बन्द हो गयी जरा मालूम करो
  कहीं बादल तो नहीं बेच दिये हुजूर ने...
- नज़्म वो ही, मुकम्मल है मेरी नज़र में,
  जब तू पढ़े तो तेरी, और मैं पढ़ूँ तो मेरी लगे !!
- बुलंदियों में यक़ीनन, यक़ीन रखती हूँ
  मगर मैं पांव के नीचे, ज़मीन रखती हूँ !!
- दुनिया को कुछ दिन और बेखबर रहने दो,
  वक्त बदलेगा तो कारवां भी नया होगा !!
- तन्हाई के लम्हों में हसीन तेरा तसव्वुर
  इक बार जो आजाए, ना जाने के लिए है।
- हज़ार बार ही खुरचा, नहीं मिटा लेकिन...
  दीवारों पर मेरे दिल की, उसी का चेहरा था।
- सम्भाल कर तुमको भी चलना पड़ेगा,
  ये रस्ते, प्यार के मुश्किल बड़े हैं।।

कार्टून कौतुक

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए प्रगति सूचक होगा। मन प्रसन्न रहेगा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में लाभ होगा। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। नए लोगों से भेंट होगी, जान पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। सुखद यात्रा के योग रहेंगे, पुराना रुका हुआ धन प्राप्त होगा। विरोधी अपनी कूटनीति रचेंगे किंतु वे सफल नहीं हो पाएंगे। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। धन की आपूर्ति हो जाया करेगी।

वृषभ

यह माह आपके लिए आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे, मन प्रसन्न होगा। बड़े-बड़े लोगों से संपर्क होंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय के नए अवसर प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतांतर होगा। उधार दिया हुआ पैसा रुक सकता है। व्यर्थ के विवाद से बचें। दूर देश की यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। पारिवारिक सुख-आनंद की प्राप्ति होगी। भौतिक सुख सुविधाओं में खर्च करेंगे। परिवार में मांगलिक एवं धार्मिक कार्य के शुभ अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन

यह माह आपके लिए पारिवारिक सहयोग प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ रहेगा। भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। संतान के कार्यों में प्रगति होगी। यश एवं कीर्ति मिलेगी, रुका हुआ धन प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। स्थान परिवर्तन के योग भी होंगे। अनैतिक कार्यों से दूर रहना उचित रहेगा। अतिथियों के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा। लंबी यात्रा के योग रहेंगे, हड्डी एवं दांतों से कष्ट के योग प्रबल बने रहेंगे। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में ऋण के माध्यम से सफलता अर्जित होगी।

कर्क

इस माह में आपको राजकीय कार्यों में सफलता अर्जित होगी। व्यापारिक योजना बनाएंगे एवं उसमें सफलता मिलेगी। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मनोरंजन का लुत्फ उठाएंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। माता-पिता एवं बड़ों के प्रति श्रद्धा, आस्था एवं निष्ठा भाव रहेंगे एवं उनका साथ प्राप्त होगा। पेट गैस एवं पाचन तंत्र के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक यात्रा के योग एवं परिवार में विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे।

सिंह

इस माह में आपके पुराने रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-सुविधा का लाभ उठाएंगे। धार्मिक मांगलिक एवं शुभ अवसरों में सम्मिलित होंगे संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा में आनंद की अनुभूति होगी। जीवन साथी एवं बच्चों के साथ मौज मस्ती भरा जीवन व्यतीत करेंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। व्यय की अधिकता तो रहेगी परंतु धन की व्यवस्था हो जाएगी। राजनीतिक संपर्क का लाभ उठाएंगे। संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या

इस माह में आपको राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। उन्नति के नवीन अवसर की प्राप्ति होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। परिवार का स्नेह एवं सहयोग मिलेगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। शरीर कष्ट का भी सामना करना पड़ सकता है। यश मान-सम्मान में वृद्धि एवं रचनात्मक कार्य में अच्छी सफलता के योग रहेंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति एवं पद-प्रतिष्ठा, पदोन्नति एवं स्थान परिवर्तन के योग प्रबल रहेंगे। परिवार में जन्मोत्सव होगा। चुनौतीपूर्ण कार्यों को हाथ में लेंगे एवं श्रेष्ठ सफलता अर्जित होगी।

तुला

यह माह आपके लिए भौतिक सुख सुविधा से युक्त रहेगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में तनाव महसूस करेंगे। किसी विषय को लेकर भय बना रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भौतिक सुख सुविधा एवं नित नए नवीन व्यंजनों का लुफ्त उठाएंगे। शिक्षा के क्षेत्र में एवं व्यापार में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मान सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। पुराना रुका हुआ धन प्राप्त होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से मेलजोल बढ़ेगा। विपरीत योनि की तरफ रुझान महसूस करेंगे। कार्य की अधिकता रहेगी एवं आर्थिक लाभ होगा।

वृश्चिक

इस माह में आपके पुराने रुके हुए कार्य में सफलता मिलेगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे। आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए नवीन योजना बनाएंगे एवं उसे क्रियान्वित करने में सफलता अर्जित होगी। बेरोजगार को रोजगार मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। घर में उत्सव का वातावरण निर्मित होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान के कार्यों में सफलता प्राप्त होने से मन प्रफुल्लित रहेगा। कर्ज के माध्यम से आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

धनु

यह माह आपके लिए प्रतियोगी परीक्षा में श्रेष्ठ सफलता प्रदान करने वाला होगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी वाणी पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा, नहीं तो हानि या परेशानी उठाना पड़ सकती है। संतान के कार्य में सफलता मिलेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। पद की प्राप्ति एवं पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। व्यस्तता बनी रहेगी। पिता से वैचारिक मंतातर रहेंगे। पारिवारिक सुख का आनंद लेंगे। लंबी दूर देश की यात्रा करना पड़ेगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। स्थाई संपत्ति क्रय करने के योग प्रबल रहेंगे। बड़े बुजुर्गों का स्नेह आशीष प्राप्त होगा।

मकर

इस माह में आपको अधिक परिश्रम करना होगा तथा परिश्रम की तुलना में फल प्राप्ति में न्यूनता रहेगी। आलस्य को त्यागना होगा। स्थाई संपत्ति का निर्माण होगा। संतान से संबंधित कार्यों में रुकावट के साथ सफलता प्राप्त होगी। विवाह संबंध तय होगा। दांपत्य जीवन की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। वाणी की वजह से अपने बिगड़े हुए कार्य को बनाने में सफलता अर्जित होगी। अचानक लाभ प्रदान करने वाले व्यवसाय से लाभ प्राप्त होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे।

कुम्भ

यह माह आपके लिए पारिवारिक सुखद समाचार प्रदान करने वाला रहेगा। भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। भाग्य हमेशा साथ देगा, कार्यों में प्रगति आएगी। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। भूमि भवन तथा संपत्ति से संबंधित पुराने विवाद दूर होंगे। कार्य व्यवसाय में आर्थिक संपन्नता प्राप्त होगी तथा अनुकूलता रहेगी। विपरीत योनि की ओर रुझान होगा तथा प्रेम संबंधों में वृद्धि होने के योग प्रबल बने रहेंगे। भौतिक सुख सुविधा एवं हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। हड्डी, दाढ़, दांत से संबंधित कष्ट के योग प्रबल रहेंगे। किसी विषय पर मानसिक तनाव एवं अज्ञात भय महसूस करेंगे।

मीन

इस माह में आप किसी चुनौती भरे कार्य को हाथ में लेंगे एवं सफलता अर्जित करेंगे। धार्मिक मांगलिक शुभ कार्य में भाग लेंगे एवं इन कार्यों पर खर्च भी करेंगे। संतान से संबंधित प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। उच्च पद प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। झुकना कम पसंद करेंगे। दांपत्य जीवन की अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध तय होगा किंतु जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। अचानक आय वाले कार्यों से धन प्राप्ति के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। सोचे हुए कार्यों में सफलता मिलेगी तथा मन प्रसन्न रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

मध्यप्रदेश शासन

"सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्तां हमारा
हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा"

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वाधीनता दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज़ादी की वर्षगांठ पर अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को हम श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, प्रदेश में सौहार्दपूर्ण सम-समाज और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का अपना संकल्प दृढ़ता से दोहराते हैं।

श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

चुनौतियों से लड़कर देता जीत का संदेश – स्वस्थ, समृद्ध आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

हर गरीब का अपना घर
- प्रधानमंत्री आवास योजना की 2484 करोड़ रुपये की राशि जारी।

गर्व से कर रहे खुद का व्यवसाय
- पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से 3 लाख 16 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को मिला 316 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण।

आजीविका के अवसर
- प्रदेश में 5 लाख 54 हजार परिवारों को आजीविका स्व-सहायता समूहों से जोड़कर 4% ब्याज पर 1 हजार 400 करोड़ रुपये का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया।

हर कदम अन्नदाता के साथ
- कोरोना काल में रबी विपणन वर्ष 2021-22 में 17.16 लाख किसानों से 128.16 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर किसानों को 25,000 करोड़ रुपये का भुगतान।
- विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के हितलाभ किसानों को दिये गये।

सबको भोजन और पोषण
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 7 अगस्त को अन्नोत्सव में 1 करोड़ 15 लाख परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण।

स्वास्थ्य पर ध्यान
- अब तक 2.5 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी। 8 लाख 50 हजार हितग्राहियों का करीब 1200 करोड़ रुपये के व्यय से निःशुल्क इलाज।

खेलों को प्रोत्साहन
- खेलो इण्डिया योजना के अंतर्गत प्रदेश में 3 बड़े खेल सेंटर और 10 छोटे खेल सेंटर मंजूर।
- टोक्यो ओलम्पिक 2021 में मध्यप्रदेश के 11 खिलाड़ियों द्वारा देश का प्रतिनिधित्व।

महिला सशक्तिकरण
- प्रदेश के सभी जिलों के 700 थानों में ऊर्जा महिला डेस्क की स्थापना।
- महिलाओं के लिये ₹ 100 करोड़ की लागत से नारी सम्मान कोष की स्थापना।
- धार्मिक स्वतंत्रता कानून 2020 लागू।

कोरोना संक्रमण प्रभावितों की मदद के कदम
- कोविड आपदा में निराश्रित बच्चों की मदद के लिये मुख्यमंत्री कोविड बाल सेवा योजना।
- कोविड आपदा में शासकीय कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार को 5 लाख रुपये की वित्तीय मदद।
- मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना के तहत शासकीय कर्मचारी की मृत्यु होने पर एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति।
- कोविड-19 ड्यूटी पर तैनात फ्रंट लाइन वर्कर की मृत्यु हो जाने पर परिवार को 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता।
- मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क कोविड उपचार की सुविधा।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

प्रेरणा और प्रगति का प्रदेश मध्यप्रदेश D18069/21 आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2021

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 20 Hospitals: 1 million patients treated

Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccines in Maharashtra. Over 1800 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 September, 2021

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com